राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 केजरीवाल ने श्री दामोदर भजनी सप्ताह पर....

ऋषभ पंत ने रच दिया नया इतिहास.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 122 | नई दिल्ली, मंगलवार, 25 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 42.0°C

न्यूनतम तापमान 34.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	50%
नहीं	40%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,62,400
चांदी	2,60,000
सेंसेक्स	77,369.11
निफ्टी	24,219.05

संक्षिप्त खबरें

ईडी ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गोवा में डिजिटल अरेस्ट के जरिए हुई साइबर ठगी की रकम को हवाला और विदेशी मुद्रा में बदलने वाले नेटवर्क से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार किया है। ईडी ने फहीम मोइन हुसैन सैयद और नईम मुईन सैय्यद को रविवार को धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया। दोनों को गोवा की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया।

उपराष्ट्रपति ने आंध्र प्रदेश में देश का पहला गैर-जीएमओ उच्च गुणवत्ता पॉपकॉर्न मक्का हाइब्रिड बीज जारी किया

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले के मुसुनुरु में देश का पहला गैर-जीएमओ उच्च-गुणवत्ता पॉपकॉर्न मक्का हाइब्रिड बीज जारी किया और इसे कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर आंध्र प्रदेश और सात अन्य राज्यों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले किसानों और गॉरमेट पॉपकॉर्निका से जुड़े भागीदारों को भी सम्मानित किया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि किसान राष्ट्र की रीढ़ हैं और कृषि ने देश की सभ्यता और सांस्कृतिक जीवन को आकार दिया है। उन्होंने कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्वदेशी बीजों के विकास के महत्व पर जोर दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत वर्षों से उच्च गुणवत्ता वाले पॉपकॉर्न मक्के के लिए आयातित हाइब्रिड तकनीक पर निर्भर रहा है। उन्होंने कहा कि यह नई स्वदेशी हाइब्रिड तकनीक ऐसी निर्भरता को कम करने और विदेशी मुद्रा के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने गॉरमेट पॉपकॉर्निका और किसानों को देश में एक ऐसा बीज विकसित करने के लिए बधाई दी, जिसमें वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता है। उन्होंने केंद्र सरकार की पीएम-किसान, पीएम फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन और नमो ड्रोन दीदी आदि किसान-केंद्रित पहलों की सराहना की। उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में दूरदर्शी पहलों की भी प्रशंसा की, जिनमें रायथु बाजार, बागवानी एवं प्राकृतिक कृषि को प्रोत्साहन और किसान-केंद्रित सहायता प्रणाली शामिल हैं। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किसान-उद्यम साझेदारी के व्यापक स्वरूप का उल्लेख करते हुए कहा कि आठ राज्यों के 17,500 से अधिक किसान, लगभग 40,000 एकड़ भूमि पर खेती करते हुए गॉरमेट पॉपकॉर्निका के सफर का हिस्सा बने हैं। उन्होंने आंध्र प्रदेश के स्थानीय उद्यम से पॉपकॉर्न मक्का प्रसंस्करण के एक प्रमुख उद्यम बनने तक श्री एसबीपी पट्टाभि रामाराव और गॉरमेट पॉपकॉर्निका की यात्रा की सराहना की, जिससे हजारों किसान परिवारों के लिए बाजार तक पहुंच और आय के अवसर मजबूत हुए हैं।

संत रविदास जी की 650वीं जयंती: भाजपा ने शुरू किया 'समरसता संकल्प अभियान', नितिन नबीन और रेखा गुप्ता रहे मौजूद

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा नई दिल्ली में 'समरसता संकल्प अभियान एवं पावन माटी कलश वितरण' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने की। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान संत रविदास जी के समानता, समरसता और सामाजिक न्याय के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया गया। संत रविदास जी का जीवन सामाजिक समरसता की मजबूत नींव: नितिन नबीन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने संत रविदास जी को नमन किया। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने सामाजिक ऊंच-नीच और कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाकर समाज में एकता और समरसता की मजबूत नींव रखी थी। उन्होंने बताया कि 'समरसता संकल्प अभियान' की शुरूआत 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर की गई थी। संत रविदास जी की तपोभूमि से लाई गई पवित्र मिट्टी (पावन माटी कलश) उनके सामाजिक समरसता और समानता के संदेश को देश के कोने-कोने तक पहुंचाने का काम करेगी। नितिन नबीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र में संत रविदास जी के सामाजिक समरसता के विचार ही निहित हैं। संत रविदास के आदर्शों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि संत रविदास जी ने समाज को समता, श्रम की प्रतिष्ठा और मानव सम्मान का मार्ग दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये कलश केवल मिट्टी के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि इनमें संत रविदास जी की तपोभूमि से निकला एकात्मता और सामाजिक समानता का पावन संदेश समाहित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन से प्रेरणा लेते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक समान अवसर और गरिमा उपलब्ध कराना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। संत जी के विचारों को जीवन में आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पीयूष गोयल जापान दौरे पर, दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को करेंगे मजबूत

प्रात: किरण, एजेंसी

टोक्यो। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के आधिकारिक जापान दौरे की शुरूआत सोमवार से हो गई। इस दौरान वे भारत और जापान के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए दिग्गज जापानी कंपनियों के सीईओ और बिजनेस लीडर्स के साथ बैठक करेंगे। गोयल का आधिकारिक जापान दौरा 27 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान वे भारत के अब तक के सबसे बड़े प्रतिनिधिमंडल 200 बिजनेस लीडर्स से अधिक का नेतृत्व करते हुए टोक्यो, नागोया और ओसाका का दौरा करेंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, टोक्यो में मेरे कार्यक्रमों की शुरूआत सुमितोमो कॉर्पोरेशन के प्रेसिडेंट और सीईओ शिंगो उएनो के साथ एक बेहतरीन बैठक से हुई। हमने एनर्जी ट्रांसफॉर्मेशन, मोबिलिटी और इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में भारत के साथ कंपनी के जुड़ाव को और गहरा करने के मौकों पर चर्चा की। गोयल ने कहा कि भारत की निवेश-आधारित ग्रोथ और मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम का विस्तार बेहतर सहयोग के लिए बड़े मौके देता है, जिससे भारत-जापान आर्थिक साझेदारी और मजबूत होगी।

चीनी के दामों में 20 फीसदी तक उछाल, आम जनता पर पड़ी महंगाई की मार, त्योहारों पर भी असर

रुद्रपुर, एजेंसी। त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले चीनी की बढ़ती कीमतों ने आम उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है. पिछले 15 दिनों में चीनी के दामों में करीब 20 फीसदी तक उछाल आने का दावा किया जा रहा है. रक्षाबंधन समेत अन्य त्योहारों के नजदीक आने से चीनी की मांग बढ़ने की संभावना है. ऐसे में कीमतों में और तेजी आई तो इसका सीधा असर मिठाई, चाय और अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतों पर पड़ सकता है. व्यापारी और किसान बढ़ती कीमतों के पीछे अलग-अलग कारण बता रहे हैं.

चीनी के दाम बढ़ने का सबसे सीधा असर आम उपभोक्ता की रसोई पर पड़ रहा है. चाय और घरेलू उपयोग में रोजाना इस्तेमाल होने वाली चीनी महंगी होने से लोगों का बजट प्रभावित हो रहा है. वहीं त्योहारों के दौरान मिठाइयों की मांग बढ़ने के कारण मिठाई कारोबारियों पर भी लागत का दबाव बढ़ सकता है. कारोबारियों का कहना है कि चीनी की कीमत लगातार बढ़ती रही तो इसका भार अंततः उपभोक्ताओं पर पड़ना तय है.

रुद्रपुर व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा ने कहा कि चीनी के दामों में बढ़ोतरी से आम आदमी की चाय भी कड़वी हो गई है. उन्होंने कहा त्योहारी सीजन में चीनी की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ती है. ऐसे में कीमतों को नियंत्रित रखना जरूरी है. उन्होंने बढ़ती कीमतों पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार की नीतियों और बाजार नियंत्रण व्यवस्था पर भी सवाल उठाए.

चीनी की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी के पीछे बाजार में जमाखोरी की संभावना भी जताई जा रही है. कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि कहीं बड़े पैमाने पर स्टॉक रोककर रखा जा रहा है तो प्रशासन को इसकी जांच करनी चाहिए. समय रहते जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाई जाए तो उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है.

वहीं, किसान चीनी की बढ़ती कीमतों को गन्ने के उत्पादन से भी जोड़कर देख रहे हैं. किसानों का कहना है कि चीनी मिलों द्वारा गन्ना किसानों को समय पर भुगतान नहीं मिलने से कई किसान गन्ने की खेती से दूरी बनाने लगे हैं. वर्षों तक भुगतान अटका रहने से किसानों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है और वे अन्य फसलों की ओर रुख करने को मजबूर होते हैं.

किसानों के अनुसार गन्ने का उत्पादन कम होने और बाजार में चीनी की मांग अधिक रहने से कीमतों पर दबाव बन सकता है. यदि उत्पादन और मांग के बीच संतुलन नहीं रहा तो आने वाले दिनों में चीनी के दामों में और बढ़ोतरी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता.

गन्ना किसानों को समय पर भुगतान नहीं मिलने से खेती प्रभावित हुई है. किसानों को उचित भुगतान और समय पर पैसा मिले तो उत्पादन बढ़ाया जा सकता है. गन्ने की खेती में लागत लगातार बढ़ रही है. समय पर भुगतान नहीं मिलने से किसान परेशान हैं. उत्पादन घटने का असर चीनी की कीमतों पर भी पड़ सकता है.

चीनी के दाम बढ़ने से आम उपभोक्ता प्रभावित हो रहा है. त्योहारों में मांग बढ़ने वाली है, इसलिए सरकार को कीमतों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए. त्योहारी सीजन में चीनी की बढ़ती मांग को देखते हुए अब बाजार की निगरानी और आपूर्ति व्यवस्था पर नजर रखना जरूरी हो गया है. उपभोक्ताओं को उम्मीद है कि सरकार और प्रशासन समय रहते कदम उठाकर कीमतों को नियंत्रित करेंगे, ताकि त्योहारों पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ न पड़े.

परिवहन निगम के 5800 कर्मियों का दो महीने का वेतन अटका, शासन से राशि जारी होने का इंतजार

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड परिवहन निगम के 5800 कर्मियों का दो महीने का वेतन अटका हुआ है। अभी तक परिवहन निगम प्रंधन पांच करोड़ वेतन जारी कर सका है। परिवहन निगम कर्मियों का दो महीने का वेतन अटका हुआ है। प्रबंधन ने अब चरणबद्ध तरीके से वेतन जारी करना शुरू किया है। हालांकि, अभी तक केवल पांच करोड़ रुपये का वेतन ही जारी हो सका है। कुल 21 करोड़ का वेतन अभी भी लंबित है ।निगम का दावा है कि सोमवार तक अधिकांश विशेष–संविदा और एजेंसी श्रेणी के कर्मचारियों का वेतन जारी कर दिया जाएगा। इसके बाद नियमित कर्मियों का वेतन जारी होगा। परिवहन निगम में 5800 कर्मचारी है। इसमें चार हजार एजेंसी व विशेष–संविदा श्रेणी के कर्मचारी है। 1800 नियमित कर्मचारी है। इन सभी कर्मचारियों को जून, जुलाई का वेतन नहीं मिला है। अगस्त के भी समाप्त होने में कुछ दिन बचे हैं। वेतन न मिलने के कारण कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब प्रबंधन ने वेतन जारी करना शुरू किया है। अभी तीन दिन में केवल पांच करोड़ ही वेतन के जारी हो सके हैं। परिवहन निगम महाप्रबंधक संचालन क्रांति सिंह ने बताया कि पहले चरण में विशेष–संविदा और एजेंसी श्रेणी के कर्मचारियों को वेतन दिया जा रहा है। सोमवार तक 85 प्रतिशत कर्मचारियों को वेतन दे दिया जाएगा। इसके बाद नियमित कर्मचारियों का वेतन जारी होगा। उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कमल पपनै ने बताया कि एजेंसी कर्मचारियों को तीन महीने और अन्य श्रेणी के कर्मचारियों को दो महीने से वेतन नहीं मिला है। इन कर्मचारियों को जल्द वेतन दिया जाना चाहिए। जिससे आर्थिक दिक्कत दूर हो सके।

मंदिर की दान राशि में गबन का आरोप

हरिद्वार, एजेंसी। लापुर कोतवाली क्षेत्र स्थित नया हरिद्वार कॉलोनी में बने हरिहर बांके बिहारी मंदिर की दान राशि में लाखों रुपये के गबन करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बिना वैध चुनाव और सोसायटी के नवीनीकरण के कुछ लोगों ने खुद को पदाधिकारी घोषित कर मंदिर का प्रबंधन संभाल लिया और श्रद्धालुओं से मिलने वाली रकम को निजी खाते में जमा कराया। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, सुधाकर सिंह निवासी नया हरिद्वार कॉलोनी ने अदालत में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि नया हरिद्वार वेलफेयर सोसायटी का पंजीकरण वर्ष 2014 में पांच वर्ष के लिए हुआ था, जिसकी अवधि 16 नवंबर 2019 को समाप्त हो गई। इसके बाद सोसायटी का न तो चुनाव हुआ और न ही नवीनीकरण कराया गया। आरोप है कि श्यामबाबू शर्मा, सुभाष जांगड़, केदारनाथ वर्मा और राजीव त्यागी ने स्वयं को क्रमशः अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और महामंत्री घोषित कर मंदिर का संचालन शुरू कर दिया। सुधाकर सिंह का आरोप है कि मंदिर के रखरखाव और आयोजनों के नाम पर करीब 150 लोगों से प्रतिमाह 500 रुपये लिए जाते हैं। इसके अलावा दानपेटियों से भी रकम प्राप्त होती है। आरोप है कि करीब 16 लाख रुपये महाराष्ट्र बैंक के एक खाते में जमा कर गबन किया गया। उन्होंने 7 अप्रैल को हिसाब मांगा, लेकिन जानकारी नहीं दी गई।

नागरिक सुरक्षा विभाग के वार्डन चाचरा, कारागार दून में बंदीरक्षक त्रिपाठी को राष्ट्रपति पदक

देहरादून, एजेंसी। गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने 14 अगस्त को इस संबंध में पत्र जारी किया है। उत्तराखंड नागरिक सुरक्षा विभाग के वार्डन विपिन कुमार चाचरा को राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने 14 अगस्त को इस संबंध में पत्र जारी किया। चाचरा ने वर्ष 2013 की आपदा के दौरान सराहनीय कार्य किया। वर्ष 2019 में कोविड-19 के दौरान भी उन्होंने उल्लेखनीय सेवाएं दीं। वर्तमान में वे उत्तर प्रभाग में घटना नियंत्रण अधिकारी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वहीं, जिला कारागार देहरादून में तैनात प्रधान बंदीरक्षक कौशल किशोर त्रिपाठी को राष्ट्रपति का सराहनीय सेवा पदक प्रदान किया गया। कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा विभाग के अनुसार, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की संस्तुति के आधार पर यह सम्मान प्रदान किया गया। सीएम पुष्कर सिंह धामी, जो कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा विभाग के मंत्री भी हैं, की संस्तुति के आधार पर कौशल किशोर को इस सम्मान के लिए चुना गया। प्रधान बंदी रक्षक कौशल किशोर को जिला कारागार देहरादून में अपनी सेवाओं के दौरान किए गए सराहनीय कार्यों के लिए राष्ट्रपति के सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मिला यह सम्मान उनके कर्तव्यनिष्ठ और उत्कृष्ट सेवाकाल की उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

आईजी भरणे समेत 14 पुलिस अफसर व कर्मियों को मुख्यमंत्री मेडल

देहरादून, एजेंसी। आईजी एसटीएफ डॉ. नीलेश आनंद भरणे समेत पुलिस के 14 अफसरों और कर्मचारियों को मुख्यमंत्री पदक दिए जाने की घोषणा की गई है। इन में आठ अफसरों और कर्मचारियों को सेवा के आधार पर सराहनीय सेवा पदक दिया जाएगा। जबकि, छह अफसरों और कर्मचारियों को विशिष्ट कार्य के लिए मुख्यमंत्री का सराहनीय सेवा पदक प्रदान किया जाएगा। इनमें पिछले दिनों दिवंगत हुए एलआईयू इंस्पेक्टर मनोज मनराल को भी मरणोपरांत मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक दिया जाएगा। देहरादून। स्वतंत्रता दिवस पर पुलिस के 154 पुलिसकर्मियों और अफसरों को भी सम्मानित किया जाएगा। इनमें 25 को डीजीपी प्रशस्ति डिस्क सिल्वर (सेवा के आधार पर) और 12 को डीजीपी डिस्क गोल्ड (सेवा के आधार पर) दी जाएगी। इनके अलावा विशिष्ट कार्य के लिए डीजीपी सिल्वर डिस्क 89 पुलिस अफसरों और कर्मचारियों को प्रदान की जाएगी। इनके अलावा विशिष्ट कार्य के लिए डीजीपी प्रशस्ति डिस्क गोल्ड के लिए 12 अफसरों और कर्मचारियों का चुनाव हुआ है। इनके साथ ही 16 अफसरों और कर्मचारियों को डीजीपी का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। डीजीपी दीपम सेठ ने सभी अफसरों और कर्मचारियों को सम्मान के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

भर्ती के लिए प्रशिक्षित बेरोजगारों ने किया शिक्षा मंत्री आवास कूच

देहरादून, एजेंसी। शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की भर्ती और आयु सीमा में शिथिलता की मांग को लेकर प्रशिक्षित बेरोजगारों ने रविवार को प्रदर्शन किया। परेड मैदान से शिक्षा मंत्री के आवास की ओर कूच कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने कनक चौक पर रोक हिरासत में ले लिया। इसके बाद उन्हें ननूरखेड़ा में छोड़ दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों से लेकर इंटर कॉलेजों तक शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की नियुक्ति होनी चाहिए। वर्ष 2006 के बाद से प्रदेश में शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की नियमित भर्ती नहीं हुई है। इससे बड़ी संख्या में प्रशिक्षित युवा लंबे समय से रोजगार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि शिक्षा मंत्री इस प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद के लिए अनुमोदित कर चुके हैं, लेकिन अब तक अंतिम स्वीकृति नहीं मिली है।

एक आरोपी के पैर में लगी गोली, दो और दबोचे

अमन हत्याकांडः वारदात में शामिल बदमाशों और पुलिस के बीच मुठभेड़

रुड़की, एजेंसी। ढंडेरा में बाइक सवार बदमाशों ने शराब कैंटीन संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी थी। देर रात आरोपियों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। ढंडेरा के कैंटीन संचालक अमन हत्याकांड में शामिल बदमाशों की देर रात पुलिस से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। अन्य दो बदमाशों को भी पुलिस ने कांबिंग के बाद पकड़ लिया। पुलिस ने तमंचा और वारदात में शामिल बाइक बरामद की है। एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल ने बताया कि अमन हत्याकांड में शामिल बदमाशों के देर रात नगला इमरती अंडरपास से गुजरकर फरार होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम द्वारा पीछा किया गया और नगला इमरती के पास बाइक सवार तीन लोगो को घेर घोटकर पकड़ने की कोशिश की गई तो उनके द्वारा पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायर किए गए। जिस पर पुलिस पार्टी की जवाबी कार्रवाई में सौरभ पुत्र देशराज निवासी ठंडेरा रुड़की घायल हुआ है। जिसको सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि मौके से फरार हुए दो अन्य बदमाशों को भी कांबिंग के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। जिनका नाम अर्पित सैनी निवासी ग्राम ठसका कोतवाली मंगलौर और दीप यादव निवासी माता वाला हसन बाग कस्बा लंढौरा कोतवाली मंगलौर को भी गिरफ्तार किया है।

राहुल गांधी पर सीएम धामी का बड़ा हमला

झूठ फैलाने का लगाया आरोप, जानिए क्या कहा

हरिद्वार, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार के सप्तसरोवर मार्ग पर स्थित बंदी छोड़ श्री ब्रह्मनिवास आश्रम में आयोजित 51 वें निर्वाण दिवस कार्यक्रम में शिरकत की. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ब्रह्मलीन भूरि वाले महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ऐसे स्थानों पर वही पहुंचता है, जिस पर सद्गुरु की कृपा होती है. धार्मिक संस्थाएं और संत समाज ने हमेशा धर्म संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा करने का कार्य किया है. अपने को तिल तिल जलाकर सद्गुरु ने राष्ट्र की रक्षा का मार्ग दिखाया है. वहीं पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री सुबेंदु अधिकारी द्वारा घुसपैठ को रोकने के लिए की गई सीमा बंदी के सवाल पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इसी कारण देश के लोग डबल इंजन की भाजपा सरकार को चुन रहे हैं और जहां भी चुनाव हो रहे हैं, वहां से तुष्टिकरण वाली सरकारों को जाना पड़ रहा है. बंगाल में अनेको रुकी हुई योजनाएं अब धरातल पर आ रहीं हैं और वहां तुष्टिकरण के आधार पर कोई काम नहीं हो रहे हैं. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संसद में हंगामा कर रहे विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा राहुल गांधी की कुंठा और हताशा लगातार बढ़ती जा रही है. पैदा होते ही उनके मन में आने वाली सामंतवादी सोच, उस सोच से उनको छुटकारा नहीं मिल रहा है. राहुल गांधी सोच रहे हैं कि देश की संसद और देश उनके हिसाब से चलना चाहिए. मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग देश की सत्ता पर अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानते थे, उनके हिसाब से कुछ नहीं हो रहा है, बल्कि साधारण परिवार से आने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अच्छे से देश को चला रहे हैं. आज देश में हर वर्ग के लिए काम हो रहा है. पूरी दुनिया में भारत का नाम हो रहा है, इसलिए ऐसे लोगों के मुंह से आह आह निकल रहा है। उनकी हताशा और कुंठा को आज सभी देख रहे हैं. झारखंड में चल रहे आंदोलन में राहुल गांधी की भूमिका के सवाल पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राहुल गांधी को ऐसे मौके पर वहां नहीं जाना चाहिए था, वो जगह जगह छात्रों को इकट्ठा कर रहे हैं. सीएम धामी ने कहा राहुल गांधी ने उत्तराखंड में आकर झूठ बोला कि यहां नकल माफियाओं पर कोई कार्रवाई नहीं हुई. किसी भी माफिया को जेल नहीं भेजा, जबकि उत्तराखंड में सख्त नकल कानून बनाकर 100 से अधिक लोगों को जेल भेजा गया है. यहां हजारों लोगों को सरकारी नौकरी में नियुक्ति मिली. ये लोग आज भी सोच रहे हैं कि देश आज भी पुराने नियमों पर चल रहा है. पुष्कर सिंह धामी ने कहा साठ सालों में देश पर राज करने वाले लोगों ने रोजगार नहीं दिया बल्कि भाजपा सरकार के राज में रोजगार मिल रहा है.

हल्द्वानी सरकारी राशन गोदाम पर छापेमारी

जांच के लिए भरे गए सैंपल, जानिये वजह

हल्द्वानी, एजेंसी। सरकारी राशन की गुणवत्ता को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है. एसडीएम हल्द्वानी मोनिका ने कमलुवागांजा स्थित खाद्य गोदाम का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान पर्वतीय जिलों को भेजे जाने वाले चावल की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों की जांच की गई. अधिकारियों ने मौके से सैंपल भी लिए हैं. जिन्हें लैब जांच के लिए भेजा जाएगा. रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. सरकारी राशन की गुणवत्ता को लेकर प्रशासन अब किसी भी तरह की लापरवाही के मूड में नहीं है. पर्वतीय जिलों में भेजे जाने वाले चावल की गुणवत्ता जांचने के लिए शनिवार को एसडीएम मोनिका के नेतृत्व में प्रशासन की टीम द्वारा कमलुवागांजा स्थित राजकीय खाद्य गोदाम का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान गोदाम में भंडारित चावल के साथ-साथ राशन की गुणवत्ता से जुड़े निर्धारित मानकों को परखा गया.अधिकारियों ने पर्वतीय क्षेत्रों में भेजे जाने वाला राशन तय गुणवत्ता और मानकों को भी चेक किया. दरअसल, कुसुमखेड़ा स्थित आरएफसी गोदाम से पर्वतीय जनपदों समेत अलग-अलग क्षेत्रों में सरकारी राशन की आपूर्ति की जाती है. ऐसे में प्रशासन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि उपभोक्ताओं तक पहुंचने वाला राशन गुणवत्ता के मानकों पर खरा उतर रहा है कि नहीं, जांच के दौरान चावल के सैंपल लिए गए हैं. इन सैंपलों को लैब टेस्ट के लिए भेजा गया है. लैब रिपोर्ट सामने आने के बाद ही तय होगा कि राशन निर्धारित मानकों के अनुरूप है या नहीं यदि जांच में गुणवत्ता संबंधी कोई कमी या अनियमितता सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी. एसडीएम ने गोदाम प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि राशन की गुणवत्ता में किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होना चाहिए. साथ ही स्वस्छ्ठ और अन्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है. एसडीएम मोनिका ने बताया आरएफसी के गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया. खाद्य सामग्री के सैंपल लिये गए हैं. जांच रिपोर्ट के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी.

दून मेडिकल कॉलेज में रैगिंग: अब पढ़ने का मन नहीं, छह महीने से झेल रहा मानसिक पीड़ा

देहरादून, एजेंसी। दून मेडिकल कॉलेज में एक बार फिर से रैगिंग की घटना सामने आई है। इस बार एमबीबीएस नहीं बल्कि स्नातकोत्तर (पीजी) कर रहे सीनियर डॉक्टरों पर जूनियर के साथ रैगिंग का आरोप लगा है। इस मामले में पीड़ित डॉक्टर ने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) में शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ.गीता जैन ने एंटी रैगिंग कमेटी को जांच सौंप दी है। दून मेडिकल कॉलेज में एक बार फिर से हुई रैगिंग की घटना ने छात्रों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। रैगिंग से क्षुब्ध जूनियर पीजी डॉक्टर अपना दर्द बयां करते हुए भावुक हो गया। डॉक्टर बोला कि पिछले छह महीने से मानसिक पीड़ा झेल रहा हूं। अब तो पढ़ने का भी मन नहीं करता है। साढ़े पांच वर्ष एमबीबीएस का कोर्स पूरा करने के बाद पीजी करने के लिए फरवरी में दून मेडिकल कॉलेज में एडमिशन लिया था। शुरुआत में एक महीने तक सब कुछ सामान्य था लेकिन मार्च से सीनियर ने अलग-अलग बातों को लेकर नीचा दिखाना शुरू कर दिया। कई बार ऐसी घटनाएं हुई जिसमें एमबीबीएस छात्रों के सामने ही सीनियर ने दुर्व्यवहार कर दिया। उन्हें अपने जूनियर छात्रों के सामने जाने में शर्म आती है। सोचता हूं कि उन्हें कक्षाओं में कैसे पढ़ाने जाऊंगा। पीड़ित डॉक्टर का कहना है कि शुरुआत में जब पढ़ाई में कमजोर था तो सभी दोस्त थे। कम अंक आते थे तो किसी को दिक्कत नहीं थी। लेकिन एक महीने बाद जब पढ़ाई में अच्छा करना शुरू कर दिया तो सभी रंजिश करने लगे। पीड़ित के मुताबिक उनके साथ हुई घटनाओं के बारे में उन्होंने एनाटॉमी की विभागाध्यक्ष से शिकायत की। लेकिन उन्होंने भी इसे गंभीरता से नहीं लिया। शिकायत के बावजूद सीनियर उन्हें बार-बार नीचा दिखाते रहे। इससे उनकी मां भी मानसिक रूप से परेशान हो रही है। उन्होंने घटनाओं के संबंध में अपने परिवार को भी जानकारी दी है।

पिथौरागढ़ से दिल्ली, देहरादून के लिए सितंबर से सप्ताह में छह दिन उड़ान भरेगा विमान

पिथौरागढ़, एजेंसी। एक सितंबर से पिथौरागढ़ से दिल्ली और देहरादून रूट पर सप्ताह में छह दिन विमान उड़ान भरेगा। यह व्यवस्था यात्रियों और पर्यटकों के राहत भरी होगी। छह दिन विमान का संचालन होने से बड़ी संख्या में यात्री आसान और सुगम सफर कर सकेंगे। नैनीसैनी से सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, बृहस्पतिवार और शनिवार को दिल्ली और देहरादून के लिए 42 सीटर विमान सेवा संचालित है। अब एक सितंबर से इन रूटों पर विमान सप्ताह में सिर्फ रविवार को छोड़कर अन्य सभी दिन उड़ान भरेगा। एयरपोर्ट प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली के लिए यह सेवा सप्ताह में छह और देहरादून के लिए पांच दिन संचालित होगी। लगभग रोजाना संचालित होने वाली इस सेवा से दिल्ली, देहरादून के बीच आवाजाही करने वाले यात्रियों का सफर बेहद आसान होगा। बुकिंग के लिए भी मारामारी नहीं होगी और अधिक संख्या में यात्री दिल्ली और देहरादून के बीच हवाई सफर कर सकेंगे। इससे पर्यटकों को भी काफी सुविधा मिलेगी और सीमांत क्षेत्र के पर्यटन को भी नई उड़ान मिलने की उम्मीद है। अब तक विमान सुबह के समय दिल्ली से यात्रियों को लेकर नैनीसैनी पहुंचता है। इसके बाद यही विमान यात्रियों को लेकर देहरादून रवाना होता है। वहां से नैनीसैनी लौटकर फिर विमान दिल्ली के लिए उड़ान भरता है। अब इस व्यवस्था में बदलाव होगा। जानकारी के अनुसार सोमवार को विमान सेवा सिर्फ दिल्ली-पिथौरागढ़ के बीच संचालित होगी। वहीं मंगलवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार और शनिवार को यह सेवा दिल्ली-पिथौरागढ़ और देहरादून के बीच पुराने टाइम शेड्यूल के अनुसार संचालित की जाएगी बुधवार को इसका टाइम और रूट शेड्यूल बदलेगा।

चीनी के स्टॉक से लेकर वंदे मातरम विवाद तक, कांग्रेस पर बरसे अजय भट्ट, जानिये क्या कहा

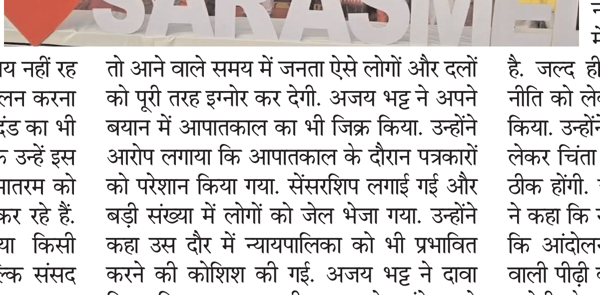

रामनगर, एजेंसी। नैनीताल-ऊधमसिंह नगर सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट ने रामनगर में कांग्रेस और विपक्षी दलों पर वंदे मातरम, चीनी के स्टॉक और जेपीसी कमेटी जैसे मुद्दों को लेकर जमकर निशाना साधा. वंदे मातरम को लेकर उन्होंने कहा कि संसद से कानून पारित होने के बाद अब यह किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल की निजी पसंद का विषय नहीं रह गया है. सभी को देश के कानून का पालन करना चाहिए. कानून का उल्लंघन करने पर दंड का भी प्रावधान होता है. अजय भट्ट ने कहा कि उन्हें इस बात का खेद है कि विपक्षी दल वंदे मातरम को लेकर अलग-अलग स्टैंडर्ड की बात कर रहे हैं. उन्होंने कहा यह किसी के घर या किसी राजनीतिक पार्टी का कानून नहीं, बल्कि संसद द्वारा पारित कानून है. उन्होंने कांग्रेस पर कानून और व्यवस्थाओं का विरोध करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि कोई कानून नहीं मानेगा तो आने वाले समय में जनता ऐसे लोगों और दलों को पूरी तरह इग्नोर कर देगी. अजय भट्ट ने अपने बयान में आपातकाल का भी जिक्र किया. उन्होंने आरोप लगाया कि आपातकाल के दौरान पत्रकारों को परेशान किया गया. सेंसरशिप लगाई गई और बड़ी संख्या में लोगों को जेल भेजा गया. उन्होंने कहा उस दौर में न्यायपालिका को भी प्रभावित करने की कोशिश की गई. अजय भट्ट ने दावा किया कि उस समय भी जनता ने कांग्रेस को उसकी स्थिति का एहसास करा दिया था. वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा देश में चीनी के स्टॉक के नौ साल के निचले स्तर पर पहुंचने और कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर उठाए गए सवालों पर भी अजय भट्ट ने प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा चीजों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव होता रहता है, लेकिन देश में चीनी की कोई कमी नहीं है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है. जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी. ई-20 नीति को लेकर अजय भट्ट ने सरकार का बचाव किया. उन्होंने कहा कि चीनी को लेकर स्थिति को लेकर चिंता की जरूरत नहीं है. व्यवस्थाएं जल्द ठीक होंगी. जेपीसी कमेटी को लेकर अजय भट्ट ने कहा कि सरकार चाहती तो यह कह सकती थी कि आंदोलन खत्म हो गया. उन्होंने कहा आने वाली पीढ़ी के मन में कई सवाल और शंकाएं हैं. कमेटी के माध्यम से इन सवालों को सामने लाकर उनका जवाब और समाधान तलाशने का प्रयास किया जाएगा.

भाजपा सरकार एसएस मोता सिंह स्कूल ट्रस्ट की फाइल क्यों छिपा रही है ?- सौरभ भारद्वाज

● हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद जिलाधिकारी ने अभी तक स्कूल ट्रस्ट की फाइल उपलब्ध नहीं कराई है- सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद एसएस मोता सिंह स्कूल ट्रस्ट की फाइल उपलब्ध नहीं कराने पर भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने सीएम रेखा गुप्ता के अपने ही राजस्व विभाग को एसएस मोता सिंह स्कूल ट्रस्ट की फाइल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है, लेकिन हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद डीएम ने अभी तक यह फाइल उपलब्ध नहीं कराई है। इस स्कूल ट्रस्ट के पास 500 करोड़ रुपए की बेशकीमती जमीन है। भाजपा सरकार इस ट्रस्ट की फाइल में आखिर क्या छिपा रही है? क्या इसमें भाजपा के उन वरिष्ठ नेताओं के करीबियों के नाम हैं, जो इस ट्रस्ट पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे? क्या किसी अल्पसंख्यक सिख संस्थान पर राजनीतिक लोगों को कब्जा करने की अनुमति दी जा सकती है? सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कहानी में देखते थे कि राजा की जान एक तोते में होती है, आज ऐसा लगता है कि भाजपा के बड़े-बड़े नेताओं की जान एसएस मोता सिंह स्कूल के ट्रस्ट की फाइल में फंसी हुई है। मामला इतना पेचीदा होता जा रहा है कि अब मुख्यमंत्री के अपने रेवेन्यू डिपार्टमेंट और डिवीजनल कमिश्नर तक पर गाज गिरने वाली है। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट का एक आदेश दिखाते हुए कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट इसलिए जाना पड़ा है, क्योंकि एसएस मोटा सिंह स्कूल के अंदर चोरी-छिपे किन लोगों को ट्रस्ट बनाया गया है, इसकी फाइल को सरकार द्वारा छिपाया जा रहा है। कई बार डीएम ऑफिस जाकर बात की गई, मगर उन्होंने फाइल नहीं दी। इसलिए अंत में दिल्ली हाईकोर्ट जाना पड़ा। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि दिल्ली हाईकोर्ट ने 8 जुलाई 2026 को दिल्ली सरकार, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के रेवेन्यू डिपार्टमेंट, डिवीजनल कमिश्नर और डीएम को बाकायदा ऑर्डर दिया है कि वे एसएस मोटा सिंह स्कूल के ट्रस्ट की फाइल निकाल कर दें और अगर फाइल नहीं है तो बताएं और उस फाइल को रिकंस्ट्रक्ट करके दें। इन्हें फाइल ढूंढने के लिए एक महीने का समय दिया गया था। 8 अगस्त को एक महीने का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। अगर फाइल खो गई है, जैसा कि अक्सर दिल्ली सरकार के अंदर भ्रष्टाचार से जुड़ी फाइलें नष्ट कर दी जा रही हैं (जैसे हेल्थ डिपार्टमेंट के हेल्थ स्कैम में हुआ है), तो एफआईआर दर्ज होनी चाहिए थी। कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई, यानी इस फाइल को जानबूझकर छिपाया जा रहा है और हाई कोर्ट के ऑर्डर के बावजूद इस मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

केजरीवाल ने श्री दामोदर भजनी सप्ताह पर वास्को के श्री दामोदर मंदिर में लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली/गोवा। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को श्री दामोदर भजनी सप्ताह के शुभ अवसर पर वास्को (गोवा) स्थित श्री दामोदर मंदिर में आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने भगवान दामोदर से गोवा के सभी लोगों की तरक्की, स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि भगवान दामोदर ने 125 साल पहले गोवा की रक्षा की थी, वैसे ही वे अब भी गोवा की रक्षा करें। इस दौरान आप गोवा प्रभारी आतिशी समेत गोवा इकाई के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम भगवान दामोदर के मंदिर में उनसे आशीर्वाद लिया और प्रार्थना की है कि जैसे उन्होंने 125 साल पहले गोवा की रक्षा की थी, वैसे ही वे अभी भी गोवा की रक्षा करें। गोवा में बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार है और लोग बहुत दुखी व परेशान हैं। हम गोवा के लोगों के लिए आशीर्वाद लेने आए हैं। अभी भजनी सप्ताह चल रहा है और इस वक्त बहुत सारे भक्तजन दामोदर मंदिर आते हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि सबकी मनोकामना पूरी हो। ई-20 के मुद्दे पर पूछे गए सवाल के जवाब में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ई20 पर लोगों का बहुत अच्छा रिस्पांस मिला है। हजारों लोगों ने हमें व्हाट्सएप भेजे हैं और अपने कमेंट किए हैं। मंगलवार को दोपहर 3:00 बजे ई20 को लेकर एक टाउन हॉल है, जिसमें मीडिया सहित सभी लोग आमंत्रित हैं। इस टाउन हॉल में लोग अपनी बात रखेंगे कि वे ई20 से किस तरह परेशान हैं। उधर, आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और गोवा प्रभारी आतिशी ने कहा कि श्री दामोदर भजनी सप्ताह के शुभ अवसर पर अरविंद केजरीवाल गोवा के नेताओं के साथ वास्को स्थित ऐतिहासिक श्री दामोदर मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान दामोदर गोवा और इसके सभी लोगों को सुख, शांति और समृद्धि देने का आशीर्वाद मांगा।

संक्षिप्त खबरें

खाना स्वादिष्ट नहीं लगा तो नाबालिगों ने ढाबा कर्मचारी पर किए चाकू से वार

नई दिल्ली। वेलकम इलाके में ढाबे का खाना स्वादिष्ट न लगने पर दो नाबालिगों ने एक कर्मचारी पर चाकू से वार दिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित फरार हो गए थे। घायल हालत में एहसान का आरएमएल अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। वेलकम थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा में केस दर्ज कर दोनों आरोपित नाबालिगों को पकड़ लिया है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बताया कि 21 अगस्त की रात नौ बजे वेलकम थाना पुलिस को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल से सूचना मिली कि एक युवक को घायल हालत में भर्ती करवाया गया है। युवक पर चाकू से वार किए गए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस वेलकम स्थित ढाबे पर पहुंची, जहां ढाबा संचालक सिराज मिला। उसने पुलिस को बताया कि रात में दो लोग ढाबे पर खाना खाने आए थे। उन्हें खाना स्वादिष्ट नहीं लगा तो उन्होंने कर्मचारी पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों से आरोपितों की पहचान की और उन्हें वेलकम से पकड़ लिया। दोनों की उम्र 14 से 15 साल है। लोगों को डराने धमकाने के लिए वह अपने पास चाकू रखते थे।

महिला मित्र से बात करने पर युवक का अपहरण कर पिटाई

नई दिल्ली। महिला मित्र से बात करने पर ब्वॉयफ्रेंड ने चार अन्य साथियों के मिलकर युवक का अपहरण कर उसकी पिटाई की। पार्क में पिटाई करने का वीडियो भी बना लिया। रूप नगर पुलिस ने रविवार रात को ही सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना का विवरण डीसीपी निहारिका भट्ट ने बताया कि भलस्वा डेरी निवासी विशेष कमला नगर स्थित एक दुकान में काम करता है। वह रविवार देर रात को बचपन के दोस्त दीपक के साथ कमला नगर में बैठा था। इसी दौरान शुभम, स्वयं, ध्रुव, तन्मय और ऋषि एसयूवी में वहां आए। उन्होंने विशेष की जमकर पिटाई की और एसयूवी में जबरन बैठाकर गुलाबी बाग की तरफ ले गए। पुलिस की कार्रवाई दीपक ने इसकी सूचना पुलिस को दी। एसएचओ रमेश कौशिक की टीम ने पीड़ित और हमलावरों के मोबाइल नंबर की लोकेशन खंगाली। इसके साथ ही बैरिकेड पर भी अलर्ट कर दिया। पुलिस टीम हमलावरों की लोकेशन को ढूंढ़ते हुए गुलाबी बाग इलाके में पहुंची जहां एक पार्क में पांच आरोपी विशेष की पिटाई कर रहे थे। एक आरोपी वीडियो बना रहा था। पुलिस ने पांचों आरोपियों को दबोच लिया। अपहरण और गैर इरादतन हत्या की कोशिश की धारा में मुकदमा दर्ज कर एयसूवी जब्त कर ली है।

पुरानी दिल्ली में सफाई की नियमित निगरानी होगी

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली जोन में सफाई व्यवस्था और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सोमवार को उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत ने अधिकारियों व मार्केट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में चांदनी चौक के निगम पार्षद सुमन कुमार गुप्ता समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में सफाई, अतिक्रमण, पिंक टॉयलेट, नागरिक सुविधाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की गई। उपमहापौर ने अधिकारियों को सफाई व्यवस्था प्रभावी बनाने और लंबित कार्य प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक बाजार क्षेत्र में रोज बड़ी संख्या में लोग आते हैं, इसलिए स्वच्छता, अतिक्रमण नियंत्रण और जनसुविधाओं पर विशेष ध्यान जरूरी है। उन्होंने कहा कि निर्णयों पर समयबद्ध कार्रवाई और कार्यों की प्रगति की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

कोकीन और अवैध पिस्तौल के साथ जिम ट्रेनर गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। पश्चिमी जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड ने मायापुरी स्थित क्लब के बाहर कार्रवाई करते हुए कोकीन सप्लाई करने के आरोप में 34 वर्षीय आकाश उर्फ अक्की उर्फ सुशांत को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चार ग्राम कोकीन, इटली निर्मित .32 बोर की अवैध स्वचालित पिस्तौल, एक मैगजीन और पांच कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने नशीले पदार्थ और हथियार की ढुलाई में इस्तेमाल सफेद स्विफ्ट कार भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार 21 अगस्त की रात सूचना मिली थी कि आरोपी

मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र स्थित क्लब के बाहर कोकीन पहुंचाने आने वाला है। सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर रात करीब 12:20 बजे उसे कार सहित पकड़ लिया। तलाशी में कोकीन और हथियार बरामद हुए। आरोपी उत्तम नगर का रहने वाला है और निजी जिम ट्रेनर है। पूछताछ में उसने पश्चिमी दिल्ली के नाइटलाइफ सर्किट में अपने संपर्कों के जरिए ग्राहकों को कोकीन उपलब्ध कराने की बात बताई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी पहले भी एक आपराधिक मामले में शामिल रहा है। उसके खिलाफ थाना मायापुरी में एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अब कोकीन और हथियार के स्रोत तथा उसके अन्य साथियों का पता लगाने में जुटी है।

बिना पीयूसी प्रमाणपत्र दौड़ रहे सरकारी वाहनों पर सख्ती के निर्देश

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर बिना वैध प्रदूषण जांच प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) के दौड़ रहे सरकारी वाहनों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया है कि सरकारी वाहनों पर भी पीयूसीसी के नियमों को पूरी गंभीरता से जमीनी स्तर पर लागू किया जाए। एनजीटी ने स्पष्ट किया कि कोई सरकारी वाहन बिना वैध पीयूसीसी के सड़क पर चलता मिला तो संबंधित प्रवर्तन एजेंसियां उसके खिलाफ जरूरी सुधारात्मक और दंडात्मक कार्रवाई करें। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज

अहमद की पीठ ने यह निर्देश जितेंद्र महाजन की ओर से दायर आवेदन का निपटारा करते हुए दिया। आवेदक ने दिल्ली में सरकारी वाहनों द्वारा नियमों का पालन नहीं किए जाने समेत कई मुद्दे उठाए थे। सुनवाई के दौरान उन्होंने अपनी दलील को सरकारी वाहनों के बिना वैध पीयूसीसी के चलने तक सीमित रखा। पीठ ने दिल्ली सरकार की ओर से दाखिल अनुपालन रिपोर्ट में दिए आंकड़ों पर भी गौर किया। सरकार के अनुसार 19 जून 2025 तक दिल्ली में बिजली से चलने वाले वाहनों को छोड़कर डीजल, पेट्रोल और सीएनजी से चलने वाले 30,995 सक्रिय पंजीकृत सरकारी वाहन थे। इनमें 14,569 वाहनों के पास वैध पीयूसीसी था, जबकि 12,399 वाहनों का पीयूसीसी समाप्त हो चुका था। वहीं, 4,027 वाहनों का पीयूसीसी डेटा उपलब्ध नहीं था। सरकार ने बताया कि 24 जून 2025 तक पेट्रोल पंपों पर लगे ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) सिस्टम के जरिये वैध पीयूसीसी के बिना चल रहे 1,360 सरकारी वाहनों का पता लगाया गया। इन वाहनों के चालान भी किए गए। कैमरों से निगरानी दिल्ली सरकार ने एनजीटी को बताया कि पीयूसीसी नियमों के पालन के लिए 498 स्थानों पर एएनपीआर कैमरे लगाए गए हैं। इनमें पेट्रोल पंप और अंतरराज्यीय बस अड्डे भी शामिल हैं। ये कैमरे वाहन संबंधी जानकारी वाले वाहन पोर्टल से जुड़े हैं। इनके जरिए वैध पीयूसीसी नहीं रखने वाले वाहनों की पहचान की जाती है और नियमों का उल्लंघन मिलने पर स्वतः चालान जारी हो जाता है। सरकार ने यह भी बताया कि पीयूसीसी उल्लंघन के मामले में सरकारी और निजी वाहनों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाता। सरकार के मुताबिक दिल्ली में करीब 950 पीयूसी केंद्र संचालित हैं।

राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड की 100 वीं कॉन्फ्रेंस में हुआ आह्वान , स्वदेशी को प्राथमिकता दें व्यापारी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में 24 अगस्त को भारत सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड की 100वीं वीडियो कॉन्फ्रेंस सफलत आयोजन हुआ। इस मौके पर बोर्ड के अध्यक्ष श्री सुनील सिंघी जी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देश भर से जुड़े बोर्ड के सभी सदस्यों व व्यापारियों को संबोधित किया श्री सिंघी ने इस मौके पर देश भर के व्यापारियों का आह्वान किया कि वे स्वदेशी वस्तुओं को अपने व्यापार में प्राथमिकता दें तथा बदलते समय के साथ डिजिटल तकनीक को अपनाएं। उन्होंने व्यापारियों से ड ठ ऊउ के माध्यम से अपने कारोबार को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मजबूत करने और ऑनलाइन व्यापार की बढ़ती प्रतिस्पर्धा का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने का भी आग्रह किया कांफ्रेस के दौरान राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य श्री आर. के.

गौड़, दिल्ली फेडरेशन ऑल इंडिया व्यापार मंडल के प्रधान गुरु चरण सिंह राजू तथा महामंत्री श्री राजीव शर्मा ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री सुनील सिंघी जी का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बोर्ड ने देशभर के व्यापारियों को एक ऐसा मजबूत मंच उपलब्ध कराया है। जोकि फेडरेशन स्तर से लेकर जमीनी स्तर के छोटे-बड़े व्यापारियों तक उनकी समस्याओं को सुनता है और उन्हें सरकार के संबंधित मंत्रालयों तक पहुंचाने में सेतू का काम करता है श्री आर के गौर जी ने बताया कि टरटए क्षेत्र से जुड़ी सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ व्यापारियों तक पहुंचाने तथा व्यापारियों की वास्तविक समस्याओं को समझ कर उनके समाधान के लिए प्रयास करना बोर्ड की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है श्री गुरु चरण सिंह राजू ने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्हें सरकार की योजनाओं से जोड़ना, उनकी समस्याओं का समाधान कराना और उन्हें आधुनिक डिजिटल व्यापार के लिए तैयार करना देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करेगा राजीव शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने में देश के व्यापारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यदि व्यापारी स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के साथ-साथ डठऊ और अन्य डिजिटल माध्यमों को अपनाते हैं, तो भारतीय व्यापार को नई ऊंचाइयां मिल सकती हैं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड से जुड़े सभी सदस्यों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, केंद्रीय वित्त मंत्री, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल जी तथा राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री सुनील सिंघी जी द्वारा व्यापारियों के हित में किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के माध्यम से सरकार और व्यापारी के बीच संवाद लगातार मजबूत हो रहा है जोकि देश के लिए शुभ संकेत है। उन्होंने यह विश्वास भी व्यक्त किया कि इसी प्रकार सरकार, व्यापारी संगठनों और व्यापारियों के बीच समन्वय आगे भी जारी रहा तो भारत शीघ्र ही आत्मनिर्भरता की दिशा में और मजबूत कदम बढ़ाएगा तथा विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को प्राप्त करेगा।

फर्जी एयर इंडिया नौकरी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, दो महिलाओं समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। एयर इंडिया में नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगारों से ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का पूर्वी जिला साइबर थाना पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो महिलाओं समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित खुद को एयर इंडिया के मानव संसाधन विभाग का कर्मचारी बताकर ग्राउंड ड्यूटी की नौकरी का झांसा देते थे और पंजीकरण व अन्य शुल्क के नाम पर यूपीआई से रकम मंगाते थे। छत्तीसगढ़ निवासी एक युवक से इसी तरह 14,500 रुपये ठगे गए थे। जांच में ठगी की रकम जिस बैंक खाते में पहुंची, उसके आधार पर पुलिस ने वजीराबाद निवासी 30 वर्षीय मोहम्मद जैद को लक्ष्मी नगर से गिरफ्तार किया। पूछताछ में दो महिलाओं की भूमिका सामने आई। पुलिस के अनुसार तीनों लक्ष्मी नगर में फर्जी कॉल सेंटर चला रहे थे और अलग-अलग मोबाइल नंबरों व सिम कार्ड से नौकरी चाहने वालों को फोन

करते थे। रकम अलग-अलग खातों में मंगाकर एटीएम से निकाल ली जाती थी। पुलिस ने मौके से छह स्मार्टफोन, तीन कीपैड मोबाइल, कई सिम कार्ड और 25 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस जांच में आरोपितों से जुड़े दो अन्य साइबर अपराध की शिकायतें भी सामने आई हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और उनकी पुरानी वारदातों का पता लगा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि नौकरी दिलाने के नाम पर अनजान लोगों को पैसे न भेजें और ओटीपी, पिन, पासवर्ड या बैंक संबंधी जानकारी साझा न करें। साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 पर शिकायत करें।

नेक्स्ट जेन भारत 2026 : स्वच्छ वायु के लिए उद्योग, शिक्षा और युवा एक मंच पर, सामूहिक प्रयास पर जोर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। ऊर्जा, फार्मा, हॉस्पिटैलिटी, लॉजिस्टिक्स, मैन्युफैक्चरिंग, स्टार्टअप्स और शिक्षा क्षेत्रों के प्रमुख नेताओं ने स्वच्छ वायु को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। मॉर्निंग स्प्राउट कंसल्टिंग और दिल्ली विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज (डीडीयूसी) द्वारा आयोजित नेक्स्ट जेन भारत 2026 सम्मेलन में उद्योग, शिक्षा जगत और युवाओं को एक मंच पर लाकर समाधान-उन्मुख संवाद हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य विकसित भारत के लिए सामूहिक कार्रवाई के महत्व को रेखांकित करना था हितधारकों ने कहा कि वायु गुणवत्ता केवल स्वास्थ्य से ही नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, कर्मचारी

उत्पादकता, अनुपस्थिति और जीवन के लगभग हर पहलू से जुड़ी है। यह एक जटिल मुद्दा है, इसलिए सभी को मिलकर भारत की विकास यात्रा को तेज करना होगा। मुख्य अतिथि प्रो. बलराम पाणि, दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजेज ने सभी से इस चुनौती का समाधान निकालने और जिम्मेदारी लेने की अपील की। उन्होंने कहा, स्वच्छ भारत का आह्वान हमें राष्ट्र और युवाओं के भविष्य के लिए साथ काम करने की प्रेरणा देता है। युवाओं को स्वच्छ वायु समाधानों में सक्रिय भागीदार बनना होगा: श्वेता नंदा मॉर्निंग स्प्राउट कंसल्टिंग की संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक श्वेता ठाकुर नंदा ने उद्घाटन संबोधन में कहा, कल के भारत के लिए युवाओं को स्वच्छ वायु समाधानों में सक्रिय भागीदार बनना होगा। सरकार, उद्योग, शिक्षा और समुदायों के बीच मजबूत सहयोग जरूरी है। जागरूकता से स्वामित्व और सामूहिक जिम्मेदारी की ओर बदलाव लाना होगा। मैनकाइंड फार्मा के ग्लोबल सीएचआरओ प्रतीक दुबे ने कहा, आज युवा जो हवा सांस लेते हैं, वही कल का भारत गढ़ेगा। स्वच्छ वायु मानव क्षमता, उत्पादकता और राष्ट्र की मजबूती में निवेश है।

दिल्ली-कर्नाटक के विधायक समेत कई घायल, आईटीओ पर देर रात बड़ा हादसा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार रात करीब 9:30 बजे आईटीओ के पास एक तेज सड़क हादसे से हड़कंप मच गया। लक्ष्मी नगर से आईटीओ की ओर जा रही एक स्विफ्ट कार पहले डिवाइडर से टकराई और रेलिंग पार करने के बाद सामने से आ रही इनोवा से जा भिड़ी। हादसे में इनोवा में सवार किराड़ी विधानसभा के मौजूदा विधायक अनिल झा और कर्नाटक के विधायक अभय पाटिल समेत कई लोग घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, रात करीब 9:30 बजे आई.पी. एस्टेट

पुलिस थाने को सड़क दुर्घटना की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि हादसे में स्विफ्ट और इनोवा दो वाहन शामिल हैं। शुरूआती स्थानीय जांच के मुताबिक, 32 वर्षीय आशुतोष पांडे स्विफ्ट चला रहे थे और उनके साथ उनकी पत्नी और दो नाबालिग बच्चे भी कार में मौजूद थे। लक्ष्मी नगर से आईटीओ जा रही थी कार पुलिस के मुताबिक, स्विफ्ट कार लक्ष्मी नगर से आईटीओ की ओर जा रही थी। पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास कार डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार रेलिंग पार कर दूसरी दिशा में पहुंच गई और आईटीओ से लक्ष्मी नगर की ओर आ रही इनोवा से टकरा गई। इनोवा में सवार थे दो विधायक हादसे के समय इनोवा में किराड़ी विधानसभा के मौजूदा विधायक अनिल झा और कर्नाटक के विधायक अभय पाटिल सवार थे। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में सवार लोगों को चोटें आईं। पुलिस के अनुसार, सभी घायलों को इलाज के लिए लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी स्थिति स्थिर बताई है। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड, हटाए गए दोनों वाहन हादसे की सूचना के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया। दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को सड़क से हटाया गया, ताकि यातायात सामान्य किया जा सके। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे से जुड़े तथ्यों को जुटाना शुरू कर दिया है। हादसे की वजह जानने में जुटी पुलिस दिल्ली पुलिस ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है। पुलिस हादसे की परिस्थितियों, वाहनों की स्थिति और दुर्घटना के संभावित कारणों की जांच कर रही है। फिलहाल सभी घायलों की हालत स्थिर है और पुलिस की जांच के बाद ही हादसे की पूरी तस्वीर साफ हो सकेगी।

थान सिंह यादव बने श्री कृष्णा यादव महासभा के राष्ट्रीय मीडिया कोऑर्डिनेटर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। श्री कृष्णा यादव महासभा (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं दिल्ली सरकार के पूर्व ओबीसी आयोग अध्यक्ष जगदीश यादव तथा महासभा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव हेमंत यादव, अधिवक्ता ने थान सिंह यादव को श्री कृष्णा यादव महासभा (रजि.) का राष्ट्रीय मीडिया कोऑर्डिनेटर (National MediaCoordinator) नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन महासचिव हेमंत यादव, अधिवक्ता ने कहा कि थान सिंह यादव सामाजिक एवं जनसेवा

के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय रहकर विभिन्न संगठनों के माध्यम से समाज और आम लोगों की आवाज उठाते रहे हैं। उनकी कार्यक्षमता, अनुभव और सामाजिक सरोकारों को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। थान सिंह यादव ने अपनी नियुक्ति पर श्री कृष्णा यादव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश यादव एवं राष्ट्रीय संगठन महासचिव हेमंत यादव, अधिवक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अलग-अलग सामाजिक संगठनों के साथ कार्य करना हमेशा अच्छा लगता है। विभिन्न संगठनों में काम करने से नए अनुभव प्राप्त होते हैं और बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलता है। जगदीश यादव पूर्व अध्यक्ष ओबीसी आयोग दिल्ली सरकार व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कृष्णा यादव महासभा ने कहा कि थान सिंह यादव ने भाजपा दिल्ली प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष एवं भाजपा दिल्ली प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के रूप में भी सेवा की। इसके अलावा खेलकूद के क्षेत्र में दिल्ली एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन, दिल्ली प्रदेश के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहें है, दूसरा सबसे बड़ा कार्य दिल्ली देहात गांव-ग्रामीणों की समस्याओं एवं उनकी आवाज को मजबूती देने के लिए दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। ओर समाज के लिए भी कुछ करने के लिए इनको नई जिम्मेवारी निभानी होगी। राष्ट्रीय संगठन महासचिव हेमंत यादव, अधिवक्ता ने थान सिंह यादव को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव और सक्रियता से श्री कृष्णा यादव महासभा को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी।

दिल्ली में बढ़ रहा एच1एन1 का खतरा, बीमारी से निपटने के लिए सफदरजंग अस्पताल ने की तैयारी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बढ़ती मौसमी बीमारियों और स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के मामलों के बीच सफदरजंग अस्पताल ने इससे निपटने के लिए अपनी तैयारियां की हैं। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि दवाएं, इलाज की सुविधाएं और जरूरी देखभाल उपलब्ध हैं। सफदरजंग अस्पताल ने अपने एक बयान में कहा, अस्पताल स्वाइन फ्लू (एच1एन1) और मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए तैयार है। यहां दवाएं, इलाज की सुविधाएं और जरूरी देखभाल उपलब्ध है। इन्फ्लूएंजा जैसे लक्षणों वाले मरीजों की जांच की जाती है और उन्हें समय पर इलाज के लिए प्राथमिकता दी जाती है। बयान में कहा गया कि मरीज की जरूरत और मौजूदा गाइडलाइंस के हिसाब से इलाज किया जाता है, साथ ही अस्पताल मामलों पर नजर रखता है और जरूरी इंतजाम बनाए रखता है। गौरतलब है कि हाल के हफ्तों में दिल्ली में स्वाइन फ्लू के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल दिल्ली में एच1एन1 के 1,777 से अधिक मामले सामने आए हैं, जबकि राजधानी में इन्फ्लूएंजा-ए के भी 2,300 से अधिक मामले दर्ज हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, नाक बहना, शरीर में दर्द और थकान शामिल हो सकते हैं। स्वाइन फ्लू के मामलों के चलते पिछले दिनों दिल्ली सरकार ने पब्लिक हेल्थ एडवाइजरी जारी की और लोगों से सांस से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए बुनियादी सावधानियां बरतने को कहा। अधिकारियों ने लोगों को सलाह दी कि वे भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें, बार-बार हाथ धोएं, सांस की बीमारी वाले लोगों के अधिक करीब जाने से बचें और अगर फ्लू जैसे लक्षण गंभीर हो जाएं या लंबे समय तक बने रहें, तो डॉक्टर को दिखाएं। इससे पहले, दिल्ली में शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में दिल्ली की स्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा की गई।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 25 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली से पटना एयरपोर्ट पहुंचे विमान पर बड़ा हादसा टला

नई दिल्ली। दिल्ली की आईजीआई एयरपोर्ट से उड़ान भरकर पटना के जय प्रकाश नारायण हवाई अड्डे पर सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। दिल्ली से 164 यात्रियों को लेकर आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट (एआई1741) लैंडिंग के समय एक पक्षी से टकरा गई। विमान के पायलट ने रनवे के पास पहुंचते ही दाहिने टरबाइन से पक्षी के टकराने की आशंका जताई थी। इसके बाद विमान को सुबह 7:43 बजे सुरक्षित लैंड कराया गया। उतरने के बाद की गई तकनीकी जांच में बर्ड हिट की पुष्टि हुई, लेकिन गनीमत रही कि इंजन को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था। पूरी सुरक्षा जांच और क्लियरेंस मिलने के बाद विमान को वापस दिल्ली लौटने की मंजूरी दी गई। इस प्रक्रिया के कारण दिल्ली जाने वाली वापसी की फ्लाइट (एआई1852) अपने निर्धारित समय सुबह 8:45 बजे के बजाय 79 मिनट की देरी से सुबह 10:09 बजे रवाना हो सकी। इस उड़ान में 160 यात्री सवार थे। बता दें कि जय प्रकाश नारायण एयरपोर्ट पर बीते एक हफ्ते के भीतर एअर इंडिया के विमान के साथ बर्ड हिट की यह दूसरी घटना है।

एक्स ने हटाई सीजेपी प्रवक्ता सौरभ दास की निजी जानकारी

नई दिल्ली। इंटरनेट मीडिया पर निजी जानकारी सार्वजनिक करने को लेकर सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास की ओर से दायर याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने कमेंटेटर अभिजीत मित्रा से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने सौरव की मूल याचिका के साथ ही सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री को रोकने से संबंधी अर्जी पर अभिजीत, एक्स, गूगल सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले पर अगली सुनवाई 14 सितंबर को होगी। एक्स ने हटाई सौरभ दास की निजी जानकारी वहीं, सुनवाई के दौरान एक्स की तरफ से पीठ को सूचित किया गया कि सौरव दास के आवास सहित निजी जानकारी वाले पोस्ट को हटा लिया गया है। याचिका में उन्होंने आरोप लगाया है कि अभिजीत सहित अन्य लोगों ने उनके घर का पता सार्वजनिक कर दिया था और इससे उनकी निजता, सम्मान के अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। बिना अनुमति बनाया गया वीडियो: सौरभ दास सौरव दास ने कहा है कि वह 2025 की शुरुआत से ग्रेटर कैलाश-एक में किराए पर रह रहे हैं और द पैम्फलेट के प्रतिनिधियों ने उस साझा रिहायशी परिसर में बिना अनुमति घुसकर अंदर का वीडियो बनाया और इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपलोड किया।

भारी बारिश से आईजीआई एयरपोर्ट पर हवाई सेवाएं ठप

नई दिल्ली। सोमवार सुबह हुई तेज बारिश के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ। मौसम के खराब मिजाज को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट और विभिन्न एयरलाइंस की ओर से सुबह से ही यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की जाने लगी थी, ताकि लोग घर से निकलने से पहले फ्लाइट का स्टेटस जांच सकें और उन्हें एयरपोर्ट पर परेशानी न उठानी पड़े। इसके बावजूद, बारिश का सीधा असर उड़ानों के आगमन और प्रस्थान दोनों पर पड़ा। दिल्ली आ रही 14 घरेलू व अंतरराष्ट्रीय उड़ानों, जिनमें दुबई, शारजाह, गोवा, रांची, इंफाल, चेन्नई, इंदौर, मुंबई, लेह, सिलिगुड़ी, बेंगलुरु, भुवनेश्वर और डिब्रूगढ़ से आने वाली उड़ानें शामिल थीं, को अन्य एयरपोर्ट्स पर डाइवर्ट करना पड़ा। सुबह 11 से 12:30 बजे के बीच स्थिति सबसे गंभीर सुबह 11 से 12:30 बजे के बीच स्थिति सबसे गंभीर रही, जब एटीसी और डाइवर्जन एयरपोर्ट्स पर दबाव रोकने के लिए उड़ानों को उनके मूल एयरपोर्ट पर ही रोक दिया गया।

चांदनी महल इलाके में इमारत का एक हिस्सा ढहा, बाल-बाल बची लोगों की जान

नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी महल थाना क्षेत्र में स्थित पहाड़ी भोजला में इमारत का एक हिस्सा ढह गया। घटना आज सुबह घटी, जिसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने इलाके को घेराबंदी की और वहां मौजूद लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। मलबे के नीचे या आसपास पड़े वाहनों को सावधानीपूर्वक हटाया गया। इस घटना में किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई, हालांकि लगभग तीन-चार स्कूटी और मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। पहले से जर्जर थी इमारत इमारत पहले से ही जर्जर हालत में थी। पता चला है कि एमसीडी ने इसकी स्थिति को लेकर पहले ही नोटिस जारी किया था और मरम्मत का काम चल रहा था। पुलिस संबंधित एमसीडी अधिकारियों के साथ मिल कर कानूनी प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

एमसीडी सदन की बैठक में नाव लेकर पहुंचे आप पार्षद, जलभराव-गंदगी पर भाजपा को घेरा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के पार्षद सोमवार को आयोजित एमसीडी सदन की बैठक में नाव लेकर पहुंचे और दिल्ली में जगह-जगह हो रहे जल भराव और फैले कूड़े के ढेर को लेकर भाजपा सरकार को जमकर घेरा। पार्षदों ने बदहाल सफाई व्यवस्था, डेंगू-मलेरिया के बढ़ते खतरे समेत जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे भी मजबूती से उठाए। इस बाबत एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने एक्स पर कहा कि आप पार्षदों ने भाजपा शासित एमसीडी से मांग की कि दिल्ली की जनता को सिर्फ खोखले दावे नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस व्यवस्था चाहिए। अब पूरे देश को भाजपा की नाकाम सरकार से आजादी चाहिए। अंकुश नारंग ने कहा कि एमसीडी मुख्यालय में सोमवार को आयोजित सदन की बैठक में आप के निगम पार्षद नाव लेकर पहुंचे। सदन के बाहर नाव और अपने-अपने जोनों का कूड़ा रखकर भाजपा शासित एमसीडी की बदहाल सफाई व्यवस्था और दिल्ली में जगह-जगह जलभराव के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। भाजपा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भाजपा मेयर प्रवेश वाही का दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान सिर्फ नारे और प्रचार की राजनीति है। लेकिन सच यह है कि दिल्ली में कूड़े को आजादी मिली है। दिल्ली की सड़कों और गलियों में लगे कूड़े के ढेर भाजपा के झूठे दावों की पोल खोल रहे हैं। चार इंजन की भाजपा सरकार में दिल्ली की सफाई व्यवस्था खुद कूड़े में दब गई है। जनता पूछ रही है कि जब पूरी सत्ता आपके हाथ में है, तो फिर दिल्ली साफ क्यों नहीं है? उधर, एमसीडी के सह-प्रभारी प्रवीण कुमार ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली को पूरी तरह से डुबो दिया है। जहां देखो वहां पानी है। सिविक सेंटर से 100-200 मीटर दूर कनॉट प्लेस में भी जलभराव है। भाजपा ने दिल्ली वालों को पूरी तरह से दुखी और परेशान कर दिया है। डेढ़ साल में ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार ने दिल्ली को नरक के दर्शन करा दिए हैं। एमसीडी में भाजपा कई सालों से है, लेकिन आज तक वे एमसीडी में कूड़ा साफ नहीं कर पाए हैं। इस समय दिल्ली की पूरी सड़कों पर कूड़ा है और लबालब पानी भरा है। प्रवीण कुमार ने बताया कि आज सदन में निगम पार्षद कृष्ण जाखड़ नाव लेकर पहुंचे हैं ताकि वे सदन को भाजपा की असलियत बता सकें। क्या अब दिल्ली के लोग गाड़ियां छोड़कर नाव पर आ जाएं? इतनी कम समय की बारिश में भी इतना सारा जलभराव हो रहा है और घंटों ट्रैफिक लग रहा है।

दिल्ली-एनसीआर मे बारिश से मौसम सुहावना जगह-जगह जलभराव से मुसीबतें भी बढ़ीं

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ है। पिछले दो दिनों से सुबह के दौरान कहीं-कहीं पर हो रही मध्यम बारिश ने दिल्लीवासियों को उमस भरी गर्मी से राहत तो दिलाई है लेकिन आमजन की मुसीबतें भी बढ़ाई हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को भी हल्की से मध्यम बारिश होने की चेतावनी दी है। यहां लगातार बादलों की आवाजाही और सुबह के दौरान हो रही बारिश से मौसम सुहावना तो हो गया है लेकिन राजधानी और आसपास के कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। सड़कों पर जलभराव होने से पैदल चलने वालों के साथ-साथ वाहन चालकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव का सबसे बड़ा असर दिल्ली-एनसीआर की यातायात व्यवस्था पर पड़ा है। बारिश शुरू होते ही प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर गाड़ियों की रफ्तार थम जाती है। दफ्तर आने वाले कर्मचारियों को जहां सामान्य दिनों में 1-2 घंटे का समय लगता है, वहीं आज जलभराव और ट्रैफिक जाम के कारण उन्हें 3-4 घंटे का लंबा और थकाऊ सफर तय करना पड़ रहा है। इस दौरान लोगों को ट्रैफिक जाम के अलावा, सार्वजनिक परिवहन के साधनों की भारी किल्लत का भी सामना करना पड़ता है। बारिश के दौरान कैब और ऑटो मिलना बेहद मुश्किल हो जाता है। इसके साथ ही ऐप-आधारित कैब एग्रीगेटर द्वारा की जाने वाली सरचार्ज या डायनामिक प्राइसिंग के कारण यात्रियों से दोगुना तक किराया वसूलते हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली-एनसीआर में मानसून और श्रावण मास के दौरान जलभराव तथा ट्रैफिक जाम की समस्या नई नहीं है। हर बार थोड़ी सी बारिश में ही शहर की जल निकासी व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है।

दिल्ली भाजपा ने अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पद्म विभूषण अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर सोमवार को दिल्ली भाजपा कार्यालय और सिरी फोर्ट स्थित अरुण जेटली पार्क में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान भाजपा नेताओं, जनप्रतिनिधियों और कार्यकताओं ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली भाजपा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अरुण जेटली के चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद प्रदेश पदाधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। सिरी फोर्ट स्थित अरुण जेटली पार्क में उनके परिवार की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले, दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, भाजपा के सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश और केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह सहित कई गणमान्य लोगों ने जेटली की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि अरुण जेटली केवल पूर्व वित्त मंत्री ही नहीं, बल्कि ओजस्वी वक्ता, कुशल संगठनकर्ता और सबके मित्र थे। राजनीति में उनके विरोधी भी उनकी बात सम्मान से सुनते थे, क्योंकि उनके तर्क में तथ्य और संवाद में स्नेह होता था। उन्होंने कहा कि जेटली ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जीएसटी, दिवालिया कानून और बैंकिंग सुधार जैसे ऐतिहासिक निर्णयों में उनके दूरदर्शी नेतृत्व की झलक दिखाई देती है। कठिन परिस्थितियों में वह सरकार और पार्टी के लिए मजबूती से खड़े रहते थे।

दिल्ली पुलिस ने करोल बाग और पालम विलेज इलाके में चोरी की घटनाओं में शामिल चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने चोरी की दो अलग-अलग घटनाओं में शामिल चार आरोपियों को किया है। आरोपियों के पास से चोरी के सामान भी बरामद किए गए हैं। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में पुलिस ने घरों में चोरी और सेंधमारी के कई मामलों में दो कथित चोरों और चोरी का सामान खरीदने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान मोहम्मद आरिफ, अफसर और इंजमाम शेख उर्फ राजा शेख के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक, इनकी गिरफ्तारी से दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में दर्ज घरों में चोरी और सेंधमारी के चार मामलों को सुलझाने में मदद मिली है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि पालम विलेज थाना क्षेत्र में दर्ज चोरी के दो मामलों की जांच के दौरान घटनास्थल और उसके आसपास लगे करीब 700 सीसीटीवी के फुटेज की जांच की गई। फुटेज में संदिग्धों का एक ही ग्रुप मोटरसाइकिल से उन जगहों पर आता और चोरी की वारदात को अंजाम देता हुआ दिखा। दो संदिग्धों की पहचान मोहम्मद आरिफ और इरशाद उर्फ भानु के तौर पर हुई, जिसके बाद 5 अगस्त को मोहम्मद आरिफ को दिल्ली के मौजपुर से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान उसने कथित तौर पर बताया कि उसने और उसके साथियों ने चोरी की मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करके पालम इलाके में दो चोरियां की थीं। उसने यह भी बताया कि उसने और इरशाद ने केशव पुरम इलाके से वह मोटरसाइकिल चुराई थी। आरिफ की निशानदेही पर एक देसी पिस्तौल और घर तोड़ने वाले औजार बरामद किए गए। इसके बाद, सह-आरोपी अफसर को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया और कथित तौर पर उसके पास से एक और देसी पिस्तौल बरामद की गई। जांच के दौरान पुलिस को इंजमाम शेख का भी पता चला, जो कथित तौर पर चोरों से चोरी के सोने के गहने खरीद रहा था। पुलिस ने बताया कि उसके पास से चोरी के गहनों से पिघलाया गया 42.11 ग्राम सोना बरामद किया गया। उधर, दिल्ली पुलिस ने करोल बाल इलाके में दुकान से चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके पास से 24 आईफोन बरामद हुए। सोमवार को पुलिस ने बताया कि 20 अगस्त को करोल बाग की एक दुकान में चोरी की सूचना मिली। शिकायतकर्ता ने बताया कि 19 अगस्त को एक अज्ञात व्यक्ति ने कमरे का ताला तोड़कर चोरी की और एप्पल आईफोन के लगभग 50 बॉक्स और 2 लाख रुपए नकद चुरा लिए। इसके बाद, करोल बाग पुलिस ने एफआईआर दर्ज करते हुए जांच शुरू की।

थोड़ी देर की बारिश में पानी-पानी हो रही दिल्ली कहां है भाजपा की चार की सरकार?- आप

नई दिल्ली। सोमवार को कुछ देर हुई बारिश में पूरी दिल्ली में जगह जगह भारी जल भराव होने पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। आम आदमी पार्टी ने सदर बाजार, कमला नगर, कनॉट प्लेस, जखीरा अंडरपास समेत दिल्ली में जगह जगह हुए जलभराव की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा पूछा कि चार इंजन की सरकार कहां है? सड़कों और गलियों में भारी जल भराव होने की खराब लोगों को जबरदस्त परेशानी का सामना करना पड़ रह है। भाजपा की चार इंजन की सरकार इस साल फिर दिल्ली को जल भराव से मुक्ति दिलाने विफल साबित हो चुकी है। आखिर ये सरकार दिल्ली को जल भराव से कब आजादी दिलाएगी। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सदर बाजार में हुए जल भराव का वीडियो एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह दृश्य दिल्ली के सबसे मशहूर व्यापारिक केंद्र सदर बाजार का है। दुकानों में पानी भर गया है, सामान बर्बाद हो रहा है और दुकानदार पूरी तरह से बेबस हैं। जब से यह चार-इंजन वाली सरकार बनी है, पूरी दिल्ली भयंकर जलभराव की समस्या से जूझ रही है। नालों की सफाई के बड़े-बड़े दावों की पूरी तरह से पोल खुल गई है। प्रशासन आखिर अपनी नींद से कब जागेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बच्चों के लिए फ्री में वाटर पार्क की व्यवस्था करने के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भाजपा सरकार को बहुत-बहुत धन्यवाद। उधर, आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने दिल्ली में जगह-जगह हुए जलभराव को लेकर भाजपा सरकार पर कटाक्ष करते हुए एक्स पर कहा कि दिल्ली की सड़कों पर भरे पानी के जरिए बच्चों के लिए फ्री स्विमिंग पूल की व्यवस्था करवाने के लिए वह रेखा गुप्ता जी का धन्यवाद करती हूं। वहीं, आप के वरिष्ठ नेता व एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली में थोड़ी देर की बारिश ने ही भाजपा सरकार और भाजपा शासित एमसीडी के सफाई और जलभराव से निपटने के तमाम दावों की पोल खोल दी। आम इलाकों से लेकर वीवीआईपी इलाकों तक सड़कें पानी में डूबी हैं। आखिर भाजपा की चार इंजन वाली सरकार दिल्ली को कब जलभराव और बदहाल सफाई व्यवस्था से आजादी देगी? जनता को भाषण नहीं, समाधान चाहिए।

गोरक्षनाथ सनातन संघ ने आज सहजनवा में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के खिलाफ खोला मोर्चा, प्रशासन से की कड़ी कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सहजनवा (गोरखपुर)। गोरक्षनाथ सनातन संघ के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पंडित संतोष मिश्रा जी ने बताया कि गोरक्षनाथ सनातन संघ (ऋ्रर) ने तहसील सहजनवा क्षेत्र के ग्राम अलगटपुर में स्थित सरकारी राजस्व भूमि पर हुए अवैध कब्जे और अनाधिकृत निर्माण के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार त्रिपाठी जी ने नगर पंचायत घघसरा के अध्यक्ष श्री प्रभाकर दुबे जी और उप-जिलाधिकारी (रऊट) श्री नमन मेहता जी सहजनवा को ज्ञापन सौंपकर मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम अलगटपुर स्थित खाता संख्या 00096, गाटा संख्या 23 (क्षेत्रफल 0.0690 हेक्टेयर यानी लगभग 17 डिसमिल) सरकारी राजस्व अभिलेखों में नई परती श्रेणी में दर्ज है। आरोप है कि कुछ निजी व्यक्तियों द्वारा बिना किसी वैध अधिकार, आवंटन या अनुमति के इस भूमि पर बाउंड्रीवॉल और दीवार बनाकर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। ज्ञापन के मुख्य बिंदु व मांगें: संयुक्त निरीक्षण व सीमांकन: राजस्व और नगर पंचायत अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा स्थल की पैमाइश कराकर सीमांकन किया जाए। अतिक्रमण पर बुलडोजर कार्रवाई: उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 के तहत अवैध निर्माण व दीवार को ध्वस्त कर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। खर्च की वसूली: सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाने में होने वाले खर्च की वसूली कब्जाधारकों से की जाए। अतिरिक्त निर्माण पर रोक: जांच व विधिक कार्रवाई लंबित रहने तक स्थल पर किसी भी प्रकार के नए निर्माण या हस्तांतरण पर तत्काल रोक लगाई जाए। गोरक्षनाथ सनातन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्पष्ट किया है कि यदि कब्जाधारक कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, तो उनके खिलाफ बेदखली की सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में सरकारी संपत्तियों पर अतिक्रमण को रोका जा सके। गोरक्षनाथ सनातन संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी (उत्तर प्रदेश) सुधाकर त्रिपाठी जी, प्रदेश उपाध्यक्ष हरीनाथ राज सिंह जी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (गोरक्ष प्रांत) आलोक रंजन सिंह जी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (गोरक्ष प्रांत) अरविंद शाही जी, जिला उपाध्यक्ष दयाशंकर मिश्रा जी, विकास सिंह जी, दिग्विजय यादव जी, विशाल पांडेय जी, सुंदरम त्रिपाठी जी, राघवेंद्र मिश्रा जी तथा व्यापार प्रकोष्ठ के मनमोहन जी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विनोद कुमार त्रिपाठी जी ने गोरक्षनाथ सनातन संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया।

दिल्ली में खुले नाले, असुरक्षित निर्माण बने जान का खतरा, कांग्रेस ने रेखा सरकार को घेरा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने जसोला इलाके में शनिवार सुबह खुले नाले में गिरने के बाद 15 वर्षीय आठवीं कक्षा के छात्र मिथुन के लापता होने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुये इसे दिल्ली सरकार की गंभीर लापरवाही का परिणाम बताया और रेखा गुप्ता सरकार की कड़ी आलोचना की। श्री यादव ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में हाल के दिनों में खुले नालों, जलभराव वाले क्षेत्रों और निर्माण स्थलों पर सुरक्षा के अभाव के चलते कई हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद सरकार और संबंधित एजेंसियां खुले नालों को ढकने, खतरनाक स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाने तथा निर्माण स्थलों पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम करने में विफल रही हैं। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में खुले नाले और पानी से भरे निर्माण स्थल मौत के जाल बन चुके हैं। सरकार हादसे के बाद राहत-बचाव कार्यों में सक्रिय होती है लेकिन हादसे रोकने के लिए पहले से ठोस इंतजाम नहीं करती। श्री यादव ने मांग की कि मिथुन की तलाश में सभी उपलब्ध संसाधनों और विशेषज्ञ बचाव दलों को तत्काल लगाया जाए तथा परिवार को हरसंभव सहायाता दी जाए। साथ ही राजधानी के सभी खुले नालों, ड्रेनों और निर्माण स्थलों का तत्काल सुरक्षा ऑडिट कराकर ढक्कन, बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है और लापरवाही के लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए।

हौज खास मेट्रो ट्रैक पर कूदकर खुदकुशी करना चाह रही थी किशोरी, महिला सिपाही ने बचाई जान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की महिला सिपाही निकिता की मुस्तैदी और साहस के चलते हौज खास मेट्रो स्टेशन पर एक हादसा होते होते टल गया। गश्त के दौरान सिपाही ने पास खड़ी एक 16 वर्षीय किशोरी को मेट्रो ट्रैक पर कूदकर जान देने की कोशिश करते हुए देख लिया। परेशान हालत में देखकर माजरा भांपकर उसने तुरंत किशोरी को दबोचकर पीछे की तरफ खींच लिया। डीसीपी डा. आनंद डाभी के मुताबिक 22 अगस्त को हौज खास मेट्रो स्टेशन पर तैनात सिपाही निकिता अपनी नियमित गश्त पर थीं। इसी दौरान उसने देखा कि एक किशोरी मेट्रो ट्रैक की ओर बढ़ रही है और नीचे कूदने का प्रयास कर रही है। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उसने बिना एक पल गंवाए त्वरित कार्रवाई की और बहादुरी से किशोरी को पकड़कर पीछे खींच लिया। मामले की जांच एएसआई राजकुमार को सौंपी गई लड़की के बार-बार ट्रैक की तरफ जाने के प्रयासों के बावजूद निकिता ने साहस का परिचय देते हुए उसे पकड़ लिया और तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दे दी, जिसके बाद उसे थाने ले जाया गया। मामले की जांच एएसआई राजकुमार को सौंपी गई। बाद में मेट्रो स्टाफ की मदद से किशोरी को येलो लाइन स्टेशन कंट्रोल रूम में ले जाया गया। शुरूआत में किशोरी काफी डरी हुई थी और अपने बारे में कोई जानकारी देने से कतराती रही। निकिता ने बेहद संवेदनशीलता और धैर्य का परिचय देते हुए उसे समझाया-बुझाया और बातों ही बातों में उसके परिजन का पता हासिल कर लिया। इसके बाद किशोरी के पिता से टेलीफोन पर संपर्क कर उन्हें घटना की जानकारी दी गई। किशोरी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या का करवा रही इलाज पिता के कंट्रोल रूम पहुंचने पर पता चला कि किशोरी आरके पुरम सेक्टर-पांच में रहती है। पूछताछ में सामने आया कि किशोरी लगभग एक साल से आरएमएल अस्पताल से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या का इलाज करा रही है और इससे पहले भी खुद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर चुकी है। आवश्यक प्रक्रिया और पूछताछ पूरी करने के बाद किशोरी को सुरक्षित उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया।

दिल्ली: एच1एन1 के बढ़ते मामले को लेकर एक्शन में स्वास्थ्य मंत्री, बुलाई उच्चस्तरीय बैठक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) और वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए वर्तमान स्थिति और तैयारियों पर चर्चा करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। यह बैठक दोपहर 2 बजे दिल्ली सचिवालय में आयोजित होने वाली है और इसमें स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। बैठक के दौरान, स्वास्थ्य मंत्री द्वारा मौजूदा स्थिति और विभिन्न मौसमी और वेक्टर जनित रोगों के प्रसार को रोकने और नियंत्रित करने के लिए उठाए जा रहे उपायों की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। चर्चा में अस्पतालों की तैयारियों, निगरानी प्रणालियों और मामलों में संभावित वृद्धि से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग की तत्परता पर भी ध्यान केंद्रित किए जाने की संभावना है। इस बैठक में विशेष रूप से स्वाइन फ्लू, डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों और स्थिति की समीक्षा की जाएगी। डॉ. पंकज सिंह द्वारा दिल्ली भर में बीमारी की मौजूदा स्थिति के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त करने की उम्मीद है। वे जमीनी स्तर पर निगरानी को मजबूत करने और आने वाले दिनों में संभावित मामलों से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों को बढ़ाने के संबंध में निर्देश भी दे सकते हैं। दिल्ली में मानसून के मौसम के दौरान मौसमी और वेक्टर जनित बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस बीच, सफदरजंग अस्पताल ने कहा कि वह स्वाइन फ्लू (एच1एन1 इन्फ्लूएंजा) और अन्य मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों के इलाज के लिए पूरी तरह से सुसज्जित है। अस्पताल ने बताया कि मरीजों के लिए आवश्यक दवाएं, उपचार सुविधाएं और सहायक देखभाल उपलब्ध हैं। दिल्ली में 20 अगस्त को इन्फ्लूएंजा के 159 नए मामले दर्ज किए गए, जिनमें एच1एन1 के 114 मामले शामिल हैं। इसके साथ ही 2026 में एच1एन1 के कुल मामलों की संख्या 1,777 हो गई है। इन्फ्लूएंजा ए के मामले भी बढ़कर 2,392 हो गए हैं। एच1एन1 इन्फ्लूएंजा ए का एक उपप्रकार है और इसे आमतौर पर स्वाइन फ्लू के नाम से जाना जाता है। राष्ट्रीय राजधानी में 2026 में अब तक इन्फ्लूएंजा के कुल 2,602 मामले सामने आए हैं, जिनमें इन्फ्लूएंजा ए के 2,392 और इन्फ्लूएंजा बी के 210 मामले शामिल हैं। 20 अगस्त को इन्फ्लूएंजा बी के चार नए मामले सामने आए, जिससे कुल संख्या 210 हो गई। एच1एन1 इन्फ्लूएंजा ए वायरस का एक उपप्रकार है, जो श्वसन संबंधी बीमारी का कारण बनता है। 2009 के इन्फ्लूएंजा महामारी के दौरान इसे व्यापक रूप से स्वाइन फ्लू के नाम से जाना जाने लगा और बाद में यह मनुष्यों में फैलने वाले मौसमी इन्फ्लूएंजा वायरसों में से एक बन गया। इन्फ्लूएंजा के सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, शरीर में दर्द, थकान और नाक बहना या बंद होना शामिल हैं।

रोहिणी पुलिस ने सीबीआई अधिकार बनकर छापेमारी करने वाले सात लोगों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सीबीआई अधिकारी बनकर फर्जी छापे मारकर लोगों से पैसे या कीमती सामान ऐंठने के आरोप में राष्ट्रीय राजधानी और मुंबई में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में बार और रेस्तरां की एक पूर्व गायिका, एक पूर्व बैंक कर्मी और होटल चलाने वाली एक महिला शामिल है। रोहिणी जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) शशांक जायसवाल ने बताया कि आरोपी 11 अगस्त को दिल्ली के प्रशांत विहार स्थित एक घर पर काले कपड़ों में पहुंचे थे और उन्होंने कथित तौर पर फर्जी सीबीआई पहचान पत्र दिखाकर एक कारोबारी और उनकी मां को छापेमारी की धमकी दी। हालांकि, पड़ोसियों के हस्तक्षेप और परिवार द्वारा उनके पहचान पत्रों पर सवाल उठाने के बाद आरोपी वहां से चले गए। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए सात लोगों की पहचान जम्मू-कश्मीर की रहने वाली आसिफा (29), बार और रेस्तरां में पूर्व गायिका पूजा अग्रवाल, बैंक के पूर्व कर्मचारी कुलदीप शर्मा (63), इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की मरम्मत का काम करने वाले चंदर प्रकाश शर्मा (38), और शुभम उर्फ गोलू (25), राजवीर सिंह (21) तथा नितिन शर्मा (30) के रूप में हुई है। जायसवाल ने बताया कि इस मामले को सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों, तकनीकी निगरानी और शिकायतकर्ता के पिता को भेजे गए फर्जी सीबीआई नोटिस के विश्लेषण के जरिए सुलझाया गया। पुलिस के अनुसार, यह घटना 11 अगस्त को रात 10 बजे हुई जब कारोबारी प्रथम अग्रवाल और उनकी मां प्रशांत विहार स्थित अपने घर पर थे। तभी छह पुरुषों और दो महिलाओं सहित लगभग आठ लोगों का एक समूह उनके आवास पर पहुंचा और खुद का परिचय सीबीआई अधिकारी के तौर पर दिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने कथित तौर पर पहचान पत्र दिखाए और कहा कि वे छापेमारी करने आए हैं। जब अग्रवाल और उनकी मां ने उनसे तलाशी वारंट दिखाने को कहा तो इन लोगों ने उन्हें डराया-धमकाया। डीसीपी ने बताया कि जब पड़ोसियों ने हस्तक्षेप किया तो उन्होंने दावा किया कि अग्रवाल के पिता को एक नोटिस जारी किया गया है और यह कहकर चले गए कि वे इसे अपनी गाड़ी से निकाल कर लाते हैं। इसके बाद परिवार ने पुलिस को घटना की सूचना दी। जायसवाल ने कहा कि अग्रवाल के पिता के मोबाइल फोन पर सीबीआई का एक फर्जी नोटिस भी भेजा गया था।

गुरुग्राम/फरीदाबाद

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 25 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के लिए बिना मुआवजे जमीन लेने पर किसानों का विरोध प्रदर्शन

बल्लभगढ़। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए सेक्टर-65 से ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनाया जा रहा है। यह सोतई गांव में जाट पट्टी शामलात भूमि से होकर जाएगा। अभी तक प्रशासन ने जाट पट्टी शामलात भूमि का मुआवजा नहीं दिया है। प्रशासन इस भूमि पर किसानों को बिना मुआवजा दिए कब्जा लेना चाहता है। प्रशासन की इस कार्रवाई के विरोध में ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की साइट पर मंगलवार को पंचायत का आयोजन किया जाएगा। इसके बारे में जानकारी देते हुए सोतई गांव के रहने वाले झम्मन सिंह ने बताया कि उन्होंने डीग के 12 गांव पीएमडीग, बहबलपुर, लढौली, शाहपुर कलां, डीग, सागरपुर, सुनपेड़, साहूपुरा, असावटी, पियाला, डूंडसा और सोतई पंचायत का मेजबान गांव है। रतन सिंह सौरोत अपनी टीम के साथ शामिल होंगे पंचायत में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय सचिव रतन सिंह सौरोत अपनी टीम के साथ शामिल होंगे। पंचायत के लिए सभी पार्टियों के स्थानीय राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। सोतई के किसानों की पट्टी शामलात भूमि को लेकर प्रशासन ने मुआवजा कोर्ट में जमा किया हुआ है। कोर्ट अपने नियम के अनुसार मुआवजा देगी। किसान जब तक अपनी भूमि पर एनएचएआई को ग्रीनफील्ड बनाने के लिए कब्जा नहीं देना चाहते, जब तक मुआवजा नहीं मिल जाता है। व्यापक स्तर पर पुलिस बल तैनात किया जाएगा एसडीएम मयंक भारद्वाज का कहना है कि किसी को भी कानून व्यवस्था हाथ में नहीं लेने दी जाएगी। मौके पर व्यापक स्तर पर पुलिस बल तैनात किया जाएगा, ताकि साइट को किसी भी तरह का कोई नुकसान न पहुंचा सकें।

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के लिए बिना मुआवजे जमीन लेने पर किसानों का विरोध प्रदर्शन, सोतई गांव में होगी पंचायत

बल्लभगढ़। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए सेक्टर-65 से ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनाया जा रहा है। यह सोतई गांव में जाट पट्टी शामलात भूमि से होकर जाएगा। अभी तक प्रशासन ने जाट पट्टी शामलात भूमि का मुआवजा नहीं दिया है। प्रशासन इस भूमि पर किसानों को बिना मुआवजा दिए कब्जा लेना चाहता है। प्रशासन की इस कार्रवाई के विरोध में ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की साइट पर मंगलवार को पंचायत का आयोजन किया जााएगा। इसके बारे में जानकारी देते हुए सोतई गांव के रहने वाले झम्मन सिंह ने बताया कि उन्होंने डीग के12 गांव पीएमडीग, बहबलपुर, लढौली, शाहपुर कलां, डीग, सागरपुर, सुनपेड़, साहूपुरा, असावटी, पियाला, डूंडसा और सोतई पंचायत का मेजबान गांव है। रतन सिंह सौरोत अपनी टीम के साथ शामिल होंगे पंचायत में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय सचिव रतन सिंह सौरोत अपनी टीम के साथ शामिल होंगे। पंचायत के लिए सभी पार्टियों के स्थानीय राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। सोतई के किसानों की पट्टी शामलात भूमि को लेकर प्रशासन ने मुआवजा कोर्ट में जमा किया हुआ है। कोर्ट अपने नियम के अनुसार मुआवजा देगी। किसान जब तक अपनी भूमि पर एनएचएआई को ग्रीनफील्ड बनाने के लिए कब्जा नहीं देना चाहते, जब तक मुआवजा नहीं मिल जाता है। व्यापक स्तर पर पुलिस बल तैनात किया जाएगा एसडीएम मयंक भारद्वाज का कहना है कि किसी को भी कानून व्यवस्था हाथ में नहीं लेने दी जाएगी। मौके पर व्यापक स्तर पर पुलिस बल तैनात किया जाएगा, ताकि साइट को किसी भी तरह का कोई नुकसान न पहुंचा सकें।

गुरुग्राम में तेज बारिश ने फिर धोए सरकार के दावे

आज बच्चे बस में कैद, कल वर्कफ्रॉम होम-स्कूलों की छुट्टी, अधिकारी सड़कों पर, पर नहीं उतरा पानी

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश ने एक बार फिर प्रशासनिक दावों की पोल खोलकर रख दी है। मानसून की तैयारियों को लेकर सरकार और स्थानीय प्रशासन की ओर से किए गए सभी वादे पानी में बहते नजर आए। शहर के लगभग सभी प्रमुख इलाकों में भारी जलभराव हो गया। इसके चलते सड़कों पर दो से तीन फीट पानी जमा हो गया और पूरा शहर ठहर गया। हालांकि स्थिति को संभालने के लिए प्रशासनिक अधिकारी खुद सड़कों पर उतरे, लेकिन उनके आने से भी सड़कों पर जमा पानी कम नहीं हुआ। भारी बारिश के चलते जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं डीसी उत्तम सिंह ने 25 अगस्त यानि कल जिले के सभी सरकारी एवं निजी स्कूल और शैक्षणिक संस्थान ऑनलाइन माध्यम से कक्षाएं संचालित करेंगे। यह निर्णय मौजूदा मौसम की स्थिति तथा जलभराव के कारण यातायात जाम की आशंका को देखते हुए विद्यार्थियों एवं स्टाफ की सुरक्षा के मद्देनजर लिया गया है। इसके साथ ही कॉरपोरेट एवं निजी कार्यालयों के लिए वर्क फ्रॉम होम की एडवाइजरी लागू रहेगी। बुनियादी ढांचे पर उठे गंभीर सवाल हर साल करोड़ों रुपये का बजट ड्रेनेज सिस्टम को सुधारने और नालों की सफाई पर खर्च किया जाता है। इसके बावजूद, मात्र कुछ घंटों की बारिश में ही मिलेनियम सिटी का यह हाल होना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि प्रशासन ने समय रहते नालों की सफाई की होती, तो आज यह नौबत नहीं आती। सुभाष चौक पर थमे पहिए, स्कूल बसों में फंसे रहे बच्चे बारिश के बाद सबसे बदतर हालात सुभाष चौक पर देखने को मिले। दोपहर के समय हुई इस तेज बारिश की वजह से सड़कों पर अचानक सैलाब आ गया। ठीक इसी समय स्कूलों की छुट्टी हुई थी। जलभराव और भीषण जाम के कारण सुभाष चौक पर कई स्कूल बसें करीब एक घंटे तक बीच सड़क पर फंसी रहीं। उमस और गर्मी के बीच बसों में बैठे छोटे बच्चे परेशान होते रहे। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने कड़ी मशक्कत कर बच्चों को सुरक्षित निकालने में मदद की। अभिभावक भी अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित नजर आए और प्रशासन के खिलाफ उनका गुस्सा साफ देखा गया। पूरा शहर बना समंदर, कोई इलाका नहीं बचा अछूता इस बारिश ने गुरुग्राम के किसी एक हिस्से को नहीं, बल्कि पूरे शहर को अपनी चपेट में लिया। शहर का ऐसा कोई भी प्रमुख क्षेत्र या मार्ग नहीं दिखा, जहां घुटनों तक पानी न भरा हो। शीतला माता मंदिर मार्गः प्रसिद्ध शीतला माता मंदिर के आसपास की सड़कें पूरी तरह जलमग्न हो गईं, जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी हुई। अशोक विहार और पालम विहारः इन रिहायशी इलाकों की गलियों में पानी भर गया।

गुरुग्राम पुलिस ने हथियारों समेत गैंगस्टरों के छह गुर्गे पकड़े

पुलिस ने रोहित गोदारा-लिपिन नेहरा गैंग के शूटर बताए, दो लोगों का मर्डर करने आएं थे

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम में पुलिस ने विदेश में बैठे गैंगस्टरों के छह गुर्गों को भारी मात्रा में विदेशी हथियारों समेत पकड़ा है। इनके कब्जे पुलिस ने 40 लाख रुपए के चार लाख के विदेशी पिस्टल बरामद किए हैं। इनमें एक जिगाना, दो इंडियन पिस्टल, एक राइफल 33 कारतूस, नौ मैग्जिन व एक स्कॉर्पियो कार बरामद की है। आरोपियों कर पहचान सलीम निवासी हरियाहेड़ा, सोहना, मोहित निवासी मान्दक, टप्पल, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, नरेंद्र उर्फ सोनू निवासी अलीपुर, सोहना, ललित निवासी रानियावास, कोटकासिम, अलवर, राजस्थान, दयाराम निवासी भूड़का, बिलासपुर और आर्यन उर्फ रितेश निवासी जटवाड़ा, सालावास, झज्जर के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस पूछताछ में पता चला कि ये आरोपी पुरानी रंजिश के चलते विरोधी पक्ष के दो व्यक्तियों की हत्या करने की फिराक में थे। आरोपी अवैध हथियारों से लैस होकर वारदात की तैयारी कर रहे थे। सोहना क्राइम ब्रांच ने इनकी योजना विफल कर दी। हाल ही में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एक पुलिस अधिकारी के सवाल का जवाब देते हुए कहा था कि गैंगस्टरों का कोई महिमामंडन करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए, हालांकि गुरुग्राम पुलिस ने विदेश में बैठे गैंगस्टर रोहित गोदारा व लिपिन नेहरा का नाम लिया गया। पूछताछ में गिरोह की कार्यप्रणाली का खुलासा पुलिस पूछताछ में सामने आया कि गिरोह द्वारा विदेश में बैठे सहयोगियों एवं भारत में मौजूद सदस्यों के बीच सोशल मीडिया एवं अन्य संचार माध्यमों से संपर्क रखा जाता था।

पति की हत्या कर शव खेत में दफनाया फरीदाबाद में प्रेमी फरार

पत्नी ने दामाद को फोन कर कहा- पति लापता हैं, आ जाओ

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। में एक व्यक्ति का शव खेत में दफन मिला। वह पिछले पांच दिन से लापता था। एक दिन पहले व्यक्ति की पत्नी ने दामाद को फोन कर कहा था कि पति गायब हैं। सोमवार को जानकारी मिलने पर उसका दामाद ससुराल पहुंचा। सख्ती से पूछताछ में पत्नी ने बताया कि पति का शव खेत में दफन है और साथ रहने वाले व्यक्ति ने उसकी हत्या की है। इसके बाद दामाद ने पुलिस को सूचना दी। तिगांव पुलिस मौके पर पहुंची और पत्नी को हिरासत में ले लिया। सूत्रों के मुताबिक, हत्या में पत्नी और उसके प्रेमी की भूमिका सामने आ रही है। घटना के बाद से उसका प्रेमी फरार है। पट्टे पर जमीन लेकर खेती करता था मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के हाथरस निवासी श्यामवीर सिंह (45) के तौर पर हुई है। वह तिगांव थाना क्षेत्र के मोजाबाद गांव में पिछले 8 साल से खेत पट्टे पर लेकर खेती कर रहा था। उसने खेत के पास ही अपना घर बना रखा था, जिसमें वह अपनी पत्नी केसी, बेटी और बेटे के साथ रहता था। उसकी बड़ी बेटी शादीशुदा है। दामाद के पूछने पर पत्नी ने सच्चाई बताई श्यामवीर के दामाद आकाश ने बताया कि कुछ समय से श्यामवीर के घर पर एक अन्य व्यक्ति भी रह रहा था। वह उस व्यक्ति को नहीं जानते। रविवार को उसकी सास केसी ने फोन कर बताया कि श्यामवीर नहीं मिल रहा है। इसके बाद सोमवार को वह मोजाबाद पहुंचा। वहां पहुंचने के बाद उसने केसी से श्यामवीर के बारे में पूछा। इस दौरान केसी ने बताया कि श्यामवीर का शव खेत में दफन है। कुत्तों ने एक हाथ बाहर निकाला हुआ था आकाश ने बताया कि इसके बाद वह खेत में पहुंचा।

गुरुग्राम में वकीलों ने कटवाया पुलिस की गाड़ी का चालान

एडवोकेट के पिता पर एक्शन के बाद भड़के, लोग बोले-ह्ये ऑन द स्पॉट न्यायह

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिला अदालत के बाहर चालान को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते ट्रैफिक पुलिस और वकीलों के बीच बहस में बदल गया। ट्रैफिक पुलिस ने एक वकील के पिता की बाइक का चालान किया तो वकीलों ने मौके पर खड़ी सीआईए (क्राइम इनवेस्टिगेशन एजेंसी) की एक गाड़ी की ओर इशारा कर दिया, जिस पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। इसके बाद वकीलों ने पुलिस से उसी गाड़ी का चालान करने को कहा। मौके पर काफी देर तक दोनों पक्षों में बहस होती रही और आखिरकार पुलिस को गाड़ी का भी चालान किया गया। पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है। मामले में वकीलों ने कहा कि पुलिस किसी की बात नहीं सुनती और सीधा चालान काट देती है। इसलिए जैसे को तैसा किया गया। उधर, वीडियो वायरल होने पर लोगों ने कहा कि ये ठीक हुआ है और यही ऑन द स्पॉट न्याय है। पहले पढ़िए वीडियो में क्या दिख रहा पुलिस की गाड़ी को घेरकर खड़े दिखे वकीलः वायरल वीडियो में जिला अदालत परिसर के बाहर कई वकील ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को घेरे नजर आ रहे हैं। वकील पास खड़ी पुलिस की गाड़ी की ओर इशारा करते हुए उस पर नंबर प्लेट नहीं होने की बात कहते दिखते हैं। इस दौरान पुलिसकर्मी गाड़ी के पास खड़े हैं और वकीलों से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। चालान काटने की मांग पर अड़े दिखे अधिवक्ताः वकील पुलिसकर्मियों से गाड़ी का चालान करने की मांग करते दिखाई दे रहे हैं। मौके पर दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बहस होती नजर आती है। आसपास लोगों की भीड़ भी जमा है। हालांकि, वीडियो में चालान कटने की पूरी प्रक्रिया या उसकी वजह स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देती। अब जानिए क्या है पूरा मामला नंबर प्लेट नहीं होने पर वकील के पिता की बाइक रोकी जिला अदालत परिसर के जस्टिस टावर के बाहर ट्रैफिक पुलिस वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान सीनियर एडवोकेट कुनाल बागड़ी के पिता की बाइक (एचआर 26 सीयू 9301) वहां पहुंची। पुलिस ने बाइक पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट नहीं होने की बात कहते हुए उसे रोक लिया और ऑनलाइन चालान कर दिया। वकील के पिता का 3500 का चालान काटा कुनाल के मुताबिक, बाइक की नंबर प्लेट जलभराव के दौरान निकल गई थी और नई नंबर प्लेट के लिए आवेदन किया हुआ था। उन्होंने पुलिसकर्मियों को इसकी जानकारी भी दी, लेकिन चालान कर दिया गया।

राशन वितरण में लापरवाही पर मंत्री नागर की चेतावनी

बोले-हर पात्र कार्डधारक को पूरा राशन देना होगा, बकाया की जानकारी बिल पर दर्ज करें

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के खाद्य मंत्री राजेश नागर ने सोमवार को डिपो होल्डरों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने प्रदेश में राशन वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पात्र लाभार्थियों को समय पर और पूरा राशन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता राशन वितरण में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करना है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रत्येक पात्र राशन कार्ड धारक को उसकी यूनिट के अनुसार पूरा राशन मिलना चाहिए। यदि किसी कारण से किसी लाभार्थी का राशन बकाया रह जाता है तो डिपो होल्डर को इसकी स्पष्ट जानकारी बिल पर दर्ज करनी होगी। इससे राशन कार्ड धारक को यह पता रहेगा कि उसका कितना राशन बाकी है। मंत्री ने राशन कार्ड धारकों से कहा कि यदि बकाया राशन 2 से 3 दिन के भीतर उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो संबंधित कार्यालय में शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने लाभार्थियों से अपील की कि राशन लेते समय वे अपने राशन की मात्रा की जांच जरूर करें। जब तक उन्हें पूरा राशन प्राप्त न हो जाए, तब तक रसीद पर हस्ताक्षर न करें। ट्रांसपोर्टर पैसे मांगे तो विभाग को बताएं राजेश नागर ने बताया कि सरकार की ओर से डिपो होल्डरों तक राशन पहुंचाने की व्यवस्था निशुल्क की जाती है। ऐसे में यदि कोई ट्रांसपोर्टर राशन पहुंचाने के बदले डिपो होल्डर से पैसे की मांग करता है तो इसकी तत्काल विभाग को सूचना दी जानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राशन पहुंचाने के नाम पर किसी भी तरह की अवैध वसूली स्वीकार नहीं की जाएगी। पारदर्शी व्यवस्था पर सरकार का जोर मंत्री ने डिपो होल्डरों से कहा कि राशन वितरण के दौरान सभी नियमों का पालन किया जाए और लाभार्थियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

गुरुग्राम में कमिश्नर ऑफिस के बाहर कांग्रेस का हंगामा

मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाने वाले 2 जिलाध्यक्ष लापता; राव नरेंद्र बोले- FIR कैंसिल हो

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में कांग्रेस के दो जिलाध्यक्षों के लापता होने के मामले में सोमवार को पुलिस कमिश्नर ऑफिस के बाहर जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष उदयभान समेत पार्टी के नेता और कार्यकर्ता यहां जुटे। कांग्रेस नेताओं ने पुलिस कमिश्नर शिबास कविराज को ज्ञापन सौंपा।

जिलाध्यक्ष वर्धन राव और पंकज डावर 4 दिन से लापता हैं। दोनों ने 21 अगस्त को मुख्यमंत्री नायब सैनी के काफिले को काले झंडे दिखाए थे।

पुलिस ने उन्हें हिरासत में भी लिया था। दोनों के लापता होने पर राव नरेंद्र सिंह ने पुलिस से सवाल किए। पुलिस का कहना है कि दोनों एक मामले में आरोपी हैं और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने ऐसा कौन सा अपराध कर दिया था, जिसके लिए उनके साथ इस तरह की कार्रवाई की गई। युवकों को पकड़कर उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। उन्होंने मांग की कि दर्ज ऋक्षक्षरद्द की जाए और जिन पुलिसकर्मियों ने युवकों के साथ मारपीट की, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। राव नरेंद्र सिंह ने चेतावनी दी कि अगर मांगें नहीं मानी गईं तो कांग्रेस पूरे प्रदेश में प्रदर्शन करेगी। 1. युवाओं में भाजपा के खिलाफ नाराजगी प्रदर्शन के बाद राव नरेंद्र सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि 21 अगस्त को मुख्यमंत्री नायब सैनी एक कार्यक्रम में शामिल होने गुरुग्राम आए थे। पूरे देश में युवाओं में भाजपा के खिलाफ नाराजगी है। इसी वजह से गुरुग्राम में ठरवक और कांग्रेस से जुड़े युवाओं ने प्रदर्शन किया था। इसके बाद उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया। 2. पुलिस के वर्दी फाड़ने के आरोप झूठे राव ने कहा कि पुलिस ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की वर्दी फाड़ दी।

फरीदाबाद में कोर्ट मैरिज से भड़के लड़की के परिजन

फरीदाबाद। के सेक्टर-23 में स्थित संजय कॉलोनी में युवक-युवती के घर से चले जाने और कोर्ट मैरिज करने की बात से नाराज युवती के परिजनों ने युवक के घर पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में 3 महिलाओं समेत 7 लोग घायल हो गए। सभी घायलों का बीके अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूचना मिलने पर गौंछी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार संजय कॉलोनी निवासी 20 वर्षीय जीतू 19 अगस्त को कॉलोनी में रहने वाली 21 वर्षीय युवती को लेकर घर से चला गया था। युवती के परिजनों का कहना है कि दोनों ने कोर्ट में शादी कर ली है। हालांकि, शादी के बाद दोनों अभी तक अपने-अपने घर वापस नहीं आए हैं। दोनों के घर से चले जाने के बाद युवती के परिजन नाराज थे। इसी बात को लेकर वे युवक के घर पहुंचे और वहां विवाद के बाद लाठी-डंडों से हमला कर दिया। आरोप है कि हमले में घर में मौजूद कई लोगों को चोटें आईं। महिला समेत कई लोग घायल हमले में कोमल, मुरारी, रोहताश, सतबीर और सचिन समेत 7 लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए बीके अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद दोनों परिवारों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। दोनों परिवार एक-दूसरे के आसपास ही रहते हैं। युवक के चाचा ने बताया, दोनों उनके साथ नहीं हैं घायल मुरारी ने बताया कि युवती के परिजन रात के समय उनके घर पहुंचे थे। उन्होंने उन्हें बताया कि वे दोनों उनके साथ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दोनों के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। इसके बावजूद युवती के परिजनों ने उनके घर पर हमला कर दिया। युवती अभी पढ़ाई कर रही है पुलिस के अनुसार युवती अभी पढ़ाई कर रही है। दोनों परिवार एक ही कॉलोनी में आसपास रहते हैं। युवक-युवती के घर से चले जाने के बाद शुरू हुए विवाद में अब मारपीट का मामला सामने आया है। घायल परिवार ने पुलिस को दी शिकायत पुलिस कर्मचारी सुनील कुमार ने बताया कि घायल परिवार की ओर से शिका यत दी गई है। घायलों का अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है।

फरीदाबाद में एक्सपोर्ट कारोबारियों के घर ED की रेड

फर्जी इनवॉयस से ITC लेने का आरोप, दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जुटा रही टीम

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने सोमवार को फरीदाबाद समेत 3 शहरों में रेड की। ईडी के लखनऊ जोनल कार्यालय की टीमों ने फरीदाबाद, उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर और गाजियाबाद में कुल 9 ठिकानों पर कार्रवाई की। यह कार्रवाही मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (PMLA), 2002 के तहत की गई है। फरीदाबाद में सेक्टर-15 और सेक्टर-8 स्थित एक्सपोर्ट कारोबारियों के घरों पर भी ईडी की टीम पहुंची। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सेक्टर-15 के एक मकान नंबर 972 में रहने वाले नमन अग्रवाल, सेक्टर 8 के मकान नंबर 389 में रहने वाले विनोद अग्रवाल के घर पर छामेमारी की गई है। हालांकि, ईडी की ओर से इन घरों से बरामदगी या कार्रवाई की अलग-अलग जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। ईडी की जांच मेसर्स जंबूद्वीप एक्सपोर्ट्स एंड इम्पोर्ट्स लिमिटेड से जुड़े कथित फर्जी आईटीसी नेटवर्क को लेकर है। एजेंसी के मुताबिक, फर्जी इनवॉयस और ई-वे बिल तैयार कर बिना वास्तविक माल की आवाजाही के आईटीसी हासिल करने और उसे आगे दूसरी इकाइयों को पास करने का आरोप है। 9.63 करोड़ का आईटीसी गलत तरीके से लेने का आरोप जांच में जीएसटी अधिकारियों के स्तर पर 9.63 करोड़ रुपए के आईटीसी का कथित तौर पर गलत तरीके से लाभ लेने की बात सामने आई है। वहीं, 10.28 करोड़ रुपए के आईटीसी को आगे पास किए जाने की भी जानकारी जांच एजेंसी ने दी है। ईडी के अनुसार इससे सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचा।

गुरुग्राम में हाई-सिक्योरिटी वाले एंबियंस मॉल के शोरूम में चोरी 6.24 लाख की 4 लग्जरी घड़ियां चोरी

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। के सबसे बड़े और बेहद सुरक्षित माने जाने वाले ह्यएंबियंस मॉलह्ण के शोरूम से इंपोर्टेड विदेशी घड़ियां चोरी करने का मामला सामने आया है। फर्स्ट फ्लोर पर स्थित प्रसिद्ध ह्यटाइटन स्टोरह्ण से शातिर चोरों ने सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए करीब 6.24 लाख रुपए मूल्य की 4 बेहद कीमती विदेशी घड़ियां चोरी कर ली। चौंकाने वाली बात यह है कि इस चोरी को एक सुनियोजित गिरोह ने अंजाम दिया है, जिसमें महिलाएं भी शामिल हो सकती हैं। स्टोर के मैनेजर कमलजीत सिंह ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि स्टोर में करीब 12 व्यक्ति काम करते हैं। हमारा स्टोर प्रतिदिन सुबह 10.30 बजे खुलता है और शाम को करीब 10.30 बजे बंद होता है। जो हमने पाया की हमारे स्टोर से 4 घड़ियों की कमी पाई गई। चोरी हुई घड़ियों मे ग्री'ङ्क मॉडल ररल्ठ155ख1 की घड़ी जिसकी कीमत 2.70 लाख रुपए है, ग्री'ङ्क मॉडल ररल्ठ179ख1 की घड़ी जिसकी कीमत 2.30 लाख रुपए, फङ्गी१ मॉडल फ्ट996983417520ह की घड़ी जिसकी कीमत 81 हजार 800 रुपए और उी११४३ मॉडल CECIWG00096502ह की घड़ी जिसकी कीमत 42 हजार 999 रुपए थी। मैनेजर ने बताया कि स्टोर में लगे कैमरे चेक किए तो 2 अगस्त को स्टोर से समय करीब शाम 5.20 से साढे 6 के बीच 2 व्यक्ति और उनके साथ एक महिला स्टोर से 2 घड़ी Romaer मॉडल फ्ट996983417520ह और उी११४३ मॉडल CECIWG00096502ह चोरी करके ले जाते हुए दिख रहे है। इसके बाद 22 अगस्त को भी कुछ व्यक्ति और उनके साथ महिला स्टोर से शाम के करीब 8.25 से 08.43 के बीच फङ्गी१ मॉडल फ्ट996983417520ह और उी११४३ मॉडल CECIWG00096502ह चोरी करके ले जाते हुए दिख रहे है। चोरी हुई घड़ियों की कुल कीमत 6 लाख 24 हजार 799 रुपए थी। पुलिस जांच कर रही फिलहाल डीएलएफ फेस 3 थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

यादव कल्याण परिषद किसान सेल के अध्यक्ष बने राव मानसिंह

गुरुग्राम के किसानों की समस्याएं उठाएंगे, समाज को दिया जन्माष्टमी का निमंत्रण

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में यादव कल्याण परिषद ने राव मान सिंह को अपनी किसान सेल कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने और उनके हितों की आवाज को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है। परिषद अध्यक्ष मोरध्वज यादव और समस्त कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया। परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि राव मान सिंह को किसानों से जुड़े मुद्दों, उनकी समस्याओं और उनके समाधान के लिए किए गए प्रयासों के आधार पर इस जिम्मेदारी के लिए उपयुक्त पाया गया। परिषद का मानना है कि यह किसान सेल किसान वर्ग से संबंधित विषयों को संबंधित विभागों और प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मनोनयन पर किसानों ने जताया हर्ष राव मान सिंह के मनोनयन पर किसान समूह से जुड़े रामवीर, पार्षद विनय यादव, पार्षद सुरेंद्र, बाबू सरपंच सतीश यादव, प्रगतिशील किसान प्रहलाद यादव और सब्जी रत्न अवार्डी चांद सिंह इछापुरी सहित कई किसानों और सामाजिक कार्यकताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस किसान सेल के माध्यम से क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को संगठित तरीके से उठाया जा सकेगा और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जा सकेंगे। नवनियुक्त किसान सेल अध्यक्ष राव मान सिंह ने यादव कल्याण परिषद के अध्यक्ष मोरध्वज यादव और समस्त कार्यकारिणी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि परिषद द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का वे पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाना और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों एवं विभागों से समन्वय स्थापित करना शामिल होगा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया इस बीच, राव मान सिंह ने यादव समाज सहित सभी लोगों को आगामी 4 सितंबर को जन्माष्टमी समारोह में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया। यह समारोह गुरुग्राम के सेक्टर-10ए स्थित कृष्ण मंदिर परिसर में पूरे दिन आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि पूर्व सांसद डॉ. सुधा यादव इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगी। राव मानसिंह ने समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में समारोह में पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव में सहभागी बनने का आह्वान किया। समारोह को लेकर समाज के लोगों में उत्साह देखा जा रहा है।

गुरुग्राम के फेमस रेस्टोरेंट में सैंडविच में रेंगता दिखा कीड़ा

गुरुग्राम। गुरुग्राम में वन होराइजन सेंटर स्थित मशहूर पाउल रेस्टोरेंट में सैंडविच के अंदर जिंदा कीड़ा मिलने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला सामने आने के बाद रेस्टोरेंट की ओर से युवक से संपर्क कर माफी मांगी गई और जांच कराने की बात कही गई है। इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करने वाले सुलभ माथुर के अनुसार, वह शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे दोस्तों के साथ ब्रेकफास्ट करने पाउल पहुंचे थे। उन्होंने छह-सात अलग-अलग डिश मंगवाई थीं। जिंदा कीड़ा रेंगता दिखाई दिया आरोप है कि आधा सैंडविच खाने के बाद उसमें सफेद रंग का जिंदा कीड़ा रेंगता दिखाई दिया। इससे टेबल पर मौजूद लोग दंग रह गए। रेस्टोरेंट के जवाब को सामान्य बताया माथुर ने रविवार को एक और पोस्ट में रेस्टोरेंट के जवाब को सामान्य और तैयार जवाब जैसा बताया। उन्होंने दावा किया कि कई लोगों ने पाउल के अन्य आउटलेट्स से जुड़े ऐसे अनुभव भी साझा किए है

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति : 108-SRDEE-G-DLI-2026-27 ओल्ड दिल्ली स्टेशन पर वॉशिंग कम पिट लाइन (03 संख्या) में 48 V पिट लाइट और कैटवॉक लाइट लगाने का काम और उससे जुड़े अन्य कार्य।	
निविदा की अनुमानित लागत : रु. 1,04,45,600.00/-	
कार्यालय का पता : वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य, डीआरएम कार्यालय, दिल्ली मंडल, उत्तरी रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055	
बयाना राशि : रु. 2,08,900.00/-	
निविदा निवेदन की दिनांक व समय : 15.09.2026, 13.00 बजे	
निविदा खोलने की दिनांक व समय : 15.09.2026, 13.00 बजे	
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड : www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, नई दिल्ली	

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2936/2026

उत्तर रेलवे

E-TENDER NOTICE

वरि. मं. वि. इंजी./ई.एम.यू./गाजियाबाद भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली ई–निविदायें आमंत्रित करते हैं:

1	निविदा सं.	RT1-232-Elect-EMU-WC-08-25-26
2	कार्य का विवरण एवं स्थान	ईएमयू कार शेड, गाजियाबाद में 4/8 पहिया टावर वैगन के हाइड्रोलिक लिफ्टिंग प्लेटफॉर्म की पूर्ण विद्युत एवं यांत्रिक ओवरहॉलिंग (मरम्मत, जाँच और आवश्यक पुर्जो के नवीनीकरण) का कार्य 03 वर्षो की अवधि के लिए।
3	निविदा दस्तावेज की कीमत	NIL
4	कार्य की अनुमानित लागत	Rs. 82,63,665.55 inclusive of GST
5	धरोहर राशि	Rs. 1,65,300.00 (payment mode available on IREPS website)
6	कार्य पूरा करने की अवधि	36 Months
7	ऑफर की अवधि	60 days
8	निविदा विज्ञापन की तिथि (only on IREPS website)	22.08.2026 12:50 Hrs.
9	निविदा जमा करने की तिथि (only on IREPS website)	31.08.2026
10	निविदा समापन की तिथि एवं समय	14.09.2026 15:00 Hrs.
11	निविदा खुलने की तिथि एवं समय (तत्काल जब निविदा जमा करने का काल समाप्त हो जाए)	14.09.2026 15:00 Hrs.

Note 1: All participant Tenderer/Tenderers will submit their requisite documents along with their tender offer. "No post tender correspondence for submission of additional document shall be entertained after opening of the technical & commercial offer.. Even suo-moto post tender letters of the tenders shall be treated as null & void". **Note 2**: Duplicate documents should not be enclosed/up loaded. निविदा सुचना website **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
RT1-232-Elect-EMU-WC-08-25-26 Date: 22.08.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2931/26

सम्पादकीय

तपते शहर, जलता भविष्य

भारतीय शहरों में पड़ रही भीषण गर्मी अब महज एक मौसम संबंधी घटना नहीं बल्कि जलवायु न्याय का मुद्दा बन गई है। लू को अक्सर एक क्षणिक जलवायु घटना माना जाता है, लेकिन लू के असमान प्रभाव आवास, आय, रोजगार, पानी और बिजली की उपलब्धता और भीषण गर्मी से बचने की क्षमता में व्याप्त असमानताओं से गहराई से जुड़े हुए हैं। अमीर लोग वातानुकूलित इमारतों में शरण ले सकते हैं, जबकि लाखों शहरी गरीबों को काम, स्कूल और घर जाने के लिए दिन की भीषण गर्मी सहनी पड़ती है। दिल्ली में हाल ही में दर्ज की गई भीषण गर्मी, जिसमें सुंदर नगरी का सतही तापमान 54 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया, इस असमान वास्तविकता को दर्शाती है। दुनिया के अन्य हिस्सों के विपरीत, जलवायु परिवर्तन शहरी डिजाइन और विकास प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है, जिससे भारतीय शहर अधिक गर्म हो रहे हैं। वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण भीषण गर्मी की घटनाएं बढ़ रही हैं, इनकी अवधि लंबी हो रही है और तीव्रता भी बढ़ रही है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर, शहरीकरण शहरी ऊष्मा द्वीप (यूएचआई) प्रभाव के माध्यम से तापमान को और बढ़ा सकता है। दिन के दौरान, कंक्रीट, डामर और अन्य निर्मित सतहें सूर्य से ऊष्मा अवशोषित करती हैं और धीरे-धीरे इसे छोड़ती हैं, जिससे रात के बाद आस-पड़ोस गर्म हो जाते हैं। शहरों के अनियोजित और तीव्र विकास ने प्राकृतिक शीतलन क्षेत्रों को ऊष्मा धारण करने वाले बुनियादी ढांचे से प्रतिस्थापित कर दिया है। वनस्पति की कमी से स्थिति और भी बिगड़ जाती है। पेड़ और हरे-भरे स्थान तापमान को नियंत्रित करते हैं और वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को छाया प्रदान करते हैं। ये गर्मी से बचाव के सबसे प्रभावी प्राकृतिक अवरोधों में से एक हैं, जो धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं, खासकर ऊंची इमारतों वाले और गरीब इलाकों में। इमारतों की घनी आबादी भी वायु प्रवाह को बाधित कर सकती है, जिससे इमारतों के बीच गर्म हवा जमा हो सकती है। शहरी गर्मी का अन्याय असमान रूप से प्रभावित होता है, और इसके अनुकूलन की क्षमता भी असमान होती है। गरीब लोग अक्सर अनौपचारिक बस्तियों में या खराब ढंग से बने घरों में रहते हैं, जिनमें हवा का आवागमन कम होता है, इन्सुलेशन सीमित होता है और छत टिन की होती है। दिन के सबसे गर्म समय में ये घर बाहर के तापमान से कहीं अधिक गर्म हो सकते हैं। भीड़भाड़ वाले कमरों में, जहां बिजली की आपूर्ति अनियमित होती है और एयर कंडीशनर या पंखे का लंबे समय तक उपयोग करने की क्षमता न होती है, गर्मी का सामना करना विशेष रूप से खतरनाक होता है। ऐसे में कई परिवारों के लिए घर ही शरणस्थल बन जाता है। असुरक्षा का एक अन्य पहलू व्यवसाय है। अनौपचारिक क्षेत्र के कई श्रमिक, जैसे कि सड़क विक्रेता, निर्माण श्रमिक, सफाईकर्मी, डिलीवरी कर्मी, यातायात पुलिसकर्मी, घरेलू कामगार आदि, दिन के सबसे गर्म घंटों में काम करने से बच नहीं पाते हैं। औपचारिक कर्मचारियों के विपरीत, इनमें से कई को उपस्थिति या उत्पादकता और/या बिक्री के आधार पर वेतन मिलता है। स्वास्थ्य कारणों से छुट्टी लेने पर आय का नुकसान हो सकता है। गर्मी से उत्पादकता में कमी, ग्राहकों की संख्या में गिरावट, खराब होने वाली वस्तुओं की बबार्दी और शारीरिक थकान भी होती है। परिणामस्वरूप, यह गर्मी कम आय और पानी, बिजली और स्वास्थ्य देखभाल के बढ़ते खर्चों के दुष्चक्र को जन्म दे सकती है। स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव भी एक जैसे नहीं होते। लंबे समय तक उच्च तापमान के लक्षणों में निर्जलीकरण, सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी और अनिद्रा शामिल हैं। बुजुर्ग, पहले से ही कमजोर लोग और छोटे बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। हालांकि, शहरी क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल, स्वच्छ पानी और शीतलन की सुविधा मिलने की संभावना कम होती है। रात में खराब नींद के दीर्घकालिक प्रभाव भी हो सकते हैं, क्योंकि इससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है, खासकर गर्म जलवायु में जहां घरों में पर्याप्त शीतलन की व्यवस्था नहीं होती, और जो भीड़भाड़ वाले होते हैं और रात में बंद नहीं किए जा सकते। गर्मी से संबंधित संवेदनशीलता केवल मौसम स्टेशन पर दर्ज किए गए उच्चतम तापमान का मामला नहीं है; इसमें गर्मी के संपर्क में रहने की अवधि और गर्मी के प्रभावों को कम करने के लिए संसाधनों की उपलब्धता भी शामिल हो सकती है। भारतीय शहरों को लू से निपटने की सामान्य रणनीतियों से हटकर शहरी नियोजन के लिए लू-प्रतिरोधी और सामाजिक रूप से समावेशी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

महर्षि विश्वामित्र का श्रीराम से सिद्धाश्रम का पूर्व वृत्तांत बताना तथा पूजित होना

डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता

दिव्यास्त्रों का ज्ञान प्राप्त करके श्रीराम ने चलते-चलते ही महामुनि विश्वामित्र से मधुर वाणी में पूछा। भगवन्! सामने वाले पर्वत के पास ही जो यह मेघों की घटा के समान सघन वृक्षों से परिपूर्ण स्थान दिखाई देता है क्या है? उसके विषय में जानने के लिए मेरे मन में बड़ी तीव्र उत्कण्ठा हो रही है। दर्शनीयं मृगाकीर्णं मनोहरमतीव च। नानाप्रकारैः शकुनैर्वल्गुभाषैरलंकृतम्।। वाल्मीकि रामायण बालकाण्ड सर्ग २८-१८ यह दर्शनीय स्थान मृगों के झुण्ड से भरा हुआ होने के कारण अत्यन्त मनोहर प्रतीत होता है। अनेक प्रकार के पक्षी अपनी मधुर शब्दावली से इस स्थान की शोभा में वृद्धि करते हैं। मुनिश्रेष्ठ! इस प्रदेश की इस सुखमयी स्थिति से यह जान पड़ता है कि अब हम लोग उस रोमांचकारी दुर्गम ताटकावन से बाहर निकल आए हैं। भगवन! मुझे सब कुछ बताइए। यह किसका आश्रम है? महामुने! जहाँ आपकी यज्ञ क्रिया हो रही है, जहाँ वे पापी, दुराचारी, ब्रह्महत्यारे, दुरात्मा, राक्षस आपके यज्ञ में विघ्न उत्पन्न करने आया करते हैं और जहाँ मुझे यज्ञ की रक्षा तथा राक्षसों के वध का कार्य करना है, उस आश्रम का कौन सा देश है? मुनिश्रेष्ठ! यह सब मैं सुनना चाहता हूँ। श्रीराम का वचन सुनकर महातेजस्वी विश्वामित्र जी ने उनके प्रश्न का उत्तर देना आरम्भ किया। श्रीराम! पूर्वकाल में यहाँ भगवान विष्णु ने बहुत वर्षों एवं सौ युगों तक तपस्या के लिए निवास किया था। उन्होंने यहाँ बहुत बड़ी तपस्या की थी। यह स्थान महात्मा वामन का वामन अवतार धारण करने के उद्यत हुए श्रीविष्णु का आश्रम ग्रहण से पूर्व आश्रम था। सिद्धाश्रम इति ख्यातः सिद्धो ह्यत्र महातपाः। एतस्मिन्नेव काले तु राजा वैरोचनिर्बलिः।। निर्जित्य दैवतगणान् सेन्द्रान् सहमरुद्गणान्। कारयामास तद्राज्यं त्रिषु लोकेषु विश्रुतः।। वाल्मीकिरामायण बालकाण्ड सर्ग २९-४, ५ इसकी सिद्धाश्रम के नाम से प्रसिद्धी थी क्योंकि यहाँ महातपस्वी विष्णु को सिद्धि प्राप्त हुई थी। जब वे तपस्या करते थे, उसी समय विरोचनकुमार राजा बलि ने इन्द्र और मरुद्गणों सहित समस्त देवताओं को पराजित करके उनका राज्य अपने अधिकार में कर लिया था। वे तीनों लोकों में विख्यात हो गए थे। उन महाबली असुरराज ने एक यज्ञ का आयोजन किया। उधर बलि यज्ञ में लगे हुए थे, उधर अग्नि आदि देवता स्वयं इस आश्रम में पधारकर भगवान-विष्णु से बोले- सर्वव्यापी परमेश्वर! बलि एक उत्तम यज्ञ का अनुष्ठान कर रहे हैं। उनको यह यज्ञ सम्बन्धी नियम पूर्ण होने से पहले ही हमें अपना कार्य सिद्ध कर लेना चाहिए। इस समय जो याचक इधर-उधर से आकर उनके यहाँ याचना के लिए उपस्थित होते हैं, वे गो, भूमि और सुवर्ण आदि सम्पत्तियों से जिस वस्तु को लेना चाहते हैं, उनको वे समस्त वस्तुएँ राजा बलि यथावत रूप से अर्पित करते हैं। स त्वं सुरहितार्थाय मायायोगमुपाश्रितः। वामनत्वं गतो विष्णो कुरु कल्याणमुत्तमम्।। वाल्मीकिरामायण बालकाण्ड सर्ग २९-९ अतः विष्णो! आप देवताओं के हित के लिए अपनी योगमाया का आश्रय ले वामन रूप धारण करके उस यज्ञ में जाइये और हमारा उत्तम कल्याण कीजिए। श्रीराम! इसी समय अग्नि के समान तेजस्वी महर्षि कश्यप जी धर्मपत्नी अदिति के साथ अपने तेज से प्रकाशित होते हुए वहाँ आए। वे एक सहस्त्र दिव्य वर्षों तक चालू रहने वाले महान व्रत को अदिति के साथ ही समाप्त करके आए थे। उन्होंने वरदायक भगवान मधुसूदन की स्तुति की- भगवन्! आप तपोमय है। तपस्या की राशि है। तप आपका ही स्वरूप है। आप ज्ञानस्वरूप है। मैं भलिभाँति, तपस्या करके उसके प्रभाव से आपका पुरुषोत्तमजी का दर्शन कर रहा हूँ। मैं आपकी शरण में आया हूँ। कश्यपजी के सारे पापों को दूर कर दिया। भगवान श्रीहरि ने अत्यन्त प्रसन्न होकर उनसे कहा- महर्षे! तुम्हारा कल्याण हो। तुम अपनी इच्छा के अनुसार कोई वर माँगों क्योंकि तुम मेरे विचार से वर पाने के लिए योग्य हो। भगवान का यह वचन सुनकर मरीचिनन्दन कश्यप ने कहा- परमेश्वर! सम्पूर्ण देवताओं की अदिति की तथा मेरी भी आपसे एक ही बात के लिए बारम्बार याचना है। आप अत्यन्त प्रसन्न होकर मुझे यह एक ही वरदान प्रदान करें।

स्कूल में पढ़ाई या बाहरी दखल?

ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, सरकारी विद्यालय एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक संस्थान हो सकता है, विशेष रूप से सामुदायिक केंद्र के रूप में। सार्वजनिक महत्व का अर्थ सार्वजनिक पहुंच नहीं है। व्यापक अर्थ में, समुदाय में विद्यालय भी शामिल होता है, लेकिन विद्यालय को प्रतिदिन अपने छात्रों की शिक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। इसलिए, किसी को भी इस आधार पर कक्षाओं में जाने, शिक्षकों को बाधित करने या शैक्षणिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करने की छूट नहीं होनी चाहिए कि विद्यालय एक सार्वजनिक भवन है। अनाधिकृत प्रवेश से सीखने की प्रक्रिया पर कई तरह से असर पड़ सकता है। अगर कोई कक्षा में घुसकर शिक्षकों से अनावश्यक बातचीत करता है, छात्रों से बिना अनुमति के संपर्क करता है, या कोई निजी मुद्दा या समस्या स्कूल के माहौल में लाता है, तो इससे पढ़ाई में बाधा आ सकती है। छात्र ध्यान भटकने लगते हैं, शिक्षकों का ध्यान भंग होता है और अनुशासन भंग होता है। अगर ऐसा परीक्षाओं, स्कूल के कार्यक्रमों और अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियों के दौरान होता है, तो इसके और भी गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

डॉ. प्रियंका सौरभ
(लेखक)

विद्यालय महज कक्षाओं, इमारतों और चारदीवारी का समूह नहीं है। यह एक संवेदनशील संस्था है जहाँ समाज के भविष्य का निर्माण होता है। यह वह स्थान है जहाँ बच्चे बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और नैतिक रूप से विकसित होते हैं। इसलिए, सुरक्षा, अनुशासन और शांतिपूर्ण शैक्षणिक वातावरण बनाए रखना मात्र प्रशासनिक कर्तव्य नहीं है, बल्कि सार्थक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का एक अनिवार्य तत्व है। इस संदर्भ में, हांसी जिले के सरकारी स्कूलों में उपायुक्त राहुल नरवाल द्वारा बिना अनुमति के प्रवेश करने वाले या परिसर में अनाधिकृत रूप से प्रवेश करने वाले किसी भी व्यक्ति पर रोक लगाने के निर्देश उल्लेखनीय हैं। ये निर्देश एक ऐसे बिंदु पर बल देते हैं जिसे अक्सर भुला दिया जाता हैः स्कूल एक सीखने का स्थान होना चाहिए, न कि अनावश्यक अशांति, व्यवधान और सुरक्षा समस्याओं से ग्रस्त स्थान। विद्यालय समुदाय आधारित संस्थान होते हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, सरकारी विद्यालय एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक संस्थान हो सकता है, विशेष रूप से सामुदायिक केंद्र के रूप में। सार्वजनिक महत्व का अर्थ सार्वजनिक पहुंच नहीं है। व्यापक अर्थ में, समुदाय में विद्यालय भी शामिल होता है, लेकिन विद्यालय को प्रतिदिन अपने छात्रों की शिक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। इसलिए, किसी को भी इस आधार पर कक्षाओं में जाने, शिक्षकों को बाधित करने या शैक्षणिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करने की छूट नहीं होनी चाहिए कि विद्यालय एक सार्वजनिक भवन है। अनाधिकृत प्रवेश से सीखने की प्रक्रिया पर कई तरह से असर पड़ सकता है। अगर कोई कक्षा में घुसकर शिक्षकों से अनावश्यक बातचीत करता है, छात्रों से बिना अनुमति के संपर्क करता है, या कोई निजी मुद्दा या समस्या स्कूल के माहौल में लाता है, तो इससे पढ़ाई में बाधा आ सकती है। छात्र ध्यान भटकने लगते हैं, शिक्षकों का ध्यान भंग होता है और अनुशासन भंग होता है। अगर ऐसा परीक्षाओं, स्कूल के कार्यक्रमों और अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियों के दौरान होता है, तो इसके और भी गंभीर परिणाम हो सकते हैं। यह सिर्फ अनुशासन से जुड़ी समस्या नहीं है। आज के समय में, विद्यालय सुरक्षा का मुद्दा बहुआयामी है। बेहतर प्रवेश नियंत्रण बाच्चों की सुरक्षा, कर्मचारियों की सुरक्षा, महत्वपूर्ण फाइलों और डिजिटल हार्डवेयर की सुरक्षा के साथ-साथ अप्रिय घटनाओं से बचाव से भी जुड़ा है। स्कूल परिसर में अनाधिकृत प्रवेश, चाहे वह वयस्कों द्वारा हो या बच्चों द्वारा, गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए, आगंतुकों का रिकॉर्ड रखना, आगंतुकों के इरादे को समझना और उचित अनुमति प्राप्त करना संस्थागत सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हांसी प्रशासन के निदेशों की दिलचस्प बात यह है कि इनका उद्देश्य स्कूलों को समाज से अलग करना नहीं है। इसके बजाय, वे प्रवेश के लिए उचित अनुमति और वैध उद्देश्य की आवश्यकता पर जोर देते हैं। माता-पिता, शिक्षा अधिकारी, निरीक्षण दल और अन्य अधिकृत व्यक्तियों के स्कूलों में जाने के पीछे निश्चित रूप से अच्छे कारण होंगे। बच्चों की प्रगति में सहयोग के लिए माता-पिता और स्कूलों को एक-दूसरे के साथ रचनात्मक रूप से संवाद करना चाहिए। हालांकि, यह संवाद ऐसी प्रणाली के माध्यम से होना चाहिए जो कक्षा शिक्षण में बाधा न डाले। अभिभावकों के लिए मिलने का समय निर्धारित किया जा सकता है और स्कूलों में आगंतुकों का रजिस्टर और स्कूल अधिकारियों या शिक्षकों से मिलने के समय के बारे में स्पष्ट नीति हो सकती है। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि किसी भी वास्तविक चिंता का समाधान गोपनीयता और सम्मानपूर्वक किया जाए और शैक्षणिक दिनचर्या बाधित न हो। इसका उद्देश्य स्कूल को समुदाय से अलग करना नहीं है, बल्कि स्कूल/समुदाय के बीच आपसी संवाद के लिए एक अनुशासित और जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करना है। एक अन्य समस्या यह है कि प्रभावशाली लोग कभी-कभी विद्यालयों पर दबाव डालते हैं। किसी भी शैक्षणिक संस्थान के कामकाज पर राजनीतिक, सामाजिक या व्यक्तिगत प्रभाव का असर नहीं पड़ना चाहिए। कई बार लोगों को निजी मामलों को सुलझाने, शिक्षकों को डराने-धमकाने या प्रशासनिक मामलों में दखल देने के लिए विद्यालयों में लाया जाता है। ये गतिविधियाँ न केवल अनुशासन को नुकसान पहुँचाती हैं, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों की गरिमा और स्वतंत्रता को भी ठेस पहुँचाती हैं। प्रभावी शिक्षण तभी संभव है जब स्कूल के बाहर से कोई धमकी या अनावश्यक दबाव न हो। स्कूल एक ऐसा स्थान होना चाहिए जहाँ संघर्ष या प्रभाव प्रदर्शन की अनुमति न हो। इसलिए, शिक्षा की गुणवत्ता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों और स्कूल प्रशासकों को इस तरह के हस्तक्षेप से बचाना महत्वपूर्ण है। लेकिन सख्त आदेश इस समस्या का समाधान नहीं हो सकते। विद्यालयों में इन निदेशों को लागू करने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक व्यवस्था होनी चाहिए। सभी संस्थानों के लिए आगंतुकों का रजिस्टर रखना और उनके आने का कारण दर्ज करना महत्वपूर्ण है। आगंतुकों से केवल संबंधित अधिकारी की जानकारी में ही शिक्षक या छात्र मिल सकते हैं और प्रवेश की निगरानी की जानी चाहिए, खासकर जब बच्चे विद्यालय में हों। बड़े विद्यालयों में, यदि संभव हो, तो सुरक्षा कर्मचारियों, निर्धारित प्रवेश द्वार और प्रवेश बिंदुओं तथा उपयुक्त निगरानी प्रणालियों के बारे में भी विचार किया जा सकता है।

स्मार्ट बेबी मॉनिटर के दौर में कहीं खो न जाए बचपन

लेकिन वह क्यों रो रहा है, यह समझने के लिए क्या किसी एल्गोरिद्म से अधिक जरूरी मां की गोद, पिता का स्पर्श, दादी की अनुभवी नजर या नानी की वह सहज समझ नहीं है, जो बिना किसी सेंसर के बच्चे की आवाज से उसकी परेशानी पहचान लेती थी? यही वह प्रश्न है जिस पर आज के माता-पिता और पूरे समाज को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। एक दशक पहले तक भी भारतीय परिवारों में बच्चों की परवरिश केवल माता-पिता की जिम्मेदारी नहीं हुआ करती थी। दादा-दादी, नाना-नानी और परिवार के दूसरे बुजुर्ग बच्चे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। बच्चा रात में रोता था तो दादी बिना घड़ी देखे उठ जाती थी। बच्चे के माथे पर हाथ रखकर तापमान का अंदाजा लगा लेती थी। रोने के अंदाज से पहचान लेती थीं कि बच्चा भूखा है, पेट में दर्द है, नींद आ रही है या केवल गोद चाहता है। नानी की लोरी में कोई वैज्ञानिक एल्गोरिद्म नहीं था, लेकिन उसमें भावनात्मक सुरक्षा थी। दादा की उंगली पकड़कर चलने में कोई आधुनिक सेंसर नहीं था, लेकिन उसमें आत्मविश्वास था। मां की गोद में कोई डिजिटल ट्रैकिंग नहीं थी, लेकिन उसमें बच्चे के लिए दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह थी। आज परिवार छोटे हो गए हैं।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

धन की प्रचुरता इंसान को भौतिक सुविधाओं की कई बंदिशों से मुक्त कर देती है। बेहतर घर, बेहतर शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, अत्याधुनिक तकनीक और जीवन को आसान बनाने वाले तमाम संसाधन धनवान व्यक्ति के लिए उपलब्ध होते हैं। लेकिन यही प्रचुरता कभी-कभी इंसान को ऐसी अप्रत्यक्ष बेड़ियों में भी जकड़ देती है, जिनका अहसास उसे बहुत देर से होता है। आज बच्चों की परवरिश इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनती दिखाई दे रही है। आधुनिक माता-पिता अपने बच्चों की सुरक्षा और सुविधा को लेकर पहले से कहीं अधिक सजग हैं। बच्चे कब सोए, कितनी देर सोए, कितनी बार करवट बदली, कब रोया, कितनी देर रोया, कमरे का तापमान कितना है, इन सबकी जानकारी अब स्मार्ट उपकरणों के जरिए हासिल की जा सकती है। स्मार्ट बेबी मॉनिटर सिस्टम धीरे-धीरे आधुनिक परिवारों का हिस्सा बन रहे हैं। तकनीक निश्चित रूप से उपयोगी है। वह माता-पिता को दूर रहकर भी बच्चे पर नजर रखने की सुविधा देती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या बच्चे को केवल देख लेना ही उसे समझ लेना है? बच्चा रो रहा है, यह मशीन बता सकती है। लेकिन वह क्यों रो रहा है, यह समझने के लिए क्या किसी एल्गोरिद्म से अधिक जरूरी मां की गोद, पिता का स्पर्श, दादी की अनुभवी नजर या नानी की वह सहज समझ नहीं है, जो बिना किसी सेंसर के बच्चे की आवाज से उसकी परेशानी पहचान लेती थी? यही वह प्रश्न है जिस पर आज के माता-पिता और पूरे समाज को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। एक दशक पहले तक भी भारतीय परिवारों में बच्चों की परवरिश केवल माता-पिता की जिम्मेदारी नहीं हुआ करती थी। दादा-दादी, नाना-नानी और परिवार के दूसरे बुजुर्ग बच्चे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। बच्चा रात में रोता था तो दादी बिना घड़ी देखे उठ जाती थी। बच्चे के माथे पर हाथ रखकर तापमान का अंदाजा लगा लेती थी। रोने के अंदाज से पहचान लेती थीं कि बच्चा भूखा है, पेट में दर्द है, नींद आ रही है या केवल गोद चाहता है। नानी की लोरी में कोई वैज्ञानिक एल्गोरिद्म नहीं था, लेकिन उसमें भावनात्मक सुरक्षा थी। दादा की उंगली पकड़कर चलने में कोई आधुनिक सेंसर नहीं था, लेकिन उसमें आत्मविश्वास था। मां की गोद में कोई डिजिटल ट्रैकिंग नहीं थी, लेकिन उसमें बच्चे के लिए दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह थी। आज परिवार छोटे हो गए हैं। नौकरी, महानगरीय जीवन, व्यस्तता और बदलती पारिवारिक संरचना ने बच्चों को बुजुर्गों के सहज सान्निध्य से दूर किया है। उस खाली जगह को भरने के लिए तकनीक तेजी से आगे आई है। अब बच्चे की निगरानी इंसानी आंखों से ज्यादा कैमरे कर रहे हैं और बच्चे की गतिविधियों को समझने का प्रयास अनुभव से ज्यादा डेटा के माध्यम से किया जा रहा है। स्मार्ट बेबी मॉनिटर निश्चित रूप से उपयोगी उपकरण हैं। वे नींद, गतिविधि, आवाज और कई अन्य संकेतों की निगरानी कर सकते हैं। कामकाजी माता-पिता के लिए यह सुविधा विशेष रूप से उपयोगी हो सकती है। लेकिन तकनीक की सबसे बड़ी सीमा यही है कि वह भावनाओं की पूरी भाषा नहीं समझ सकती है। बच्चे के रोने की आवाज रिकॉर्ड की जा सकती है, लेकिन उसके भीतर छिपी बेचैनी का पूरा अर्थ मशीन कैसे समझेगी? बच्चा चुप है, इसका अर्थ यह नहीं कि वह खुश है। बच्चा खेल रहा है, इसका अर्थ यह नहीं कि वह भावनात्मक रूप से सुरक्षित है। बच्चा सो रहा है, इसका अर्थ यह भी नहीं कि उसके मन में कोई डर नहीं है। बचपन केवल गतिविधियों का संग्रह नहीं है। यह भावनाओं, रिश्तों, स्पर्श, संवाद, जिज्ञासा, सुरक्षा और विश्वास से निर्मित होता है। मशीन बच्चे की गतिविधि पकड़ सकती है, लेकिन परिवार ही उसकी भावना पकड़ सकता है। अक्सर यह महसूस किया जाता है कि आज की पीढ़ी के बच्चे पहले की तुलना में अधिक तेज, जिज्ञासु और तकनीक-समझ रखने वाले हैं। वे छोटी उम्र में स्मार्टफोन, टैबलेट, कंप्यूटर और दूसरी डिजिटल तकनीकों का इस्तेमाल करना सीख जाते हैं। कई बच्चे ऐसी चीजें समझ लेते हैं जिनसे पिछली पीढ़ी का परिचय काफी बाद में हुआ था। कभी-कभी लगता है कि आज का बच्चा ज्ञान और तकनीकी समझ में आइंस्टीन और न्यूटन को चुनौती देने की क्षमता लेकर पैदा हुआ है। लेकिन इसी तस्वीर का दूसरा पक्ष भी है। बौद्धिक क्षमता और भावनात्मक परिपक्वता एक ही चीज नहीं हैं। बच्चा बहुत कुछ जान सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि वह अपनी भावनाओं को समझता भी हो। वह मशीन चला सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि वह किसी दुखी व्यक्ति को सांत्वना देना जानता हो। वह हजारों वीडियो देख सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि उसे दादा की कहानी सुनने का धैर्य हो। वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सवाल पूछ सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि वह अपने माता-पिता से मन की बात कहने में सहज हो। यहीं आधुनिक पालन-पोषण की सबसे बड़ी चुनौती सामने आती है। हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित रहे। इसमें कोई बुराई नहीं है। बल्कि यह माता-पिता का स्वाभाविक दायित्व है। समस्या तब शुरू होती है जब सुरक्षा की चिंता बच्चे की स्वतंत्रता को निगलने लगती है। हर समय निगरानी, हर गतिविधि पर नजर, हर व्यवहार का विश्लेषण और हर जोखिम से बच्चे को बचाने का प्रयास धीरे-धीरे उसे जीवन के वास्तविक अनुभवों से दूर कर सकता है। बचपन में गिरना भी सीखने का हिस्सा है। गलती करना भी सीखने का हिस्सा है। कभी हार जाना भी व्यक्तित्व निर्माण का हिस्सा है। हर समस्या से बच्चे को बचा लेना उसे मजबूत नहीं बनाता। कई बार उसे समस्या का सामना करने की क्षमता से वंचित कर देता है। जिस बच्चे को हर समय किसी न किसी सुरक्षा घेरे में रखा जाता है, वह बड़ा होकर स्वतंत्र निर्णय लेने में कठिनाई महसूस कर सकता है।

क्यों नहीं पढ़ रहे हैं? रुचि नहीं या हालात ने रोक दी राह, 8 .7 करोड़ युवाओं की कहानी में छिपे हैं कई सवाल

कांतिलाल मांडोत

भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। ऐसे में युवाओं की शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास केवल सामाजिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश के आर्थिक भविष्य से जुड़ा सवाल है। नीति आयोग की नई रिपोर्ट ह्यरीइमैजिनिंग स्किलिंग फॉर विकसित भारत @2047ह्न में सामने आया आंकड़ा इसी चिंता को गहरा करता है। रिपोर्ट के मुताबिक 15 से 29 वर्ष की उम्र के करीब 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न नौकरी में हैं और न ही किसी तरह की ट्रेनिंग ले रहे हैं। यह संख्या रिपोर्ट में शामिल कुल आबादी का करीब 11 प्रतिशत है। हालांकि इसमें नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को शामिल नहीं किया गया है। इस आंकड़े को केवल बेरोजगारी के नजरिए से देखना आसान है, लेकिन इसके पीछे की वास्तविकता कहीं अधिक जटिल है। सवाल यह नहीं है कि 8.7 करोड़ युवा पढ़ाई क्यों नहीं कर रहे या नौकरी से क्यों दूर हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या वे पढ़ना ही नहीं चाहते, या उनके सामने ऐसी परिस्थितियां हैं जिनके कारण पढ़ाई जारी रखना संभव नहीं है? क्या परिवार उन्हें शिक्षा दिलाने में रुचि नहीं रखते, या आर्थिक और सामाजिक मजबूरियां उन्हें कम उम्र में ही दूसरी जिम्मेदारियों की ओर धकेल देती हैं? इन सवालों का जवाब खोजे बिना भारत के कौशल विकास और विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करना मुश्किल होगा। रिपोर्ट के मुताबिक इस समूह के करीब 88 प्रतिशत लोग घरेलू कामों में लगे हैं। इसका अर्थ यह नहीं लगाया जा सकता कि ये युवा कोई काम नहीं कर रहे। खासकर घरों में जिम्मेदारियां निभाने वाले युवाओं का श्रम अक्सर औपचारिक अर्थव्यवस्था के आंकड़ों में दिखाई नहीं देता। खाना बनाना, छोटे भाई-बहनों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, घर के दूसरे काम और परिवार की जिम्मेदारियां निभाना भी काम है, लेकिन इसके बदले उन्हें न वेतन मिलता है और न ही रोजगार का अनुभव प्रमाणित होता है। यही कारण है कि ऐसे युवाओं की स्थिति को केवल ह्यकाम नहीं करने वालेह्न वर्ग के रूप में देखना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा। इस तस्वीर में महिलाओं की स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। घरेलू जिम्मेदारियां, सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन की कमी, रोजगार के अवसरों तक सीमित पहुंच और सामाजिक अपेक्षाएं युवतियों की शिक्षा तथा रोजगार के रास्ते में बड़ी बाधाएं बन सकती हैं। कई परिवारों में लड़कों की पढ़ाई को भविष्य में कमाई से जोड़कर देखा जाता है, जबकि लड़कियों से घरेलू जिम्मेदारियां संभालने की अपेक्षा की जाती है। परिणाम यह होता है कि पढ़ाई बीच में छूट जाती है और कौशल प्रशिक्षण का अवसर भी नहीं मिल पाता। लेकिन समस्या केवल लड़कियों तक सीमित नहीं है। गरीब और निम्न आय वाले परिवारों में लड़कों के सामने भी पढ़ाई छोड़कर कमाने की मजबूरी हो सकती है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर हो तो किशोर या युवा से उम्मीद की जाती है कि वह दुकान, कारखाने, खेत, निर्माण स्थल या किसी छोटे व्यवसाय में हाथ बंटाए। ऐसे में पढ़ाई परिवार के लिए तत्काल जरूरत के सामने पीछे चली जाती है। परिवार यह सोच सकता है कि आज की कमाई ज्यादा जरूरी है, जबकि शिक्षा का लाभ कई साल बाद मिलेगा। यही सोच अनेक युवाओं को औपचारिक शिक्षा से दूर कर देती है। यह भी मानना गलत होगा कि हर युवा पढ़ाई से इसलिए दूर है क्योंकि उसकी पढ़ाई में रुचि नहीं है। शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी परेशानियां भी इसके पीछे हो सकती हैं। किसी विद्यार्थी को विषय कठिन लग सकता है, स्कूल या कॉलेज की दूरी अधिक हो सकती है, पढ़ाई का खर्च परिवार की क्षमता से बाहर हो सकता है या उसे पढ़ाई के बाद रोजगार मिलने का भरोसा न हो। यदि किसी युवा को यह दिखाई देता है कि उसके आसपास पढ़े-लिखे लोग भी नौकरी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो उसके मन में शिक्षा की उपयोगिता को लेकर सवाल पैदा होना स्वाभाविक है। माता-पिता की भूमिका भी यहां निर्णायक है। कई परिवार शिक्षा का महत्व समझते हैं, लेकिन आर्थिक परिस्थितियों के कारण बच्चों को लगातार पढ़ा नहीं पाते। दूसरी ओर कुछ परिवारों में शिक्षा को लेकर जागरूकता की कमी भी हो सकती है। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में अभिभावकों को यह जानकारी नहीं होती कि सामान्य शिक्षा के साथ कौन-कौन से कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध हैं और उनसे रोजगार के कौन से रास्ते खुल सकते हैं।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 25 अगस्त , 2026

राहुल गांधी ने देश की विरासत का किया अपमान : योगी आदित्यनाथ

-मुख्यमंत्री योगी ने अवध के नायकों को दी श्रद्धांजलि, राना बेनी माधव बख्श सिंह सभागार का लोकार्पण किया, डाक टिकट किया जारी

प्रात : किरण संवाददाता

रायबरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रायबरेली में राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हमारी विरासत का अपमान कर रहे हैं और युवाओं को गलत दिशा में ले जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सोमवार को रायबरेली में राना बेनी माधव बख़्स सिंह की 222वीं जयंती के अवसर पर आयोजित भाव समर्पण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राहुल गांधी से देश

अब कोई अपेक्षा नहीं करता लेकिन नेता प्रतिपक्ष के नाते उनकी कोई जिम्मेदारी है। बावजूद इसके वह यूपी के बाहर प्रदेश का अपमान करते हैं। देश के बाहर देश का अपमान करते हैं। उनको अपनी विरासत को अपमानित करने का कोई हक नहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राहुल को शतपथ ब्राम्हण और मत्स्य पुराण पढ़नी चाहिए। ताकि उनको समझ आ जाए कि हमारे ग्रंथ व विरासत में क्या है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायबरेली में केवल एक परिवार के नाम पर संस्थाओं के नामकरण हुए। शहीदों को भुला दिया गया। अब प्रदेश सरकार अपने शहीदों, नायकों को याद कर रही है। उन्होंने अयोध्या में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के दावत पर तंज कसते हुए कहा कि यह सनातन का अपमान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें अपनी विरासत को पहचानना होगा। उस पर गर्व करने की जरूरत है। ताकि हम अपनी समृद्ध परंपरा और इतिहास को जान सकें। योगी आदित्यनाथ ने इसके पहले 25 करोड़ की लागत से बने सभागार का लोकार्पण किया व शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने डाक विभाग द्वारा राना बेनी माधव सिंह पर जारी विशेष आवरण को जारी किया। राना बेनी माधव सिंह स्मारक समिति द्वारा अवध केसरी का विमोचन भी मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, मंत्री राकेश सचान, मंत्री मनोज पांडे, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह, विधायक अदिति सिंह, अशोक कोरी, एमएलसी उमेश द्विवेदी, अवनीश सिंह सहित भाजपा पदाधिकारी व नेता मौजूद रहे। इसके बाद रायबरेली के फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज मैदान में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रायबरेली के विकास के लिए 879 करोड़ रुपये से अधिक की 346 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इसमें वह 624 करोड़ रुपये की 185 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे, जबकि 277 करोड़ रुपये की 162 नई परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। मुख्यमंत्री रायबरेली में सपेरा समुदाय व अन्य आवास विहीन 60 से अधिक परिवारों को आवासीय पट्टे का आवंटन पत्र लाभार्थियों को सौंपेंगे। इसके साथ ही अन्य योजनाओं के लाभार्थियों के खाते मे 19 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का अंतरण भी करेंगे। मुख्यमंत्री इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी आयुष्मान कार्ड, लैपटॉप, स्वीकृति पत्र व चाबी आदि प्रदान करेंगे।

स्कॉर्पियो सवारों ने स्कूल बस रोककर की मारपीट, बस में तोड़फोड़, छात्राओं से बदसलूकी

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। लंका थाना क्षेत्र में बीएचयू के छित्तूपुर गेट के पास स्कॉर्पियो सवार लोगों पर स्कूल बस रोककर मारपीट, तोड़फोड़ और छात्राओं से बदसलूकी करने का आरोप लगा है। घटना में बस के शीशे टूटने से चार से पांच छात्राएं घायल हो गईं। आरोप है कि हमलावरों ने पिस्टल दिखाकर बस के कंडक्टर को जबरन अपनी गाड़ी में बैठाया और मोबाइल छीनकर जान से मारने की धमकी दी। मामले में कंडक्टर की तहरीर पर पुलिस ने अपहरण, रंगदारी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, गोपी राधा बालिका इंटर कॉलेज की बस 14 अगस्त की दोपहर करीब डेढ़ बजे लगभग 40 छात्राओं को विद्यालय छोड़कर लौट रही थी। बस छित्तूपुर गेट के पास पहुंची, तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो से बस की रगड़ हो गई। इसके बाद स्कॉर्पियो सवार लोगों ने बस को रोक लिया। बस में की तोड़फोड़, छात्राएं घायल कंडक्टर सतीश यादव की तहरीर के मुताबिक, स्कॉर्पियो सवार चालक और राजवीर सिंह ने बस चालक रविशंकर राय और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इसी दौरान बस में तोड़फोड़ करते हुए शीशे तोड़ दिए गए। टूटे शीशे की चपेट में आने से चार-पांच छात्राएं घायल हो गईं। अचानक हुई घटना से छात्राओं में दहशत फैल गई। पिस्टल दिखाकर मोबाइल छीनने का आरोप तहरीर में आरोप लगाया गया है कि हमलावर कंडक्टर सतीश यादव को जबरन स्कॉर्पियो में बैठाकर ले गए। पिस्टल दिखाकर उनका मोबाइल फोन भी छीन लिया गया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। आरोपियों के विद्यालय परिसर तक पहुंचने और वहां स्टाफ के साथ गाली-गलौज करने की बात भी तहरीर में कही गई है।

संक्षिप्त खबरें

संगीता सिंह होंगी मुरादाबाद की नई मंडलायुक्त

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार ने रविवार देर रात्रि 17 आईएएस अधिकारियों के कार्य स्थलों में बदलाव कर दिया। अलीगढ़ की मंडल आयुक्त संगीता सिंह को मुरादाबाद का मंडल आयुक्त बनाया गया है वही सदस्य न्यायिक राजस्व परिषद प्रयागराज ओमप्रकाश आर्य को अलीगढ़ का नया मंडल आयुक्त बनाया गया है। मुरादाबाद के मंडल आयुक्त के पद पर तैनात रहे आंजनेय कुमार सिंह सिक्किम काडर के अधिकारी हैं। बीती 14 अगस्त को उत्तर प्रदेश उनकी प्रति नियुक्ति की अवधि समाप्त हो गई थी इसके साथ ही उनके प्रतिनियुक्ति बढाए जाने को लेकर लग रहे सभी कयासों पर रविवार रात्रि विराम लग गया। बीते वर्ष 14 अगस्त के बाद सातवीं बार उनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि एक वर्ष के लिए बढी थी। आंजनेय कुमार सिंह वर्ष 2005 के सिक्किम कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। सिक्किम कैडर से उत्तर प्रदेश में उन्हें 5 वर्ष की प्रतिनियुक्ति पर लाया गया था। प्रदेश में प्रतिनियुक्ति पर आने के बाद वह जनपद फतेहपुर, बुलंदशहर, रामपुर जनपद के डीएम रहे। रामपुर जिलाधिकारी के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2020 में पहली बार उनकी प्रतिनियुक्ति 1 साल के लिए बढ़ी थी। वर्ष 2021 में दूसरी बार फिर एक वर्ष के लिए उनकी प्रतिनियुक्ति बढाई गई थी। 6 मार्च 2021 में वह मुरादाबाद के मंडल आयुक्त बनकर आए। साल 2022 में तीसरी बार और साल 2023 में चौथी बार उनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि बढ़ाई गई थी। वर्ष 2024 में दो बार छह-छह माह के लिए उनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि बढ़ाई गई थी। साल 2025 में सातवीं बार उनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि 1 वर्ष के लिए 14 अगस्त 2026 तक बढ़ाई गई थी। बीती 14 अगस्त को वह अपना कार्यभार जिलाधिकारी को सौंप कर छुट्टी पर चले गए थे। इसके बाद आंजनेय कुमार सिंह की प्रति नियुक्ति आठवीं बार बढ़ाए जाने को लेकर गली-गली कयास लगाए जा रहे थे। रविवार रात्रि उत्तर प्रदेश में 17 आईएएस अधिकारियों की ट्रांसफर लिस्ट जारी होने के बाद इन कयासों पर विराम लग गया।

पुलिस मुठभेड़ में घायल सहित तीन बदमाश गिरफ्तार

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के थाना अखण्डनगर क्षेत्रांतर्गत चेकिंग के दौरान स्थानीय पुलिस एवं बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ मे गोली लगने से एक आरोपित घायल हो गया। घायल सहित कुल तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार किये गए है। उनके पास से चोरी के लाखों रुपये की कीमत के आभूषण, 01 अदद तमंचा, 01 अदद खोखा कारतूस, 01 अदद जिंदा कारतूस एवं 01 मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने सोमवार को बताया कि थाना अखण्डनगर क्षेत्रांतर्गत बीती रात चेकिंग के दौरान स्थानीय पुलिस एवं बदमाशों के बीच मुठभेड़ में गोली लगने से आरोपित विपिन निषाद पुत्र रामदेव निषाद निवासी दामोदरपुर थाना कादीपुर घायल हो गया। उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा नागेंद्र उर्फ बबलू पुत्र लालता प्रसाद निवासी मझगवां थाना कादीपुर एवं नीरज पुत्र आशा निवासी अलीपुर कांपा थाना अखंडनगर को गिरफ्तार किया गया है। घायल आरोपित विपिन कुमार पर थाना कादीपुर में पास्को एक्ट सहित कुल 10 आपराधिक मुकदमे दर्ज है। नागेन्द्र कुमार पर जौनपुर एवम सुल्तानपुर में कुल चार आपराधिक मुकदमे दर्ज है।

वाराणसी : श्रेया हत्याकांड का आरोपी मुठभेड़ में घायल

वाराणसी। एमएससी छात्रा श्रेया उपाध्याय हत्याकांड में वांछित आरोपी मऊ निवासी पुनीत मिश्रा को राजातालाब पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को पुलिस ने तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान पुनीत मिश्रा के कब्जे से 315 बोर का एक असलहा, कारतूस और खोखे बरामद किए गए हैं। पुलिस टीम की कार्रवाई के दौरान स्पलेंडर बाइक पर सवार एक अन्य आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहा। उसकी तलाश में पुलिस टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि श्रेया की हत्या की वारदात को अंजाम देने में पुनीत मिश्रा की अहम भूमिका थी। आरोप है कि उसने वारदात में अपने साथियों को शामिल करने के लिए उन्हें पैसों का लालच दिया था। पुलिस अब फरार आरोपी की पहचान और भूमिका की जांच करने के साथ ही हत्या में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। जांच टीम पुनीत से पूछताछ के आधार पर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हत्या की साजिश में कितने लोग शामिल थे और वारदात के पीछे क्या वजह थी। पुलिस बरामद असलहे और कारतूस की भी जांच कर रही है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर दबिश जारी है।

बिठूर से डाक कांवड़ लेकर भारेश्वर महादेव पहुंचे असेवा के युवा

-भरेह में यमुना-चंबल संगम पर गूंजा हर-हर महादेव का जयघोष, सावन के चौथे सोमवार को चढ़ाया जल

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में सदर ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत असेवा के युवाओं ने सावन के चौथे सोमवार को आस्था और भक्ति का अनूठा परिचय दिया। युवाओं ने बिठूर से डाक कांवड़ यात्रा शुरू की और कांवड़ में पवित्र

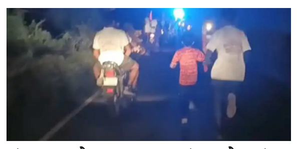

गंगाजल लेकर यमुना-चंबल के संगम तथा दुर्गम बीहड़ क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध भारेश्वर महादेव मंदिर, भरेह पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इस दौरान मंदिर परिसर में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। युवाओं ने बताया कि बिठूर से कांवड़ में जल लेकर पैदल यात्रा करते हुए भरेह पहुंचना उनके लिए बेहद श्रद्धा और उत्साह का विषय रहा। कठिन रास्तों और बीहड़ क्षेत्र की दुर्गम परिस्थितियों के बावजूद युवाओं के कदम नहीं रुके। सावन के चौथे सोमवार की पावन बेला में भारेश्वर महादेव पर जल चढ़ाने के बाद सभी ने भगवान शिव से परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। युवाओं ने कहा कि डाक कांवड़ यात्रा के दौरान रास्ते में शिवभक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। भरेह पहुंचने के बाद यमुना और चंबल नदियों के संगम का मनोहारी दृश्य तथा बीहड़ के बीच स्थित प्राचीन भारेश्वर महादेव मंदिर का वातावरण श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। यहां पहुंचकर ऐसा लगा मानो प्रकृति और भक्ति का अद्भुत संगम हो रहा हो। सावन के चौथे सोमवार को मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचे। असेवा के युवाओं की डाक कांवड़ यात्रा भी क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही।

वाराणसी में घट रहा गंगा का जलस्तर, दो सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गिरावट, तटवर्ती इलाकों में निगरानी

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। गंगा के जलस्तर में लगातार गिरावट शुरू होने से तटवर्ती इलाकों के लोगों ने राहत की सांस ली है। सोमवार सुबह गंगा का जलस्तर 68.67 मीटर दर्ज किया गया। जलस्तर करीब दो सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से घट रहा है। बीते दिनों जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण चेतावनी बिंदु के करीब पहुंच गया था, जिससे बाढ़ की आशंका बढ़ गई थी। जलस्तर बढ़ने से गंगा के अधिकांश घाट जलमग्न हो गए थे। घाटों की सीढ़ियां डूबने के कारण श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर गंगा

में नौका संचालन भी बंद कर दिया गया है। कई स्थानों पर नियमित धार्मिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। गंगा किनारे होने वाली आरती अब छतों पर की जा रही है। जलस्तर बढ़ने का असर शवदाह स्थलों पर भी पड़ा है। घाटों के डूबने के कारण कई स्थानों पर छतों और आसपास की गलियों में शवदाह की स्थिति बनी हुई है। इससे स्थानीय लोगों और अंतिम संस्कार के लिए पहुंचने वाले परिजनों को परेशानी हो रही है। हालांकि अब जलस्तर में गिरावट आने से तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को कुछ राहत मिली है। प्रशासन की ओर से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। संभावित बाढ़ से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने राहत और बचाव से संबंधित तैयारियां पहले ही पूरी कर ली हैं। संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाने के साथ आवश्यक संसाधनों और राहत व्यवस्था को तैयार रखा गया है। वाराणसी में घट रहा गंगा का जलस्तर प्रशासन का कहना है कि जलस्तर में होने वाले उतार-चढ़ाव पर लगातार नजर रखी जा रही है। तटवर्ती क्षेत्रों के लोगों से भी सतर्क रहने और प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

वाराणसी में बारिश का दौर जारी, अगले तीन-चार दिन अच्छी बारिश के आसार, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। मानसून काशी में सक्रिय है। रविवार को शहर के कई इलाकों में डेढ़ घंटे के भीतर 44.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अचानक हुई तेज बारिश से कई प्रमुख मार्गों पर जलभराव हो गया और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। सोमवार को भी

आसमान में बादल छाए हैं। मौसम विभाग की ओर से बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। अगले तीन-चार दिन अच्छी बारिश के आसार हैं। बारिश के कारण मार्गों पर पानी भर गया। सड़क पर जलभराव के बीच वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी हुई। कई स्थानों पर लोग पानी के बीच से गुजरते नजर आए। हालांकि, बारिश के बाद तापमान में गिरावट से लोगों को उमस से कुछ राहत मिली। रविवार सुबह करीब पौने चार बजे तेज बारिश शुरू हुई, जिससे उमस और गर्मी बढ़ने के बाद मौसम अचानक बदल गया। अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार बारिश के दौरान हवा की गति करीब 20 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची। इसके साथ ही 80 फीसदी तक आर्द्रता दर्ज की गई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले तीन-चार दिनों में अच्छी बारिश के आसार हैं। सोमवार के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों को बारिश के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है। प्रशासन की ओर से भी जलभराव वाले इलाकों पर नजर रखी जा रही है। मौसम में बदलाव के साथ शहरवासियों को आने वाले दिनों में बारिश का दौर जारी रहने की उम्मीद है।

हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ श्रद्धालुओं पर बरसी गुलाब की पंखुड़ियां, सावन के अंतिम सोमवार को नमामि गंगे ने किया शिवभक्तों का स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को बाबा श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए काशी पहुंचने वाले शिवभक्तों का नमामि गंगे की ओर से पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। देश के विभिन्न हिस्सों से आए श्रद्धालुओं की लंबी कतार के बीच गुलाब की पंखुड़ियां बरसाए जाने से माहौल भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भी इस अभिनंदन का उत्साह के साथ स्वागत किया। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक एवं नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य शिवभक्तों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सद्भाव का संदेश देना रहा। टीम के सदस्यों ने काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए कतार में खड़े श्रद्धालुओं पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान

श्रद्धालुओं को सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलिथीन के इस्तेमाल से बचने के लिए जागरूक किया गया। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लोगों के बीच कपड़े के झोलों का वितरण भी किया गया। टीम ने श्रद्धालुओं से अपील की कि काशी की स्वच्छता और गंगा की निर्मलता बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बाजार से सामान खरीदते समय प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर कपड़े के थैलों का इस्तेमाल करने का भी आह्वान किया गया। राजेश शुक्ला ने कहा कि श्रावण के अंतिम सोमवार को काशी में उमड़े शिवभक्त भक्ति, समर्पण, एकता और सद्भाव का संदेश दे रहे हैं। देश के अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों से आए श्रद्धालु अपनी विविधताओं को पीछे छोड़ बाबा विश्वनाथ की भक्ति में एकाकार नजर आए। उन्होंने कहा कि काशी की धरती से सामाजिक और राष्ट्रीय एकता का यह संदेश पूरे देश तक पहुंचता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से गंगा घाटों को स्वच्छ रखने, पूजा सामग्री अथवा अन्य कचरा नदी में न डालने और प्लास्टिक का प्रयोग कम करने की अपील की। नमामि गंगे टीम ने लोगों को समझाया कि धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी निभाना भी जरूरी है। कार्यक्रम में राजेश शुक्ला के साथ उमंग अग्रवाल, दीप मेहरोत्रा, राहुल दुबे, समर्पित पाण्डेय, अनीश शुक्ला, सक्षम उपाध्याय और आकाश तिवारी सहित नमामि गंगे के अन्य सदस्य मौजूद रहे। पुष्पवर्षा और जागरूकता अभियान के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला।

पति की पिटाई से आहत पत्नी ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मकड़ीखेड़ा के चेतन्य विहार में अंगूठी गिरवी रखने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। इसके बाद पत्नी ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। गंभीर हालत में उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे

मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू की मकड़ीखेड़ा निवासी ऋतिक वर्मा नॉनवेज का ठेला लगाने का काम करता है। वह पत्नी अल्का वर्मा (27) के साथ किराए के मकान में रह रहा था। ऋतिक के मुताबिक, दोनों ने करीब चार साल पहले प्रेम विवाह किया था। बाद में परिवार वालों ने दोनों को अलग कर दिया था, जिसके बाद दोनों मकड़ीखेड़ा में रहने लगे। 22 अगस्त को अल्का ने अपनी अंगूठी करीब 17 हजार रुपये में गिरवी रख दी थी। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। देर रात भी दोनों के बीच इसी मुद्दे पर कहासुनी हुई। आरोप है कि विवाद के दौरान ऋतिक ने अल्का को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद देर रात अल्का ने जहरीला पदार्थ निगल लिया।

जनता दर्शन: मुख्यमंत्री योगी ने महिला को गाय देने और दिव्यांग की भूमि से अवैध कब्जा हटाने का दिया निर्देश

-सीतापुर निवासी महिला ने मुख्यमंत्री से मांगी निराश्रित गाय, कहा- गोसेवा कर बनना चाहती हूं आत्मनिर्भर

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जनपद सीतापुर के गुरुदेव नगर हरगांव की रहने वाली पूनम देवी सोमवार को जनता दर्शन में मुख्यमंत्री से मिलीं और गोपालन की अभिलाषा बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल उनकी मांगों पर विचार करते हुए अपर मुख्य सचिव (पशुधन) को निर्देश दिया कि इन्हें निराश्रित गाय उपलब्ध कराई जाए और नियमानुसार योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाए। वहीं, एक दिव्यांग ने अवैध कब्जे की भी शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने जांच कराकर निराकरण का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री को दिए प्रार्थना पत्र में पूनम देवी ने लिखा कि वह गोपालन करके आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं। अभी उनके पास पांच गाय हैं और अन्य गोमाता को रखने के लिए पर्याप्त जगह भी है। ऐसे में उन्हें और भी गाय दिला दी जाए, जिससे वे दूध आदि की बिक्री कर परिवार को समृद्ध करेंगी। इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल अपर मुख्य सचिव (पशुधन) को निर्देश दिया कि इन्हें निराश्रित गाय उपलब्ध कराई जाए और मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत गोवंश की देखभाल के लिए आर्थिक सहायता भी दिलाई जाए। गो सेवा करो, बाधाएं और कष्ट मिटेंगे जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने एक-एक कर सभी का हालचाल जाना, फिर सभी की समस्याएं भी पूछीं। पूनम का प्रार्थना पत्र पढ़कर मुख्यमंत्री ने उनकी हौसलाअफजाई भी की। मुख्यमंत्री ने पूनम से कहा कि हम आपको सरकार की तरफ से नियमानुसार योजनाओं का लाभ दिलाएंगे। आप गोसेवा कीजिए क्योंकि गोमाता में 33 कोटि देवताओं का वास होता है। मुख्यमंत्री ने उनसे अनुभव साझा किया कि आप मन से गोसेवा करो, सारी बाधाएं और कष्ट दूर होंगे। पूनम ने भी श्रावण मास में इच्छा पूरी करने के लिए मुख्यमंत्री जी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। ‘जनता दर्शन’ में पहुंचे दिव्यांग ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनकी जमीन पर किसी ने कब्जा कर लिया है। इस पर मुख्यमंत्री ने जांच कराकर पीड़ित के यथासंभव मदद करने का आदेश दिया। इसके अतिरिक्त सीएम योगी ने प्रदेश के अन्य जनपदों से आए लोगों की समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण का भी निर्देश दिया।

पीआरवी कर्मियों की सूझबूझ से बची युवक की जान

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में कोतवाली औरैया क्षेत्र के ग्राम गाजीपुर में आत्महत्या के प्रयास की सूचना पर यूपी-112 की पीआरवी 8082 के कर्मियों ने तत्परता और सूझबूझ दिखाते हुए एक युवक की जान बचा ली। पुलिसकर्मियों की संवेदनशीलता से न केवल युवक को समय रहते उपचार मिल सका, बल्कि घबराए परिजनों को भी हिम्मत मिली। बीती रात सूचना मिलते ही पीआरवी 8082 के कर्मी बिना देर किए गांव गाजीपुर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि भूपेंद्र पुत्र दिलीप सिंह ने खुद को कमरे में बंद कर लिया है और फांसी लगाकर आत्महत्या करने की धमकी दे रहा है।

रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में बढ़ी रौनक, रंग-बिरंगी राखियों से सजी दुकानें

प्रात : किरण संवाददाता

जौनपुर। भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व को लेकर जौनपुर के बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है। शहर के प्रमुख बाजारों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक राखियों की दुकानें रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियों से सज गई हैं। पर्व को लेकर दुकानदारों ने विभिन्न डिजाइन और कीमतों की राखियों का पर्याप्त स्टॉक किया है। बाजार में हर वर्ग और बजट के अनुरूप राखियां उपलब्ध हैं। दुकानदार रमेश ने बताया कि मौली, रेशम और बड्स से बनी पारंपरिक राखियों के साथ मोती, स्टोन और फैंसी डिजाइन वाली राखियों की भी खूब मांग है। बच्चों को आकर्षित करने के लिए छोटा भीम, स्पाइडरमैन और विभिन्न सुपरहीरो थीम वाली राखियां दुकानों पर विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। पिछले कुछ वर्षों में भाभियों को रक्षा सूत्र बांधने का चलन भी बढ़ा है। इसे देखते हुए दुकानदारों ने गुजरात और कोलकाता से आकर्षक ‘लुंबा’ सेट मंगाए हैं। इनकी कीमत 100 रुपये से लेकर 1,000 रुपये तक है। महिलाओं में इन लुंबा सेट को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। राखियों के साथ पूजन सामग्री की बिक्री में भी तेजी आई है। पूजा की सजावटी थाली, रोली, चंदन, अक्षत और मौली की मांग बढ़ गई है।

सीएम योगी ने महिला को गाय देने और दिव्यांग की भूमि से अवैध कब्जा हटाने का दिया निर्देश

-सीतापुर निवासी महिला ने मुख्यमंत्री से मांगी निराश्रित गाय, कहा- गोसेवा कर बनना चाहती हूं आत्मनिर्भर

-मुख्यमंत्री ने अपर मुख्य सचिव (पशुधन) को तत्काल दिया निर्देश- निराश्रित गाय उपलब्ध कराएं और नियमानुसार योजनाओं का भी लाभ दिलाएं

-मुख्यमंत्री ने कहा- मन से गोसेवा करो, सारी बाधाएं और कष्ट दूर होंगे

-दिव्यांग ने की अपनी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत, मुख्यमंत्री ने जांच कराकर निराकरण का दिया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। सीतापुर के गुरुदेव नगर हरगांव की रहने वाली पूनम देवी ‘जनता दर्शन’ में मुख्यमंत्री से मिलीं और गोपालन की अभिलाषा बताई।

इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल उनकी मांगों पर विचार करते हुए अपर मुख्य सचिव (पशुधन) को निर्देश दिया कि इन्हें निराश्रित गाय उपलब्ध कराई जाए और नियमानुसार योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाए। वहीं एक दिव्यांग ने अवैध कब्जे की भी शिकायत की, जिस पर मुख्यमंत्री ने जांच कराकर निराकरण का निर्देश दिया। सीएम से बोलीं पूनम- आत्मनिर्भर बनना चाहती हूं, मुख्यमंत्री ने किया आश्वस्त- हरसंभव मदद करेंगे मुख्यमंत्री को दिए प्रार्थना पत्र में पूनम देवी ने लिखा कि वह गोपालन करके आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं। अभी उनके पास 5 गाय हैं और अन्य गोमाता को रखने के लिए पर्याप्त जगह भी है। ऐसे में उन्हें और भी गाय दिला दी जाएं, जिससे वे दूध आदि की बिक्री कर परिवार को समृद्ध करेंगी। इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल अपर मुख्य सचिव (पशुधन) को निर्देश दिया कि इन्हें निराश्रित गाय उपलब्ध कराई जाए और मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत गोवंश की देखभाल के लिए आर्थिक सहायता भी दिलाई जाए। गो सेवा करो, बाधाएं और कष्ट मिटेंगे ‘जनता दर्शन’ में मुख्यमंत्री ने एक-एक कर सभी का हालचाल जाना, फिर सभी की समस्याएं भी पूछीं। पूनम का प्रार्थना पत्र पढ़कर मुख्यमंत्री ने उनकी हौसलाअफजाई भी की। मुख्यमंत्री ने पूनम से कहा कि हम आपको सरकार की तरफ से नियमानुसार योजनाओं का लाभ दिलाएंगे। आप गोसेवा कीजिए क्योंकि गोमाता में 33 कोटि देवताओं का वास होता है। मुख्यमंत्री ने उनसे अनुभव साझा किया कि आप मन से गोसेवा करो, सारी बाधाएं और कष्ट दूर होंगे। पूनम ने भी श्रावण मास में इच्छा पूरी करने के लिए मुख्यमंत्री जी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। दिव्यांग ने की अवैध कब्जे की शिकायत, मुख्यमंत्री ने जांच कराकर निराकरण का दिया निर्देश ‘जनता दर्शन’ में पहुंचे दिव्यांग ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनकी जमीन पर किसी ने कब्जा कर लिया है। इस पर मुख्यमंत्री ने जांच कराकर पीड़ित के यथासंभव मदद करने का आदेश दिया। इसके अतिरिक्त सीएम योगी ने प्रदेश के अन्य जनपदों से आए लोगों की समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण का भी निर्देश दिया।

हनुमानगढ़ी में दर्शन कर मछली भोज करने वाले अजय राय भाई के हत्यारे माफिया के सामने हो गये थे नतमस्तक : योगी अदित्यनाथ

प्रात : किरण संवाददाता

रायबरेल। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिस माफिया ने उनके भाई की हत्या की, उसी के खिलाफ वह बयान देने तक नहीं गए और उसके सामने नतमस्तक हो गए। मुख्यमंत्री ने इसे अजय राय के पुराने आचरण से जोड़ते हुए कांग्रेस पर माफिया के सामने घुटने टेकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार नहीं आती तो ऐसे लोगों ने उत्तर प्रदेश को ‘माफिया प्रदेश’ बना दिया होता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ‘इनके भाई की हत्या एक माफिया ने की थी। ये व्यक्ति उस माफिया के खिलाफ बयान देने नहीं गया, बल्कि उसके सामने घुटने टेककर नतमस्तक हो गया। अपने भाई के हत्यारे के सामने घुटने टेक चुका था।’ योगी ने पूर्ववर्ती परिस्थितियों का जिक्र करते हुए कहा कि अगर उनकी सरकार नहीं आती तो प्रदेश में माफिया का दबदबा और बढ़ जाता। उन्होंने कहा, ‘सरकार आई, इस सरकार ने उसे रगड़कर उसकी भूसी निकाल दी। अन्यथा इन लोगों ने तो प्रदेश को माफिया प्रदेश बना दिया था।’ हनुमानगढ़ी दर्शन के बाद मछली भोज पर भी निशाना मुख्यमंत्री ने अजय राय के अयोध्या दौरे और हनुमानगढ़ी में दर्शन के बाद मछली भोज को लेकर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक तरफ राम और बजरंगबली के प्रति आस्था दिखाने का प्रयास किया जाता है और दूसरी तरफ ऐसा आचरण किया जाता है, जो उनके मुताबिक कांग्रेस के दोहरे चरित्र को उजागर करता है। योगी ने कहा, ‘अयोध्या में हनुमानगढ़ी के दर्शन करने जाते हैं और फिर मछली भोज की दावत उड़ाते हैं। ये राम-राम चिल्लाते हैं। बेशर्मी की भी सीमा होती है। किसने कहा था हनुमानगढ़ी जाने के लिए? मछली खानी थी तो अयोध्या के बाहर जाकर खा लेते।’ मुख्यमंत्री ने इसे कांग्रेस का ‘दोहरा आचरण’ बताते हुए कहा कि ऐसे लोगों को देखकर गिरगिट भी शरमा जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि हनुमानगढ़ी में दंडवत होकर आस्था का प्रदर्शन किया जाता है और उसके बाद बाहर जाकर मछली की दावत की जाती है। योगी आदित्यनाथ के हमले का केंद्र अजय राय का कथित पुराना माफिया कनेक्शन रहा। उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के भाई की हत्या का प्रसंग उठाते हुए सवाल खड़ा किया कि जो व्यक्ति अपने भाई के हत्यारे माफिया के खिलाफ खड़ा नहीं हो सका, वह आज किस नैतिक आधार पर सरकार और कानून-व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर धार्मिक आस्था को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया।

संक्षिप्त खबरें

स्वाइन फ्लू को लेकर यूपी में स्वास्थ्य विभाग अलर्ट: ब्रजेश पाठक

लखनऊ। प्रदेश में स्वाइन फ्लू के मामलों को देखते हुए उत्तर प्रदेश का स्वास्थ्य महकमा पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वाइन फ्लू की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश में निगरानी व्यवस्था और मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा महानिदेशक स्वास्थ्य को पत्र जारी कर स्वाइन फ्लू के मामलों की लगातार समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा है। इन संबंध में पत्र भी जारी कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रदेश के सभी जिलों में स्वाइन फ्लू से संबंधित मामलों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही अस्पतालों में आने वाले संदिग्ध एवं संक्रमित मरीजों की स्थिति की नियमित निगरानी और आवश्यकता के अनुसार तत्काल उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पतालों में उपलब्ध संसाधनों, जांच एवं उपचार संबंधी व्यवस्थाओं की भी लगातार समीक्षा की जाए। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विशेष रूप से गंभीर मरीजों की समय रहते पहचान और तत्काल चिकित्सकीय उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मरीजों की स्थिति बिगड़ने से पहले उनकी पहचान कर उन्हें आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि गंभीर परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने अस्पतालों में निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करने के साथ ही स्वाइन फ्लू से संबंधित मामलों की सूचना एवं फॉलोअप व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में स्थिति की नियमित समीक्षा करने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है।

आवासीय विद्यालयों की जांच में खुली व्यवस्थाओं की पोल

बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा मुख्यालय स्थित बीएल बाल विद्या मंदिर आवासीय विद्यालय में दो बच्चों की संदिग्ध हालत में मौत के बाद जिला प्रशासन ने जिले में संचालित आवासीय विद्यालयों की व्यवस्थाओं की जांच शुरू कर दी है। जिलाधिकारी बांदा के निर्देश पर जनपद एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों को अलग-अलग आवासीय विद्यालय आवंटित कर औचक निरीक्षण कराया गया। इसी क्रम में 24 अगस्त को अधिकारियों ने जिले के 11 निजी आवासीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई विद्यालयों में बच्चों की सुविधाओं, भोजन व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों में गंभीर कमियां सामने आईं हैं। जांच में दो विद्यालय आरबीएस मांटेसरी पब्लिक स्कूल, सर्वोदय नगर बांदा और चंद्रशेखर पब्लिक स्कूल, तिंदवारी रोड बांदा में आवासीय विद्यालय का संचालन ही नहीं पाया गया। वहीं तीन विद्यालयों स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल, सर्वोदय नगर बांदा, स्वामी रामकृष्ण परमहंस आवासीय विद्यालय, अतर्रा रोड बबेरू और स्वामी विवेकानंद आवासीय विद्यालय, अतर्रा रोड बबेरू में बेसिक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त होने के साथ आवासीय विद्यालय संचालित होते मिले।

डीएम की समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश

संस्थागत प्रसव व टीकाकरण की खराब प्रगति पर डीएम ने जताई नाराजगी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन समेत स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति, जनपद की रैंकिंग और पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित नहीं रहना चाहिए। नियमित टीकाकरण की प्रभावी मॉनिटरिंग नहीं किए जाने और अपेक्षित प्रगति न मिलने पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को टीकाकरण पर विशेष ध्यान देने और ब्लॉक रिस्पांस टीमों को सक्रिय कर साप्ताहिक रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा।बैठक में धनौरा और जोया ब्लॉक में संस्थागत प्रसव की संख्या में कमी पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित एमओआईसी और बीपीएम को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। लगातार खराब कार्य करने वाली आशा कार्यकर्ताओं के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई के भी निर्देश दिए गए। डीएम ने सभी नोडल अधिकारियों को अपने-अपने कार्यक्रमों की नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कम प्रगति वाले कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और जनपद की रैंकिंग बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की भी समीक्षा हुई। एचआईवी टेस्टिंग, सिफलिस स्क्रीनिंग, एआरटी लिंक और जागरूकता अभियानों की स्थिति की जानकारी लेते हुए डीएम ने जांच, परामर्श एवं जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। हाई रिस्क ग्रुप और संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित जांच व स्क्रीनिंग बढ़ाने तथा चिन्हित लोगों को समय से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। इसके अलावा आयुष्मान आरोग्य मंदिर, क्वालिटी एश्योरेंस, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम, आयुष्मान गोल्डन कार्ड, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, गैर संचारी रोग कार्यक्रम, मातृ स्वास्थ्य, कम्युनिटी प्रोसेस, टेली-कंसल्टेशन, आरबीएसके/आरकेएसके और वित्तीय समीक्षा समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा हुई।जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं समय से उपलब्ध कराने के लिए योजनाओं की लगातार समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर, सीएमएस डॉ. एके भंडारी सहित संबंधित अधिकारी और प्रभारी चिकित्साधिकारी मौजूद रहे।

पीडीए कांवड़ लेकर जोया पहुंचे बाबी भगत सिंह का किया गया स्वागत

जाहिद चेयरमैन समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय लोग रहे मौजूद

भाईचारा और सौहार्द ही समाज की असली ताकत: परवेज महबूब अली

प्रात : किरण संवाददाता

जोया। हिन्दू-मुस्लिम एकता और आपसी भाईचारे की मिसाल को कायम रखते हुए समाज में सद्भाव एवं प्रेम का संदेश देने की जरूरत है। सभी धर्मों के लोगों को एक-दूसरे के त्योहारों और धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। यह बात पूर्व सदस्य विधान परिषद (मुरादाबाद-बिजनौर) परवेज महबूब अली ने सोमवार को जोया में आयोजित स्वागत कार्यक्रम के दौरान कही। दरअसल, जोया में पूर्व चेयरमैन गन्ना समिति बाबी भगत सिंह द्वारा पीडीए कांवड़ लेकर पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत करते हुए आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परवेज महबूब अली ने कहा कि हमारे देश की खूबसूरती विभिन्न धर्मों, जातियों और समुदायों के लोगों के आपसी प्रेम और भाईचारे में है। उन्होंने कहा कि हमें मिल-जुलकर सभी धर्मों के त्योहार मनाने चाहिए और एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। इससे समाज में शांति, सौहार्द और एकता की भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य लोगों को आपस में जोड़ना और समाज में सकारात्मक संदेश देना होना चाहिए। आपसी सद्भाव बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और भाईचारे को मजबूत करने में अपना योगदान दें। स्वागत कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने भी हिन्दू-मुस्लिम एकता एवं सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने की बात कही। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोगों और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर जाहिद चेयरमैन, मुशाद अली, साजिद अली, नौशे अली, जमशेद हुसैन, धर्मेन्द्र प्रधान, कपिल चौधरी, वीरपाल सिंह, आफताब हुसैन, जितेन्द्र सिंह, वीरेन्द्र प्रधान सहित अनेक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ने गौशाला को दान किया चोकर और गुड़

बेजुबान पशुओं की सेवा करना भी पुण्य का कार्य : डॉ. मनोज वर्मा

बॉक्स: डॉ. मनोज वर्मा ने पशुओं की सुविधाओं के लिए दिए 5100 रुपये, ईओ विजेंद्र सिंह पाल ने रोटरी क्लब का जताया आभार

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। रोटरी क्लब स्योहारा संपूर्ण के तत्वावधान में सोमवार को नगर पालिका की देखरेख में संचालित गौशाला में गायों की सेवा के लिए 19 कट्टे चोकर और दो कुंतल गुड़ दान किया गया। इस दौरान क्लब के सदस्यों ने गायों को गुड़ और चोकर खिलाकर सेवा की। आगामी प्रोजेक्ट के तहत रोटेरियन एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. मनोज कुमार वर्मा ने पशुओं की सुविधाओं के लिए 5100 रुपये दान देकर पाइपलाइन कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके तहत गौशाला में पाइपलाइन के माध्यम से गायों को पानी उपलब्ध कराने तथा उनके लिए शावर की व्यवस्था करने का प्रस्ताव रखा गया। डॉ. मनोज वर्मा ने कहा कि बेजुबान पशुओं की सेवा करना भी पुण्य का कार्य है। पशुओं की बेहतर देखभाल और सुविधाओं के लिए सभी को आगे आकर सहयोग करना चाहिए। रोटरी क्लब के अध्यक्ष कांता प्रसाद पुष्पक, सचिव हरिओम हैरी गुर्जर के नेतृत्व में सदस्य नगर पालिका अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल के साथ गौशाला पहुंचे। ईओ ने रोटरी क्लब के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए आभार जताया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष शोभित जैन, पूर्व महासचिव समीर रस्तोगी, रोटेरियन शगुन दुआ, आलोक कुमार अग्रवाल, ऋषभ जैन, लव कुमार रस्तोगी, अर्पित त्यागी, नगर पालिका के मुख्य लिपिक देवेंद्र सिंह, गौशाला प्रभारी अमित कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दलपतपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग का जागरूकता व जांच अभियान

15 खाद्य नमूनों का परीक्षण, 3 नमूने मानक के अनुरूप नहीं मिले, 32 कारोबारियों को दिए स्वच्छता के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

मुरादाबाद। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से सोमवार को ऋह अ६शेल्ली२२, ळ१ल्लव्रल्लॅ & ळी२३ल्लॅ ऊ१५ी के तहत दलपतपुर क्षेत्र में खाद्य पदार्थों की जांच एवं खाद्य कारोबारियों को जागरूक करने का अभियान चलाया गया। टऋह वाहन के माध्यम से संचालित अभियान का नेतृत्व खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रजन सिंह ने किया। अभियान के दौरान कुल 15 खाद्य नमूनों का परीक्षण किया गया, जिनमें तीन नमूने मानक के अनुरूप नहीं पाए गए। जांच में बेसन के नमूनों में कृत्रिम रंग तथा बर्फी के नमूनों में स्टार्च संबंधी अनियमितता सामने आई। इस दौरान एक जागरूकता कार्यक्रम और एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुल 32 खाद्य कारोबारियों (ऋइड२) को खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। खाद्य कारोबारियों को केवल ऋरअक लाइसेंस प्राप्त खाद्य सामग्री का प्रयोग करने और खाद्य पदार्थों में अनधिकृत कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल से बचने के निर्देश दिए गए। साथ ही किचन एवं खाद्य निर्माण क्षेत्र में साफ-सफाई बनाए रखने, कैप, फेस मास्क, एप्रन और हैंड ग्लव्स का प्रयोग करने को कहा गया। अधिकारियों ने कच्चे और तैयार खाद्य पदार्थों को ढककर रखने तथा प्रतिष्ठान पर खाद्य सुरक्षा लाइसेंस प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए। विभाग ने कहा कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता, प्रशिक्षण एवं जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता पर होगा निस्तारण, शासन ने की त्रिस्तरीय व्यवस्था - जिलाधिकारी

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि उद्यमियों और व्यापारियों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इसके लिए शासन स्तर से त्रिस्तरीय व्यवस्था बनाई गई है। सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला उद्योग बंधु समिति, मंडल स्तरीय समिति और राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है। बैठक में जिलाधिकारी ने उद्यमियों की विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुना और कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित कराया। बिजनौर शुगर मिल-नगीना रोड के दोनों तरफ साफ-सफाई न होने के पुराने प्रकरण पर संबंधित उद्यमी ने बताया कि सफाई का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जो जल्द पूरा हो जाएगा। इसके लिए उन्होंने जिलाधिकारी और उद्योग विभाग का आभार व्यक्त किया।ग्राम भानूवाला में कृषि भूमि के बीच से निजी नलकूप के लिए विद्युत लाइन ले जाने से संबंधित प्रार्थना पत्र पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारी को कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए और कहा कि यह प्रकरण अगली बैठक में नहीं आना चाहिए। वहीं ग्राम बसीरपुरा में छोटी पुलिया के पुनर्निर्माण के संबंध में जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी ने बताया कि इसे जिला पंचायत की कार्ययोजना में शामिल कर लिया गया है और नई गाइडलाइन प्राप्त होते ही निर्माण कार्य करा दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने जनपद स्तर पर सरदार वल्लभभाई पटेल एंप्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन की स्थापना के लिए भूमि चिन्हांकन के निर्देश भी दिए। बैठक में निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के निस्तारण की समीक्षा की गई और लंबित आवेदनों को प्राथमिकता पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। एमओयू की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जनपद में कुल 309 एमओयू किए गए थे, जिनमें से 137 ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए थे। इनमें से 106 में कार्य प्रारंभ हो चुका है जबकि 31 प्रक्रियाधीन हैं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 1700 के लक्ष्य के सापेक्ष 1157 आवेदन बैंकों को भेजे गए हैं, जिनमें से 364 बैंकों द्वारा स्वीकृत किए जा चुके हैं। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने गन्ना विभाग के कार्यों की समीक्षा की और चीनी मिल संचालकों को गन्ना मूल्य का लंबित भुगतान जल्द से जल्द किसानों को करने तथा नए पेराई सत्र की तैयारियों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त उद्योग, उपायुक्त जीएसटी सहित अन्य विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में उद्यमी व व्यापारी मौजूद रहे।

सावन के अंतिम सोमवार पर वासुदेव शिव मंदिर में चला ग्रीन टेम्पल अभियान

सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने और कूड़ा निर्धारित डस्टबिन में डालने की अपील

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर नगर पालिका परिषद अमरोहा एवं आईटीसी मिशन सुनहरा कल के संयुक्त तत्वावधान में वार्ड संख्या-19 किशनगढ़ स्थित वासुदेव शिव मंदिर में ग्रीन टेम्पल विजिट एवं विशेष स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान श्रद्धालुओं, कांवड़ियों और स्थानीय दुकानदारों को धार्मिक स्थल को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त रखने के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने तथा कपड़े और जूट के थैलों का इस्तेमाल करने की अपील की गई। साथ ही गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने, कूड़ा निर्धारित डस्टबिन में डालने तथा सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया।जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ एवं एसडीएम ने वासुदेव शिव मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंदिर परिसर में संचालित ग्रीन टेम्पल अभियान का अवलोकन कर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों से धार्मिक स्थलों को स्वच्छ, हरित एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने में सहयोग का आह्वान किया।आईटीसी सुपरवाइजर यशपाल सिंह ने लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभाव, कचरा पृथक्करण और पर्यावरण संरक्षण के महत्व की जानकारी दी। अभियान में नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, सफाई निरीक्षक जगत सिंह, सफाई नायक लोकचंद, आईटीसी टीम, दुकानदार, कांवड़िए और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित आरोपी गिरफ्तार

आरोपी पर पहले से दर्ज है गोवध निवारण अधिनियम का मुकदमा

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। थाना स्योहारा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहे आरोपी जुवैर पुत्र यासीन उर्फ यामीन निवासी मोहल्ला शेखान, कस्बा व थाना स्योहारा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ वर्ष 2024 में गोवध निवारण अधिनियम की धाराओं में भी मुकदमा दर्ज है। पुलिस के मुताबिक 12 अगस्त 2026 को थाना स्योहारा में वकील पुत्र हनीफ निवासी ग्राम मंगलखेड़ा, जुवैर पुत्र यासीन उर्फ यामीन निवासी मोहल्ला शेखान, इकराम पुत्र शमीम निवासी मोहल्ला शेखान तथा अनाव पुत्र इरफान अंसारी निवासी मंसूर सराय पीतापुर, कस्बा स्योहारा के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप है कि अभियुक्तों ने संगठित गिरोह बनाकर आर्थिक एवं भौतिक लाभ के उद्देश्य से अपराध किए, जिससे क्षेत्र में भय एवं आतंक का माहौल बना और लोक व्यवस्था प्रभावित हुई। इसी मुकदमे में वांछित चल रहे जुवैर को स्योहारा पुलिस ने 24 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आवश्यक अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल सरित सिंह तथा कांस्टेबल आलोक पंवार शामिल रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जजी परिसर में दो अहम बैठकें, 82 हजार से अधिक वाद चिन्हित

12 सितंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, जिला जज संजय कुमार सप्तम के निर्देशन में तैयारियां तेज

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। माननीय राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा-निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिजनौर श्री संजय कुमार सप्तम के मार्गदर्शन में दिनांक 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर रविवार को जिला जजी परिसर स्थित एडीआर भवन के सभागार में दो अलग-अलग बैठकों का आयोजन किया गया। प्रथम बैठक अपराह्न 3:30 बजे नोडल अधिकारी (राष्ट्रीय लोक अदालत) श्री लोकेश नागर, अपर जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती स्वाति चंद्रा द्वारा किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारी एवं अग्रणी बैंकों के प्रबंधक उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को आगामी लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर निस्तारित करने तथा अपने-अपने स्तर से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। विभागवार समीक्षा में उप-जिलाधिकारी बिजनौर द्वारा अवगत कराया गया कि राजस्व विभाग से 59,812 वाद, प्रबंधक दूरसंचार विभाग द्वारा 800 वाद तथा प्रबंधक अग्रणी बैंक द्वारा बैंकों से संबंधित 22,000 वादों को चिन्हित किया जा चुका है। इस प्रकार कुल 82,612 वाद अब तक चिन्हित किए गए हैं। बैठक में नोडल अधिकारी द्वारा उप-मुख्य चिकित्साधिकारी बिजनौर को लोक अदालत के दिन पक्षकारों हेतु स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उप-जिलाधिकारी को जजी परिसर में मूलभूत सुविधाओं एवं समुचित व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में सायं 4:30 बजे न्यायिक अधिकारियों के साथ द्वितीय बैठक का आयोजन किया गया। इसमें सभी न्यायिक अधिकारियों को चिन्हित वादों में नोटिसों की तामीला कम से कम दो बार अनिवार्य रूप से कराने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि आगामी लोक अदालत में शमनीय आपराधिक वाद, धारा 138 एनआई एक्ट, मोटर दुर्घटना दावा, श्रम वाद, बैंक वसूली, विद्युत अधिनियम, राजस्व वाद, सिविल वाद, मोटर वाहन ई-चालान, लघु आपराधिक वादों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन के माध्यम से पारिवारिक वादों का भी निस्तारण किया जाएगा। बैठक में जिले के समस्त न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजनौर में सड़क सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी सख्त, बोलीं - जागरूकता से ही रुकेगा हादसों का सिलसिला

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मृत्यु में कमी लाई जा सके। यह निर्देश जिलाधिकारी जसजीत कौर ने सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए 4-ई यानी इंजीनियरिंग, एजुकेशन, इंफोर्समेंट और इमरजेंसी मेडिकल सेवा पर गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है।

अतिक्रमण पर चलेगा अभियान

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर अतिक्रमण है, वहां सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाएं, ताकि सड़कों का चौड़ीकरण हो सके और आमजन को राहत मिले। इस दौरान एनएचएआई के अधिकारी ने बताया कि विभाग द्वारा 125 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं, जिन पर कांवड़ यात्रा के उपरांत अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

ब्लैक स्पॉट पर नाराजगी जताई

जिलाधिकारी ने जिले में चिन्हित किए गए ब्लैक स्पॉट पर अब तक कार्रवाई न होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड द्वितीय को जल्द से जल्द ब्लैक स्पॉट को ठीक करने के निर्देश दिए।

सात माह में हजारों चालान

बैठक में परिवहन विभाग द्वारा बताया गया कि 1 जनवरी 2026 से 31 जुलाई 2026 तक विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें

बिना लाइसेंस वाहन चलाने पर 8834 चालान

वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप न होने पर 340 चालान

बिना फिटनेस वाहन चलाने पर 376 चालान

व्यावसायिक वाहनों में स्पीड लिमिट डिवाइस न होने पर 340 चालान

मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न पर 895 चालान

स्कूली वाहन मानकों के अनुरूप न होने पर 15 चालान किए गए।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि फिट न होने के कारण कुछ विद्यालयों के वाहन सीज किए गए हैं, लेकिन अभी भी 100 से अधिक ऐसे वाहन हैं जिन पर कार्रवाई की जानी शेष है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर स्मृति मिश्रा सहित परिवहन, पुलिस, पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

श्रावण के अंतिम सोमवार पर डीएम ने किया जलाभिषेक

प्रातः किरण संवाददाता अमरोहा। श्रावण मास के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने श्री वासुदेव तीर्थ स्थल पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर जनपद की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि श्रावण मास आस्था, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। अंतिम सोमवार के अवसर पर जनपद के विभिन्न शिवालयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने को देखते हुए प्रशासन की ओर से उनकी सुविधा और सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने बताया कि प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिर परिसरों तथा संपर्क मार्गों पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं का प्रबंध किया गया है। संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी के निर्देश दिए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।जिलाधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस और प्रशासन की ओर से भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रमुख शिवालयों और संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके साथ ही यातायात प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था भी की गई है।प्रशासन का उद्देश्य है कि श्रद्धालु शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण में भगवान शिव की पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक कर सकें।

सफाई, स्ट्रीट लाइट, पेयजल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण व अतिक्रमण से जुड़ी शिकायतें पहुंचीं

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। नगर पालिका परिषद परिसर में सोमवार को संभव जनसुनवाई दिवस का आयोजन किया गया। अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने पालिका से संबंधित विभिन्न समस्याओं को लेकर पहुंचे फरियादियों की शिकायतें सुनीं और उनके निस्तारण के निर्देश संबंधित कर्मचारियों को दिए। संभव दिवस में सफाई व्यवस्था, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, स्ट्रीट लाइट, पेयजल आपूर्ति, संपत्ति नामांतरण, राशन कार्ड सत्यापन और अतिक्रमण से संबंधित कुल आठ शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से छह शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। वहीं संपत्ति नामांतरण और जन्म पंजीकरण से संबंधित एक-एक आवेदन की जांच कर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित कर्मचारियों को दिए गए। प्रदेश के नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा की पहल पर प्रत्येक सोमवार को प्रदेश के सभी निकायों में संभव दिवस का आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य नगरवासियों की निकाय से जुड़ी समस्याओं को दर्ज कर उनका त्वरित एवं उचित निस्तारण सुनिश्चित करना है। अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने संबंधित कर्मचारियों को प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने तथा फरियादियों को अनावश्यक परेशानी न होने देने के निर्देश दिए।

बिजनौर पुलिस अधीक्षक अभिषेक को दी गई भावभीनी

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर, 24 अगस्त 2026। पूर्व पुलिस अधीक्षक बिजनौर अभिषेक के अन्य जनपद में स्थानांतरण के अवसर पर आज पुलिस लाइन, बिजनौर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जिलाधिकारी बिजनौर सहित जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण, सभी थाना प्रभारी, शाखा प्रभारी, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने अभिषेक के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने, अपराध नियंत्रण एवं जनसहयोग से पुलिसिंग को नई दिशा देने में उल्लेखनीय कार्य किए गए। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में अभिषेक की कार्यशैली को कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित और जनोन्मुखी बताया। अन्य अधिकारियों ने भी उनके सरल स्वभाव और टीम भावना के साथ कार्य करने की शैली की प्रशंसा की। समारोह के अंत में पुलिस परिवार की ओर से अभिषेक को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य, स्वस्थ जीवन एवं नई तैनाती के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 25 अगस्त, 2026

क्या अल्लू अर्जुन की 'राका' में नजर आएंगे हॉलीवुड स्टार विल स्मिथ?

फिल्म 'राका' को डायरेक्टर एटली बना रहे हैं और इसमें अल्लू अर्जुन के साथ दीपिका पादुकोण भी लीड रोल में नजर आएंगी। अब फिल्म से हॉलीवुड स्टार विल स्मिथ को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है।

विदेश में होगा विल स्मिथ का शूट?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, विल स्मिथ फिल्म में एक अहम विलेन का किरदार निभा सकते हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में उनके लुक और कॉस्ट्यूम को भी फाइनल कर लिया गया है। अब मेकर्स उनके शूट की तारीखों को तय करने में जुटे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, विल स्मिथ फिल्म के एक आगामी विदेशी शेड्यूल में टीम के साथ जुड़ सकते हैं। वह पिछले साल से फिल्म के मेकर्स के संपर्क में हैं। अब उनकी उपलब्धता के हिसाब से शूटिंग का प्लान तैयार किया जा रहा है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि विल स्मिथ की शूटिंग किस देश या लोकेशन पर होगी। मेकर्स उनकी डेट्स फाइनल होने का इंतजार कर रहे हैं।

'राका' में दिखेगा अल्लू अर्जुन का नया अवतार

अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर फिल्म का आधिकारिक नाम 'राका' रखा गया था। इसी के साथ उनका पहला लुक भी जारी किया गया था। पोस्टर में अल्लू अर्जुन गंजे लुक में नजर आए थे। उनके चेहरे के एक हिस्से को भेड़िए जैसे जानवर का रोएंदार हाथ ढकता दिखाई दिया था, जिसके नुकीले पंजे फिल्म की कहानी को लेकर रहस्य और रोमांच बढ़ा रहे थे। फिल्म का निर्देशन एटली कर रहे हैं। इसमें अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण के अलावा रश्मिका मंदाना, जाह्नवी कपूर और मृणाल ठाकुर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एक बड़े बजट की साइंस-फिक्शन फिल्म है, जिसे करीब 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के बजट में बनाया जा रहा है। फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रहा है।

क्या पहली बार साथ नजर आएंगे कियारा और सैफ अली खान? कनिका ढिल्लों करेंगी निर्देशन

कियारा और सैफ अली खान दोनों एक्टर्स इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एक इंटेंस थ्रिलर फिल्म में स्क्रीन शेयर कर सकते हैं।

कनिका ढिल्लों करेंगी निर्देशन

खास बात यह है कि इस फिल्म से राइटर-प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। पिंकविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अनटाइटल्ड फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट्स प्रोड्यूस कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म अभी डेवलपमेंट स्टेज में है। इसकी स्क्रिप्ट को खास तौर पर सैफ अली खान और कियारा आडवाणी को ध्यान में रखकर लिखा जा रहा है। मेकर्स इस फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर तक शुरू करने की तैयारी में हैं।

सुपरनैचुरल थ्रिलर होगी फिल्म

प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, 'सैफ और कियारा कनिका की अगली फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। यह सुपरनैचुरल एलिमेंट वाली एक इंटेंस थ्रिलर है और इसकी स्क्रिप्ट दोनों एक्टर्स को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। कनिका, एक्सेल एंटरटेनमेंट्स और राइटिंग टीम काफी समय से इस कहानी पर काम कर रही है और अब मेकर्स इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं।' फिलहाल फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। स्क्रिप्ट पूरी तरह तैयार होने के बाद मेकर्स फिल्म से जुड़ी और जानकारी शेयर कर सकते हैं।

कियारा आडवाणी की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में यश डबल रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में नयनतारा, हुमा कुरेशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' दुनियाभर में 26 अगस्त 2026 को रिलीज होने वाली है।

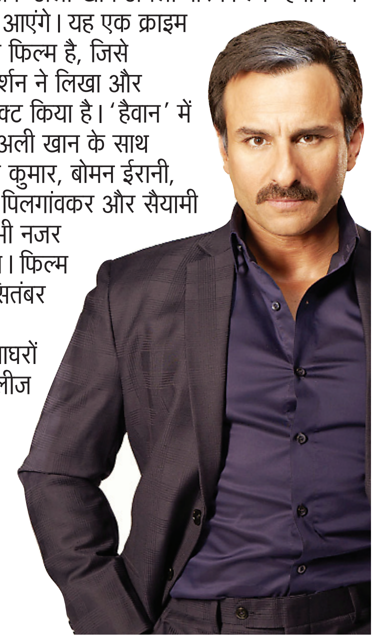

वहीं सैफ अली खान अगली बार फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगे। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसे प्रियदर्शन ने लिखा और डायरेक्ट किया है। 'हैवान' में सैफ अली खान के साथ अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी नजर आएंगे। फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

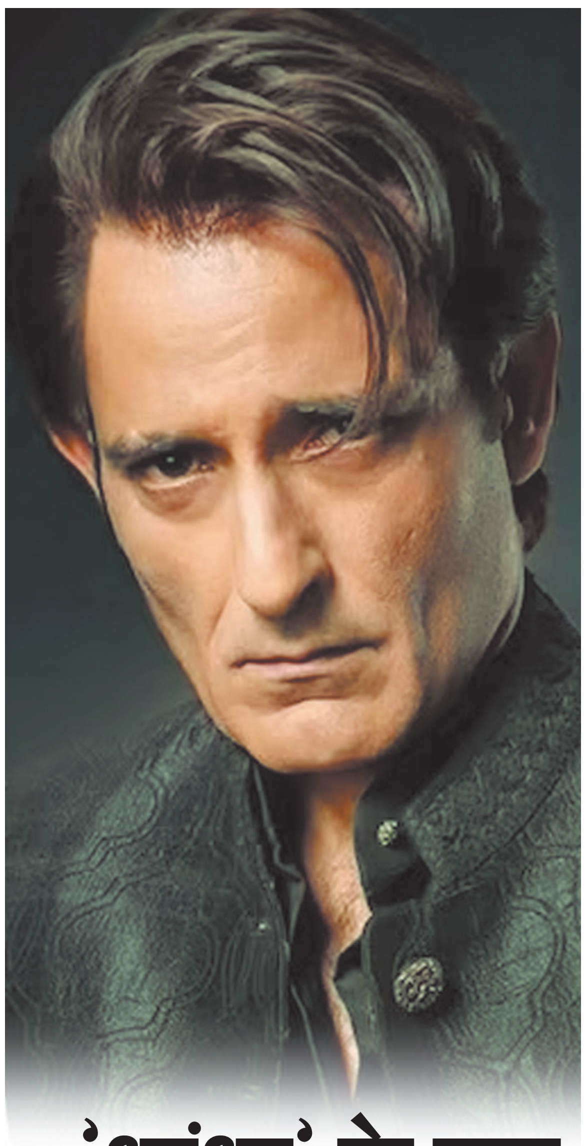

'धुरंधर' के बाद 'महाकाली' में दर्शकों को हैरान करने को तैयार अक्षय खन्ना

'हनु-मान' की जबरदस्त सफलता के बाद प्रशांत वर्मा अपने अगले अध्याय के साथ दर्शकों को एक नई दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में आरकेडी स्टूडियोज ने एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि वह 'महाकाली' से अक्षय खन्ना का शुक्राचार्य के रूप में उनका दिलचस्प अवतार पेश करने वाले हैं। अपकमिंग फिल्म 'महाकाली' में अक्षय खन्ना शुक्राचार्य का किरदार निभाने वाले हैं। माना जा रहा है कि अक्षय खन्ना इस बार अपने ट्रांसफॉर्मेशन को एक नए स्तर पर ले जाएंगे। 'धुरंधर' में अपनी शानदार मौजूदगी के बाद अभिनेता इस भूमिका में लगभग पहचान में ही नहीं आ रहे हैं। वैसे शुक्राचार्य के रूप में उनका फर्स्ट लुक पहले ही काफी चर्चा में है। अब उनकी पहली झलक देखने के लिए दर्शक उत्सुक हैं।

अहम है अक्षय खन्ना का रोल पुराणों के अनुसार असुरों के गुरु के रूप में पूजनीय शुक्राचार्य एक बेहद अहम पात्र हैं। ऐसे में अक्षय खन्ना की तरफ से निभाए जा रहे इस किरदार में उनकी गंभीरता देखने को मिल सकती है। वहीं, प्रशांत वर्मा का विजुअल ट्रीटमेंट इस किरदार को उनके सिनेमाई यूनिवर्स के अनुरूप भव्य स्तर प्रदान करने की उम्मीद जगाता है।

'हनु-मान' के बाद से ही दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि प्रशांत वर्मा अपने सिनेमाई यूनिवर्स में आगे क्या लेकर आएंगे। 'हनु-मान' ने न सिर्फ फिल्ममेकर की बड़े पैमाने पर भारतीय कहानियां प्रस्तुत करने की क्षमता को स्थापित किया, बल्कि विजुअल डिटेलिंग और वर्ल्ड-बिल्डिंग के लिए भी एक नया मानक तय किया है। ऐसे में 24 अगस्त को अक्षय खन्ना की पहली झलक के साथ दर्शकों को 'महाकाली' की दुनिया की पहली झलक मिलने वाली है। इस रिवील में अभिनेता के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन के साथ-साथ उस विशाल स्तर और बारीक विजुअल डिटेलिंग की झलक मिलने की उम्मीद है, जो प्रशांत वर्मा की फिल्ममेकिंग की खास पहचान बन चुकी है।

तेजस्वी प्रकाश से पुराने मतभेद पर सुरभि चंदना बोलीं

टीवी की दुनिया में सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही जाना-पहचाना नाम हैं। दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समय पहले एक विवाद की खबरों ने खूब ध्यान खींचा था। अब सुरभि ने पहली बार इस पुराने मतभेद और तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ खुलकर बातें की।

अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दोस्ती काफी पुरानी है। इंडस्ट्री में रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी यह है कि लोग बात करके चीजों को सुलझाएं और आगे बढ़ें। इंडस्ट्री में कलाकारों के एक-दूसरे को सपोर्ट करने की जरूरत पर बात करते हुए सुरभि ने कहा, इंडस्ट्री के लोग अक्सर अच्छे माहौल, स्वस्थ कामकाज और वर्क एथिक्स की बात करते हैं। इन बातों को सिर्फ कहने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कलाकारों को वास्तव में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना भी करनी चाहिए। सुरभि ने कहा, काम के दौरान रिश्तों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं।

कलाकारों के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी या मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सही नहीं है। सुरभि ने कहा, तेजस्वी के साथ मेरा रिश्ता अब भी बना हुआ है।

अनुपमा परमेश्वरन का खुलासा; बताया क्यों 'परधा' प्रमोशन के दौरान रो पड़ी थीं एक्ट्रेस

अनुपमा परमेश्वरन फिल्म 'परधा' के प्रमोशन के दौरान रोने लगीं थीं। उस वक्त उन्हें देखकर कई तरह की बातें कही गई थीं। कुछ लोगों ने इसे प्रमोशन का हिस्सा बताया था, तो कुछ ने कहा था कि वह सहानुभूति पाने की कोशिश कर रही हैं। बातचीत के दौरान अनुपमा ने कहा, 'सोचिए, स्टेज पर जाने से पहले आपका अपना बॉयफ्रेंड आपको शर्मिंदा करे। अपनी जिंदगी के दो वर्षों से मैं लगातार यह दिखाने की कोशिश कर रही थी कि मैं ठीक हूं।' अनुपमा ने कहा कि वह जैसी कैमरे के सामने दिखाई देती हैं, असल जिंदगी में भी वैसी ही हैं। वह किसी तरह का दिखावा नहीं करतीं। उन्होंने कहा, 'आप जिस इंसान से अभी बात कर रहे हैं, मैं हर जगह वही इंसान हूं। मैं कोई मास्क पहनकर घर से बाहर नहीं निकलती। पिछले दो वर्षों से मैं ठीक होने का दिखावा कर रही थी। लेकिन एक बार मैं ऐसा नहीं कर पाई।'

अनुपमा ने उस घटना को याद करते हुए बताया कि वह 'परधा' के एक प्रमोशनल इवेंट में लाल चूड़ीदार पहनकर बैठी थीं। इसी दौरान एक पत्रकार ने उनसे सवाल पूछा और वह अचानक रोने लगीं। एक्ट्रेस ने इस घटना पर कहा, 'मैं ऐसी नहीं हूं कि हालात कितने भी मुश्किल हों, स्टेज पर रोने लगूं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मुझे वो सबसे बुरी बातें कही गईं, जो कोई महिला सुनना नहीं चाहती। जिस इंसान को मेरी रक्षा करनी चाहिए थी, वही मुझे अंदर से तोड़ रहा था।' अनुपमा ने बताया कि जब वह प्रमोशनल इवेंट में रोईं तो लोगों ने उनका मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा, 'लोगों ने मेरा मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि मैं सहानुभूति पाने की कोशिश कर रही हूं या यह प्रमोशन का हिस्सा है। इसका 'परधा' से कोई लेना-देना नहीं था। यह मेरी असल जिंदगी में जो कुछ चल रहा था, उससे जुड़ा था।'

मुझे जिंदगी में किसी चीज का पछतावा नहीं मौके मिले लेकिन उसमें मुश्किलें भी खूब रहीं

देश के जाने-माने फिल्मी परिवार में जन्मीं अक्षरा हासन ने अपने पापा कमल हासन, मम्मी सारिका और बड़ी बहन श्रुति हासन के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग को करियर चुना। हालांकि, उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला के कई फॉर्म जैसे डांस, लेखन, निर्देशन आदि से प्यार है। उनके लिए यह सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं है। बीते दिनों अपनी फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' को लेकर चर्चा में रहीं अक्षरा ने जब हमने पूछा कि क्या परिवार में पापा, मम्मी, दीदी सभी के एक्टिंग में होने के चलते उनका भी रुझान फिल्मों की ओर हुआ? इस पर उन्होंने कहा, 'बेशक मेरे कला की ओर झुकाव का श्रेय मेरे पैरेंट्स को जाता है, क्योंकि उन्होंने मुझे अलग-अलग आर्ट फॉर्म को एक्सप्लोर करने की आजादी दी, लेकिन जहां तक एक्टिंग की बात है, वह कोई एक चीज नहीं है, जिससे मुझे प्यार हुआ।'

एक्टिंग ही नहीं, कई आर्ट फॉर्म से प्यार

मुझे कई आर्ट फॉर्म से प्यार है। जैसे, सबसे पहला तो डांस है। फिर राइटिंग, उसके बाद एक्टिंग से प्यार हुआ। अभी डायरेक्शन है तो मुझे सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला को कई रूपों से प्यार है। ऐसा नहीं है कि मम्मी-पापा एक्टर थे, तो मैं भी एक्टर बन गई। अभी तो मेरा ज्यादा फोकस डायरेक्शन की ओर है। मैं कुछ डायरेक्ट जरूर करूंगी।'

मौके मिले, पर मुश्किलें भी खूब रहीं

अक्षरा ने साल 2015 में अमिताभ बच्चन और धनुष जैसे सितारों के साथ फिल्म 'शमिताभ' से जोरशोर से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था, लेकिन आज 11 साल बाद भी उनका करियर वो परवाज नहीं पा सका। उनके खाते में गिनती की यादगार फिल्में हैं? इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मुझे मौके मिले लेकिन उसमें मुश्किलें भी खूब रहीं। जो भी फिल्में मुझे मिलीं, उसमें कोई न कोई चीज वर्क नहीं की, इसलिए उसका प्रभाव भी नहीं हुआ। मेरे साथ ज्यादातर यही हुआ। इसीलिए, मैंने खुद को एक्टिंग तक सीमित नहीं रखा, लेखन-निर्देशन जैसी दूसरी विधाओं की ओर मुड़ गई।'

किसी फैसले का पछतावा नहीं

अक्षरा को उनकी पहली फिल्म जाने-माने निर्देशक मणिरत्नम ने ऑफर की थी, जिसे उन्होंने मना कर दिया था। क्या कभी अक्षरा को अपने इस फैसले पर पछतावा होता है? इस पर उनका कहना है, 'मुझे कोई पछतावा नहीं है, क्योंकि हर चीज का एक वक्त होता है। मणिरत्नम सर की फिल्म का जब ऑफर आया था, उस वक्त मेरा फोकस डांस में था और जब मैंने उन्हें अपने दिल की बात बताई तो उन्होंने उसका सम्मान किया और कभी भी मुझे अपराध बोध महसूस नहीं कराया। इसलिए, मुझे उसका कोई अफसोस नहीं है, क्योंकि शायद तब उसका सही समय नहीं था।'

यीन-ऐंग जैसा है दीदी संग रिश्ता

अक्षरा ने हमें अपने पैरेंट्स कमल हासन-सारिका और दीदी श्रुति हासन संग बॉन्डिंग के बारे में भी कई बातें बताई। उन्होंने बताया, 'पापा ने हमेशा यही सिखाया है कि विनम्रता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत कामयाबी के तीन मूल मंत्र हैं। इसके अलावा, इंडस्ट्री में किसी चीज को लेकर बहुत जिद्दी नहीं होना चाहिए, हर चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए। ये गुण हमेशा काम करते हैं। यही खूबियां मैंने 'शमिताभ' में काम करते हुए बिग बी में भी देखी थीं।' वहीं, दीदी श्रुति हासन संग रिश्ते पर वह बताती हैं, 'हम बहनें हैं, हम एक दूसरे को लेकर बेहद प्रोटेक्टिव हैं। हम दोस्त भी हैं। हम यीन एंड ऐंग हैं, मतलब हमारा नेचर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है, लेकिन हम एक-दूसरे के बिना रह भी नहीं सकते। यही चीज हमारे बॉन्ड और मजबूत बनाती है।'

कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी

अक्षरा की फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' यादों को सहेजने और मिटाने जैसे यूनिक विषय पर है। ऐसे में, 'असल जिंदगी में वह कौन सी यादें मिटाना चाहेंगी? और किसे रखना चाहेंगी? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैं अपनी सारी यादें और अनुभव अपने पास रखूंगी, क्योंकि उसी ने मुझे वह इंसान बनाया है जो मैं आज हूं तो मैं कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी। हर चीज रखना चाहूंगी। कुछ भी डिलीट नहीं करना चाहूंगी क्योंकि मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है।'

संक्षिप्त समाचार

चीनी के बाद अब रुला रहा प्याज, कीमत में भारी उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। चीनी के बाद अब प्याज की कीमत में उछाल आई है। पिछले एक महीने में देश के कई हिस्सों में प्याज की कीमत दोगुनी हो चुकी है। शनिवार को इसकी औसत कीमत

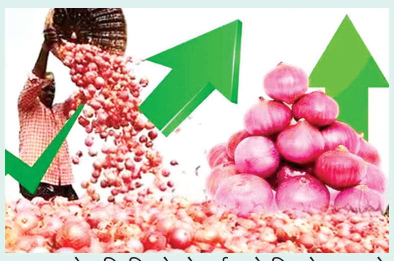

42 रुपये प्रति किलो हो गई, जो पिछले साल से 45 प्रतिशत और पिछले महीने से 19 प्रतिशत ज्यादा है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमत 65 रुपये प्रति किलो पहुंच चुकी है जबकि एक साल पहले यह 35 रुपये थी। इसी तरह चेन्नई में प्याज 58 रुपये प्रति किलो बिक रहा था, जबकि पिछले साल यह 33 रुपये था। केरल और असम के कुछ हिस्सों में भी प्याज की कीमत ज्यादा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मुताबिक नासिक में देश की सबसे बड़ी प्याज मंडी में कीमत में पिछले एक महीने में 76 फीसदी तेजी आई है। प्याज की कीमत बढ़ने के कई कारण बताए जा रहे हैं। मॉनसून की अनिश्चितता के कारण बुवाई में देरी, कमजोर आवक और सरकारी खरीद में गिरावट से प्याज की कीमत बढ़ी है। रही-सही कसर जमाखोरों ने पूरी कर ली। प्याज की बढ़ती कीमतों को रोकने के लिए सरकार ने बफर स्टॉक बाजार में उतारने का फैसला किया है। केंद्र सरकार आज से नासिक से दिल्ली, चेन्नई, कोच्चि और गुवाहाटी के लिए कांदा एक्सप्रेस चलाएगी। इन इलाकों में प्याज की कीमत राष्ट्रीय औसत से ज्यादा हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्याज की कीमत को कम कीमत पर उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले महीनों में प्याज की मांग को पूरा करने के लिए सरकार और किसान, दोनों के पास पर्याप्त स्टॉक है। बाजार के जानकारों का कहना है कि महाराष्ट्र में खरीफ प्याज के उत्पादन में 5-7 प्रतिशत की गिरावट की खबरों के कारण कीमतें बढ़ी हैं। महाराष्ट्र देश में प्याज का सबसे बड़ा उत्पादक है। अमूमन अगस्त-सितंबर में प्याज की कीमत में तेजी आती है। इसकी वजह यह है कि रबी की फसल का भंडार खत्म होने लगता है जबकि खरीफ की फसल आने में समय लगता है। इसी वजह से कीमतों पर दबाव पड़ता है। इस बार खराब मौसम और बुवाई में देरी ने आग में घी का काम किया है। नासिक मंडी में एक महीने पहले प्याज का भाव 2050 रुपये क्विंटल था जो अब 3,600 रुपये के पार पहुंच जाता है।

नई कार खरीदने के लिए सबसे सस्ते लोन की है तलाश

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में रक्षाबंधन के साथ कई खास पर्व और त्योहारों की शुरुआत होने जा रही है, जिनमें नवरात्रि, धनतेरस, दीपावली और अन्य शामिल हैं। इनके अलावा आने वाले समय में शादी के सीजन की भी जबरदस्त शुरुआत होने वाली है। इन खास मौकों पर भारत में कारों व अन्य वाहनों की खरीदारी की संख्या अन्य दिनों के मुकाबले बढ़ जाती है। कारों की खरीदारी के लिए कई कंपनियां बंपर छूट और अन्य सुविधाएं देती हैं। इस दौरान कई ऐसे ग्राहक होते हैं जिन्हें अपनी ड्रीम कार की खरीदारी के लिए एक सस्ते कार लोन की तलाश होती है। सस्ता लोन होने के उसकी ईएमआई (समान मासिक किस्त) आसान होती है और बिना किसी अधिक प्रेशर के हर महीने लोग कार लोन की इएमआइ को चुकाते रहे हैं। इस बीच हम आपको देश के कुछ ऐसे बैंकों की लिस्ट दे रहे हैं, जो कार लोन अपने ग्राहकों को ऑफर करते हैं। इनमें सस्ते से लेकर महंगे तक कार लोन शामिल हैं। आप अपनी सुविधा और क्षमता के हिसाब से इन बैंकों का चुनाव कर सकते हैं। देश में अलग-अलग बैंक अपने अनुसार अलग-अलग कार लोन और उसपर ब्याज दर लगाते हैं। ये सालाना ब्याज दरें आमतौर पर 8 फीसदी से लेकर 9.45 फीसदी तक होती हैं। कई बैंक इनसे भी कम और कई बार अधिक ब्याज दरों पर कार लोन देते हैं। हम यहां जून 2026 के आंकड़ों को बता रहे हैं।

30 की उम्र से पहले हेल्थ इंश्योरेंस का स्मार्ट मूव! कम प्रीमियम पर बड़े फायदे

नई दिल्ली, एजेंसी। आज के समय में भागदौड़ भरी इस जिंदगी में खान-पान को लेकर काफी सतर्कता जरूरी हो जाती है। आजकल तो युवाओं जिनकी उम्र खासकर के 18 से 30 के बीच है, उनको भी कई सारी स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां होती हुई दिख रही हैं। इसको देखते हुए डॉक्टर्स लोगों से अच्छे और शुद्ध भोजन खाने की सलाह देते हैं। जीवन की कुछ अहम चीजों में से आपकी अपनी हेल्थ भी है, जिसका हमेशा ख्याल रखना जरूरी होता है।

इसको लेकर कई सारी सावधानियां बरतनी होती है, लेकिन फिर भी अगर कोई बीमारी हो या फिर स्वास्थ्य संबंधित कोई दिक्कत हो तो इसके लिए लोग हेल्थ इंश्योरेंस की ओर रुख करते हैं। इसको देखते हुए वे किसी न किसी बीमा कंपनी से अपनी बीमा जरूर कराते हैं। हेल्थ इंश्योरेंस कराने से कई सारे फायदे होते हैं। हम यहां आपको कुछ ऐसे खास फायदे बताने जा रहे हैं, जो आपके स्वास्थ्य संबंधित बीमारियों के समय मदद कर सकते हैं। ये फायदे हेल्थ इंश्योरेंस के हैं, अगर आप इस बीमा को 30 साल से पहले करा लेते हैं। हमारे देश में हेल्थ इंश्योरेंस लेने पर टैक्स फायदे भी मिलते हैं। आयकर की धारा 80डी के तहत आप हेल्थ इंश्योरेंस छूट पा सकते हैं। नियमानुसार, आप अपने, प प्रतिशती, बच्चों और माता-पिता के हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर सालाना एक लाख रुपये (अधिकतम संभावित लाभ) तक टैक्स छूट लेने के लिए दावा कर सकते हैं। आप हेल्थ इंश्योरेंस के जरिए बीमा कंपनियों के रिवॉर्ड और फ्री हेल्थ चेकअप की भी सुविधा ले सकते हैं। फिट रखता है तो इस मामले में कुछ इंश्योरेंस कंपनियां रिवॉर्ड ऑफर भी करती हैं।

30 की उम्र से पहले हेल्थ इंश्योरेंस का स्मार्ट मूव!

वैसे तो हेल्थ इंश्योरेंस को 91 दिन से लेकर 65 वर्ष की उम्र तक लिया जा सकता है, लेकिन सस्ता प्रीमियम के मुनाफे के लिए इसे 30 वर्ष की उम्र तक को अच्छा बताया गया है। इसे एक स्मार्ट मूव भी कहा जाता है। यहां खास बात यह भी है कि बीमा नियामक आईआरडीएआई के नियमों के मुताबिक, नई बीमा खरीदने के लिए कोई अधिकतम उम्र सीमा की बाध्यता नहीं है।

कम प्रीमियम का फायदा

आप जितनी कम उम्र में हेल्थ इंश्योरेंस लेते हैं, उसके प्रीमियम भुगतान में उतना ही अच्छा फायदा होता है। मतलब कि मान लीजिए अगर आपने 30 की आयु तक या उससे पहले अपना हेल्थ इंश्योरेंस करा लिया तो, इसका प्रीमियम अधिक उम्र वालों की तुलना में कम लगता है। इसकी वजह यह मानी गई है कि कम उम्र में इंसान अधिक उम्र वालों की तुलना में ज्यादा स्वस्थ होता है। इसलिए कम प्रीमियम का भुगतान करना होता है। बाकी उम्र बढ़ती जाती है और आप 30 के बाद हेल्थ इंश्योरेंस कराते हैं तो इसके लिए आपको अधिक प्रीमियम देना पड़ सकता है।

कम पैसे में अच्छा इलाज

30 से कम की उम्र में हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर आपका प्रीमियम सस्ता होता है। आप जिस किसी भी कंपनी से अपनी ये बीमा कराते हैं तो उनका कई बड़े-बड़े अस्पतालों से अच्छे नेटवर्क होते हैं। इस दौरान कम प्रीमियम (पैसे) में आप अच्छे और बड़े अस्पतालों में बढ़िया इलाज करा सकते हैं।

भारत से तेल आयात की तैयारी में कई देश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अपनी उच्च तेल परिशोधन क्षमता के बूते तैयार पेट्रोलियम उत्पाद का बड़ा निर्यातक देश बन कर उभर रहा है। निर्यात गंतव्य देशों की सूची में स्पेन, फ्रांस के बाद अब मॉरीशस भी जुड़ गया है। इटली, तंजानिया, जार्डन जैसे देशों ने भी आयात बढ़ा दिया है। भू-राजनीतिक संकट और ऊर्जा आपूर्ति में उथल-पुथल के बीच भारतीय रिफाइनरियों की तकनीकी व शोधन क्षमता दुनिया भर में सराही जाती है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि 2026 से 2030 के बीच वैश्विक रिफाइनिंग क्षमता विस्तार में भारत की प्रमुख हिस्सेदारी होगी। भारत की रणनीति है कि तमाम देशों से प्रतिस्पर्धी कीमत पर कच्चा तेल लेकर उससे पेट्रोलियम उत्पाद तैयार कर निर्यात किया जाए ताकि नए बाजारों में अपनी पकड़ बढ़ाई जा सके। हाल में भारत और मॉरीशस के बीच पांच साल का ईंधन आपूर्ति समझौता हुआ है। इसके तहत भारत मॉरीशस को पेट्रोल, हाई-स्पीड डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल निर्यात करेंगी। भारत पहले से ही श्रीलंका, नेपाल और भूटान की पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति कर रहा है। भारत अमेरिकी दबाव को नजरंदाज कर रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है, वहीं अब यूक्रेन युद्ध के चलते ऐसी स्थिति हो गई कि रूस को खुद भारत से तैयार ईंधन मंगाना पड़ रहा है। सिंगापुर, जार्डन, श्रीलंका, नीदरलैंड, यूएई, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया, तंजानिया और पूर्वी-पश्चिमी अफ्रीका के कई अन्य देश भी भारत से आयात कर रहे हैं। पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में पिछले साल जुलाई के मुकाबले इस साल जुलाई में 67.64 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

बैंक हड़ताल: सेवाएं हो सकती हैं ठप, 4 दिन तक बढ़ेंगी मुश्किलें

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों की संयुक्त संस्था यानी यूएफबीयू ने 11 सितंबर को देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। इस हड़ताल

की मुख्य वजह सप्ताह में पांच दिन बैंक खोलने के फैसले में लगातार हो रही देरी, पीएलआई को लेकर गहरे मतभेद और पेंशन से जुड़ी कई लंबित मांगों का अभी तक हल न होना है।

अगर यह हड़ताल होती है तो देश के कई हिस्सों में बैंकिंग सर्विसेज खासकर सरकारी बैंकों की, लगातार चार दिनों तक प्रभावित रह सकती हैं। दरअसल, 11 सितंबर शुक्रवार को पड़ रहा है और उसके बाद शनिवार-रविवार की छुट्टी है। इसके साथ ही 14 सितंबर को कई राज्यों में गणेश चतुर्थी की छुट्टी होने के कारण बैंक बंद रहेंगे।

इसके अलावा, अगर तब भी उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने का भी संकेत दिया गया है। रविवार को हुई बैठक में यह फैसला इसलिए लिया गया, क्योंकि संघों के अनुसार, सरकार ने उनकी प्रमुख मांगों के प्रति नकारात्मक रवैया अपनाया हुआ है।

सप्ताह में पांच दिन बैंक खोलने का मुद्दा क्या है: संघों का कहना है कि भारतीय बैंक संघ ने 8 मार्च 2024 को 12वें द्विवार्षिक समझौते के तहत सप्ताह में पाँच दिन बैंक खोलने के प्रस्ताव को पहले ही मंजूरी दे दी थी। इसके तहत सोमवार से शुक्रवार तक काम के घंटों में 40 मिनट की बढ़ोतरी करने की बात तय हुई थी। इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए सरकार के पास भेज दिया था, लेकिन दो साल से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद यह फाइल अभी भी अटकी पड़ी है, जिससे कर्मचारियों में काफी निराशा है। दूसरा बड़ा विवाद पीएलआई को लेकर खड़ा हो गया है। सरकार ने स्केल वीआई और उससे ऊपर के बैंक अधिकारियों के लिए एक अलग पीएलआई योजना बनाई है, जिसके तहत उन्हें अपने निजी प्रदर्शन के आधार पर मूल वेतन के 365 दिनों के बराबर बड़ा इनाम मिल सकता है। जबकि, आम कर्मचारियों और स्केल तक के अधिकारियों को इस योजना के तहत अधिकतम 15 दिनों का मूल वेतन और महंगाई भत्ता ही दिया जाएगा।

आने वाले दिनों में और भी बड़ी हड़ताल की चेतावनी

यूएफबीयू ने इतना ही नहीं कहा है, बल्कि यह भी साफ कर दिया है कि अगर सरकार और बैंक प्रबंधन ने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया, तो वे 28 सितंबर से तीन दिनों की लगातार हड़ताल पर चले जाएंगे। खास बात यह है कि यह तारीख छमाही लेखा-जोखा के समय पड़ रही है, जिससे बैंकों के कामकाज पर बहुत गहरा असर पड़ सकता है।

बदलाव अपनाने का रिस्क उठाना पड़ा, 10वीं पास का धमाका, पहले 30 हजार थी कमाई, अब लाखों की बरसात

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर का डोडा जिला कभी पारंपरिक मक्के की खेती के लिए जाना जाता था। वहां के किसानों की कमाई बहुत सीमित थी। लेकिन, 10वीं पास किसान भारत भूषण के एक साहसिक प्रयोग ने इस पूरे इलाके की तस्वीर बदलकर रख डाली। साल 2010 में भारत भूषण ने लैवेंडर की खेती से इस एक्सपेरिमेंट की शुरुआत की। इसने उनकी सालाना कमाई 30,000 रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये तक पहुंचा दी। यही नहीं, क्षेत्र में बैंगनी क्रांति की नींव भी रखी। आइए, यहां भारत भूषण की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

बदलाव की तरफ पहला कदम

भारत भूषण का परिवार पीढ़ियों से अपनी 1.25 एकड़ जमीन पर मक्का उगाता था। इससे सालभर में बमुश्किल कुछ हजार रुपये की बचत हो पाती थी। आर्थिक तंगी ने घर को घेर रखा

था। इसके कारण वह जल शक्ति विभाग में 10,000 रुपये महीने की नौकरी करने लगे। साल 2010 में वैज्ञानिक संस्थान के एक वर्कशॉप से प्रेरित होकर उन्होंने जोखिम उठाया। सिर्फ 7,000 रुपये के निवेश से 0.25 एकड़ जमीन पर लैवेंडर के 1,400 पौधे लगाए। 2012 तक जब उन्होंने लैवेंडर तेल से 20,000 रुपये की कमाई की तो यह मक्के से होने वाली आय से चार गुना अधिक थी। लैवेंडर के फूलों से तेल निकालने के लिए 24 घंटे के भीतर प्रोसेसिंग जरूरी होती है। सरकारी मोबाइल यूनिट में देरी होने से जब फसल खराब होने लगी तो भारत भूषण ने 6 लाख का बैंक लोन और अपनी जमा पूंजी लगाकर 8 लाख रुपये में अपनी खुद की डिस्टिलेशन यूनिट स्थापित की। आज हो रही लाखों

पीएम से बातचीत ने बदल दी पिक्चर

पौधों की ऊंची कीमत के कारण शुरुआत में अन्य किसान लैवेंडर अपनाने से हिचकिचा रहे थे। साल 2016 में जब भारत भूषण को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात करने का मौका मिला तो पिक्चर बदल गई। उन्होंने पीएम से किसानों के सामने आ रही पौधों की लागत की समस्या को उठाया। इस संवाद के बाद भारत सरकार ने अरोमा मिशन की शुरुआत की। इसके तहत किसानों को लैवेंडर के पौधे मुफ्त दिए जाने लगे। आगे चलकर 2021 में उन्होंने एक किसान उत्पादक संगठन का गठन किया।

रोज 8,600 से ज्यादा खर्च करने वाले ग्राहकों के मामले में चीन से आगे निकलेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत दुनिया में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है। इसके साथ ही देश में लोगों के खर्च करने की ताकत भी बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमीर उपभोक्ताओं की संख्या के मामले में भारत 2036 तक चीन से आगे निकल जाएगा। 10 साल बाद भारत में रोजाना 90 डॉलर खर्च करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 10.8 करोड़ होगी जबकि चीन में ऐसे 10.3 करोड़ उपभोक्ता होंगे। तब केवल अमेरिका ही हमसे आगे रह जाएगा। नीलसनआईक्यू और वर्ल्ड डेटा लैब की एक हालिया संयुक्त रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। रिपोर्ट में अमीर उपभोक्ताओं को ऐसे लोगों के तौर पर परिभाषित किया गया है जो रोजाना 90 से ज्यादा खर्च करते हैं। अनुमान है कि अभी भारत में लगभग 2.6 करोड़ अमीर उपभोक्ता हैं और 10 साल में इसमें 8.2 करोड़ और जुड़ेंगे। इस दौरान चीन में 6.2 करोड़ अमीर उपभोक्ताओं के जुड़ने का अनुमान है। रिपोर्ट में अलग से यह भी अनुमान लगाया गया है कि 2026 में भारत में 64.9 करोड़ कोर कंज्यूमर्स होंगे। ये ऐसे उपभोक्ता हैं जो रोजाना 13 से 90 के बीच खर्च करते हैं। अनुमान है कि 2036 तक अमेरिका में 23.1 करोड़ अमीर उपभोक्ता होंगे। यह आबादी भारत और चीन दोनों की कंबाइंड संख्या से ज्यादा है। उस समय दुनियाभर में अमीर उपभोक्ताओं की आबादी 102.5 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2026 के मुकाबले 36.9 करोड़ ज्यादा है। टीओआई के मुताबिक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2036 के अनुमान उपलब्ध डेटा, पुराने ट्रेंड और मान्यताओं पर आधारित हैं और असल नतीजे इनसे अलग हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत वॉल्यूम ग्रोथ वाला बाजार है। इसकी वजह यहां की बढ़ती आबादी और मिडिल क्लास है। अमीर ग्राहकों के पास खर्च करने की काफी क्षमता होती है। इस समय ऐसे ग्राहकों की आबादी 65.7 करोड़ होने का अनुमान है जबकि कोर कंज्यूमर्स की आबादी 410 करोड़ होगी। अमीर ग्राहकों के इस साल 35.9 ट्रिलियन खर्च करने का अनुमान है, जबकि कोर ग्राहकों के लिए यह आंकड़ा 31.6 ट्रिलियन है।

ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों से पहले फिसला क्रूड आइल, आगे बढ़ सकती है कीमतों में हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान पर अमेरिका की नई और कड़ी आर्थिक कार्रवाई के ऐलान से पहले सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। निवेशकों ने पिछले सप्ताह की तेजी के बाद मुनाफावसूली की और अब बाजार की नजर अमेरिकी प्रतिबंधों के नए पैकेज पर है।

सोमवार के शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड करीब 1.3त्न गिरकर 93.16 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया। वहीं अमेरिकी ङ्खञ्जढ्ढ क्रूड करीब 1.6त्न फिसलकर 85.70 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले दोनों बेंचमार्क पिछले सप्ताह 5त्न से ज्यादा चढ़े थे। बाजार में गिरावट की एक वजह निवेशकों की मुनाफावसूली है, जबकि दूसरी बड़ी वजह अमेरिका की ओर से ईरान पर लगाए जाने वाले नए प्रतिबंधों को लेकर बनी अनिश्चितता है।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट सोमवार को ईरान के खिलाफ नए प्रतिबंधों की जानकारी देने वाले हैं। बेसेंट ने इसे ईरान के खिलाफ इतिहास की सबसे कड़ी आर्थिक कार्रवाई बताया है। अमेरिका का लक्ष्य ईरान के आर्थिक और वित्तीय संबंधों पर दबाव बढ़ाना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान की मदद करने वाले देशों और कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है। इससे बाजार में यह चिंता बढ़ी है कि अगर प्रतिबंधों का दायरा ईरान के तेल खरीदारों और उसके व्यापारिक साझेदारों तक पहुंचता है, तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर असर पड़ सकता है। ईरान ने नए अमेरिकी प्रतिबंधों की धमकी को खारिज किया है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी कदम को दबाव और हताशा से जुड़ा बताया है।

बीकेटी टायर्स ने इंदौर में नए वेयरहाउस के साथ मध्य प्रदेश के कमर्शियल वाहन सेगमेंट में अपनी स्थिति को मजबूत किया

भोपाल, एजेंसी। ग्लोबल ऑफ-हाईवे टायर लीडर, बालकृष्ण इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीकेटी) ने भारत के ऑन-हाईवे टायर बाजार में अपनी पहुँच बढ़ाते हुए भारत के कमर्शियल वैहिकल रेडियल (सीवीआर) मार्केट में अपनी स्थिति मजबूत की है। कंपनी ने मध्य प्रदेश के इंदौर में अपना नया वेयरहाउस शुरू किया है। इस वेयरहाउस का उद्घाटन 21 अगस्त, 2026 को किया गया। इस अवसर पर बीकेटी की लीडरशिप टीम मौजूद थी। यह विस्तार राज्य के कमर्शियल वैहिकल रेडियल (सीवीआर) सेगमेंट में कंपनी की पहुँच और बाजार अंश बढ़ाने पर केंद्रित है। यह नया वेयरहाउस बीकेटी टायर्स के 'एलिवेट योर ड्राईव' प्रस्ताव के अनुरूप है, जो भारत के विकसित होते हुए ऑन-हाईवे मार्केट में भरोसेमंद मोबिलिटी समाधान प्रदान करने पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। इंदौर में फ्रेट, ट्रकिंग और पैसेंजर ट्रांसपोर्ट का एक मजबूत ईकोसिस्टम है। साथ ही, पीथमपुर इंडस्ट्रियल बेल्ट के करीब स्थित होने के कारण यह मध्य प्रदेश में बीकेटी टायर्स के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण शहर है। कंपनी का नया वेयरहाउस यहाँ पर प्रोडक्ट की उपलब्धता और क्षेत्रीय वितरण को मजबूत करेगा। साथ ही, डीलर्स, ट्रांसपोर्टर्स और फ्लीट ऑपरेटर्स के साथ जुड़ाव बढ़ाएगा। इस सुविधा का संचालन बीकेटी टायर्स के अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर, मे. शिवम ट्रैक इंपैक्स प्राईवेट लिमिटेड करेंगे। इससे कंपनी को अपना सीवीआर पोर्टफोलियो ग्राहकों के करीब लाने और उनकी विकसित होती हुई संचालन की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस वेयरहाउस के उद्घाटन के अवसर पर बीकेटी की लीडरशिप, चैनल पार्टनर और राज्य के ट्रांसपोर्ट सेक्टर के प्रतिष्ठित प्रतिनिधि मौजूद थे, जिनमें श्री राजीव पोद्दार, जॉईंट मैनेजिंग डायरेक्टर, बीकेटी; श्री सतीश शर्मा, सीनियर प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर - बिजनेस डेवलपमेंट एंड स्ट्रेट्जी, बीकेटी; और श्री अमित कुमार अग्रवाल, नेशनल सेल्स हेड, कमर्शियल वैहिकल रेडियल टायर्स, बीकेटी शामिल थे। मे. शिवम ट्रैक इंपैक्स प्रा. लि. की ओर से श्री शैलेंद्र गोयल और श्री शिवम गोयल उपस्थित थे। यहाँ उपस्थित अन्य गणमान्य लोग श्री राजेंद्र त्रेहान, चेयरमैन, इंदौर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन और श्री हरी प्रकाश दुबे, एग्जिक्यूटिव सेक्रेटरी, मध्य प्रदेश बस एसोसिएशन तथा क्षेत्रीय ट्रांसपोर्ट एवं फ्लीट कम्युनिटी के सदस्य थे। श्री अमित कुमार अग्रवाल, नेशनल सेल्स हेड, कमर्शियल वैहिकल रेडियल टायर्स, बीकेटी ने कहा, ''हम भारत में कमर्शियल वैहिकल रेडियल सेगमेंट में अपनी पहुँच को बढ़ा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

विनेश फोगाट

विरासत में मिला रेसलिंग का खेल

कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते 3 गोल्ड, विवादों से भी रहा नाता

नई दिल्ली, एजेंसी। विनेश फोगाट की गिनती भारत की सबसे मशहूर महिला रेसलर्स में की जाती है। विनेश अपने करियर में कॉमनवेल्थ गेम्स में तीन गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। हालांकि, करियर के दौरान उनका विवादों से भी खूब नाता रहा है। विनेश का जन्म 25 अगस्त, 1994 को हरियाणा के बलाली गांव में हुआ। कुश्ती का खेल विनेश को विरासत में मिला। उनके ताऊ महावीर सिंह ने बेहद छोटी उम्र में ही विनेश को इस खेल की बारीकियां सिखाना शुरू कर दिया था। विनेश भी जल्द ही अपने चचेरी बहनें गीता और बबीता फोगाट की राह पर चल पड़ीं। हालांकि, यह सफर चुनौतियों से भरा रहा। विनेश जब सिर्फ 9 साल की थी, तो उनके पिता का निधन हो गया था। मगर ताऊ ने विनेश का कुश्ती से नाता नहीं टूटने दिया। सुबह 5 बजे उठकर ट्रेनिंग करने के बाद विनेश को स्कूल भी जाना पड़ता था। हालांकि, यह कड़ी ट्रेनिंग विनेश के लिए वरदान साबित हुई। इंटरनेशनल स्टेज पर विनेश की झोली में पहला मेडल साल 2014 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में आया। इसके बाद रियो ओलंपिक में भी विनेश क्वार्टर फाइनल तक पहुंची, लेकिन मेडल लाने से चूक गईं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में विनेश का दमदार प्रदर्शन एक बार फिर देखने को मिला और उन्होंने गोल्ड पर कब्जा जमाया। एशियन गेम्स में भी वह गोल्ड जीतने में सफल रहीं। विनेश ने विश्व चैंपियनशिप में मेडल जीतने के साथ-साथ एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता और अपने खेल से हर किसी को प्रभावित किया। 2022 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी विनेश का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला और उन्होंने यहां भी गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वह कॉमनवेल्थ गेम्स में तीन गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर बनीं। हालांकि, विनेश का विवादों से भी नाता रहा।

क्या यूएस ओपन में फिर दिखेगा फेडरर का जादू?

- **इस अमेरिकी दिग्गज के खिलाफ खेलेंगे खास मुकाबला**

कोलंबो, एजेंसी। 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोजर फेडरर बुधवार को यूएस ओपन के एक खास प्रदर्शनी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। न्यूयॉर्क में पांच बार खिताब जीत चुके फेडरर का सामना 2003 के यूएस ओपन चैंपियन एंडी रॉडिक से होगा। इसके अलावा फेडरर और जॉन मैकेनरो की जोड़ी रॉडिक और आंद्रे अगासी के खिलाफ डबल्स मुकाबला भी खेलेगी।

यूएस ओपन आयोजकों ने पुष्टि की है कि रोजर फेडरर और एंडी रॉडिक के बीच प्रदर्शनी मुकाबला बुधवार को खेला जाएगा। यह मुकाबला एक सेट का होगा, क्योंकि फ्लशिंग मीडोज में आयोजित इस खास एक रात के कार्यक्रम में टेनिस के कई दिग्गज हिस्सा लेंगे। फेडरर और रॉडिक की भिड़ंत के बाद फेडरर चार बार के यूएस ओपन चैंपियन जॉन मैकेनरो के साथ डबल्स मैच में उतरेंगे। दूसरी ओर उनके सामने रॉडिक और दो बार के यूएस ओपन विजेता आंद्रे अगासी की जोड़ी होगी।

यूएस ओपन ने जारी किया बयान – यूएस ओपन की संस्था ने इस खास कार्यक्रम को लेकर कहा, 'सिर्फ एक रात के लिए, लगातार पांच बार यूएस ओपन चैंपियन रहे और टेनिस के दिग्गज रोजर फेडरर न्यूयॉर्क लौट रहे हैं। वे मंगलवार, 25 अगस्त को आर्थर ऐश स्टेडियम में फ्लडलाइट्स में एक खास एग्जीबिशन इवेंट में हिस्सा लेंगे। वे 2003 के यूएस ओपन चैंपियन और अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी एंडी रॉडिक के साथ-साथ टेनिस के अन्य दिग्गजों और यूएस ओपन चैंपियन आंद्रे अगासी और जॉन मैकेनरो के साथ खेलेंगे।

भारत ने 503/9 पर पारी घोषित की

ध्रुव जुरेल का दूसरा टेस्ट शतक, पंत-गिल ने फिफ्टी लगाई

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन भारत ने 9 विकेट पर 503 रन पर पारी घोषित कर दी थी।ध्रुव जुरेल ने शतक पूरा कर लिया है। उन्होंने 100वां रन बनाने के लिए 13 बॉल खेलीं। जुरेल ने 177 बॉल पर दूसरा टेस्ट शतक लगाया,115 रन बनाकर नबाद रहे। प्रसिद्ध कृष्णा उनका साथ दे रहे हैं। मोहम्मद सिराज 29 बॉल पर 3 रन बनाकर आउट हुए। मानव सुथार ने 18 रन बनाए। भारत के लिए दूसरे सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि पंत ने केशारा नुवांथा की गेंद पर सर्कल के बाहरी किनारे पर खड़े लाहिरू उदरा को कैच थमा दिया. पंत और जुरेल ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी की।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत– यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, सारांश जैन, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

श्रीलंका– लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंदु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो।

ऋषभ पंत ने रच दिया नया इतिहास

WTC में बने भारत के सबसे सफल बल्लेबाज, शुभमन गिल का रिकॉर्ड ध्वस्त

नईदिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट मैच में ऋषभ पंत ने भारतीय टीम के लिए पहली पारी में 89 बॉल पर शानदार 63 रन बनाए. पंत ने अपनी इस इनिंग्स में 6 चौके और दो छक्के जड़े. पंत ने इस दौरान एक बड़ा मुकाम हासिल किया. विकेटकीपर बल्लेबाज पंत अब आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. ऋषभ पंत ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल का रिकॉर्ड तोड़ दिया. पंत ने अब तक वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में कुल 42 मुकाबले खेले हैं, जिसमें उनके नाम पर 42.11 की औसत से 2948 रन दर्ज हैं. वहीं शुभमन ने भी इतने ही मुकाबलों में 42.27 के एवरेज से 2917 रन बनाए हैं. इस सूची में रोहित शर्मा (2716 रन) तीसरे, रवींद्र जडेजा (2675 रन) चौथे और विराट कोहली (2617 रन) पांचवें स्थान पर हैं. चूंकि रोहित और कोहली टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, ऐसे में वो इस लिस्ट में धीरे-धीरे और नीचे ही खिसकेंगे. टेस्ट क्रिकेट में एक्टिव भारतीय खिलाड़ियों में यशस्वी जायसवाल 2588 रनों के साथ तेजी से इस लिस्ट में आगे बढ़ रहे हैं.

डब्ल्यूटीसी में भारत के लिए सर्वाधिक रन

- ऋषभ पंत– 2948 रन (42 टेस्ट)
- शुभमन गिल– 2917 रन (42 टेस्ट)
- रोहित शर्मा– 2716 रन (40 टेस्ट)
- रवींद्र जडेजा– 2675 रन (50 टेस्ट)
- विराट कोहली– 2617 रन (46 टेस्ट)
- यशस्वी जायसवाल– 2588 रन (30 टेस्ट)

इंडिया लड़ेगा और जवाब भी देगा..., श्रीलंकाई गेंदबाज के साथ हुई झड़प पर जायसवाल ने तोड़ी चुप्पी

भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन काफी कुछ घटा. देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरा शतक जड़ा और 117 रन बनाकर आउट हुए. इसके अलावा यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच तीखी बहस हुई. जिस पर जायसवाल की काफी ज्यादा आलोचना हुई। अब जायसवाल ने उन आलोचना का जवाब दिया है। उनका कहना है कि लोगों को इस झड़प के संदर्भ को जानने से पहले अपनी कोई राय नहीं कायम करनी चाहिए. जायसवाल ने ये प्रतिक्रिया मशहूर कमेंटेटर हर्षा भोगले की राय पर दी है।

- **कोलंबो में सिर टकराने पर जायसवाल-फर्नांडो की 25 प्रतिशत फीस कटी, दोनों ने गलती मानी** – इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर जुर्माना लगा दिया है. दोनों खिलाड़ी कोलंबो में जारी दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन मैदान पर ही भिड़ गए थे। आईसीसी ने सोमवार को दोनों खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाने की पुष्टि भी कर दी है. क्रिकेट की गवर्निंग बॉडी ने जायसवाल और फर्नांडो पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया है. इस के अलावा दोनों को एक-एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया। आईसीसी ने एक प्रेस रिलीज में कहा, दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी के आचार संहिता के आर्टिकल 2.12 का उल्लंघन करते पाया गया. यह नियम किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहायता कर्मी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (जिसमें इंटरनेशनल मैच के दौरान दर्शक भी शामिल हैं) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है।

गेंदबाज नहीं तूफान है!

कार्तिक त्यागी ने फेंकी 153.6 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद

नईदिल्ली, एजेंसी। कार्तिक त्यागी अपनी रफ्तार से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं. 23 अगस्त (रविवार) को मेरठ मावेरिक्स और गोरखपुर लायंस के बीच मुकाबले में त्यागी ने 153.6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद डालकर तहलका मचा दिया. उनकी यह गेंद विकेट लेने वाली साबित हुई. कार्तिक की इस तूफानी गेंद का सामना गोरखपुर लायंस के प्रिंस यादव ने किया. प्रिंस भी टीम इंडिया के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट खेल चुके हैं और अपनी तेज गेंदबाजी के लिए पहचाने जाते हैं. लेकिन इस मुकाबले में कार्तिक की 153.6 किमी प्रति घंटा की रफ्तार के आगे वह टिक नहीं सके और अपना विकेट गंवा बैठे. दिलचस्प बात यह रही कि प्रिंस यादव का कैच मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू सिंह ने पकड़ा. यानी टीम इंडिया के एक खिलाड़ी को दूसरे भारतीय खिलाड़ी की रफ्तार का शिकार होना पड़ा. कार्तिक त्यागी इससे पहले भी अपनी रफ्तार का जलवा दिखा चुके हैं. 21 अगस्त को नोएडा किंग्स के खिलाफ उन्होंने 149 किमीप्रति घंटा की रफ्तार से घातक यॉर्कर डालकर शौर्य सिंह का मिडिल स्टंप उड़ा दिया था. उस मुकाबले में त्यागी ने 3 विकेट लेकर मेरठ की जीत में अहम भूमिका निभाई थी. आईपीएल 2026 में भी कार्तिक त्यागी ने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए 9.76 की इकोनॉमी से 13 मैचों में 18 विकेट झटके. पिछले कुछ समय में कार्तिक की गेंदबाजी में रफ्तार के साथ निरंतरता भी देखने को मिली है. यूपी टी20 लीग में उनके लगातार तेज स्पेल ने एक बार फिर यह संकेत दिया है कि यह युवा तेज गेंदबाज भारतीय क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है.

भारत से पहले ढाका में ट्रेनिंग कर सकता है ब्राजील

कोलकाता स्टेडियम पर सवाल, 6 अक्टूबर को केप वर्डे से मैच की भी तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील की फुटबॉल टीम 3 अक्टूबर को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले बांग्लादेश के ढाका में ट्रेनिंग कैंप लगाने पर विचार कर रही है। ब्राजील फुटबॉल कन्फेडरेशन के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 23 अगस्त को ढाका का दौरा किया। टीम ने नेशनल स्टेडियम, बसुंधरा किंग्स एरेना और कई होटलों का निरीक्षण किया। बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष तबिथ अवल ने बताया कि ब्राजील के साथ ढाका में ट्रेनिंग करने और बांग्लादेश के खिलाफ फ्रेंडली खेलने समेत सभी विकल्पों पर बात हुई है। हालांकि, अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। ब्राजील 25 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टाउन्सविले और 29 सितंबर को ब्रिस्बेन में मुकाबला खेलेगा। इसके बाद टीम भारत आएगी। कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में भारत और ब्राजील के बीच फ्रेंडली मैच खेला जाना है। कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में भारत और ब्राजील के बीच फ्रेंडली मैच खेला जाना है।

ढाका की पिच ब्राजील को ठीक लगी

बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के मुताबिक, ब्राजील के प्रतिनिधिमंडल ने नेशनल स्टेडियम और बसुंधरा किंग्स एरेना की पिच को टीम के लिए सही बताया। हालांकि, ड्रेसिंग रूम, तकनीकी स्टाफ के लिए जगह और एंट्री-एग्जिट पर सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताई गई है।

साल्ट लेक की पिच पर ब्राजील ने जताई चिंता

भारत-ब्राजील मुकाबला 3 अक्टूबर को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में होगा। यह ब्राजील का भारत में पहला मुकाबला होगा। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने 30 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान की घास की स्थिति और कुछ जगहों पर टर्फ को लेकर चिंता जताई गई है। ब्राजील ने पिच और ट्रेनिंग ग्राउंड की घास में सुधार की जरूरत बताई है।

एशियाड टीम में चोटिल वेटलिफ्टर शामिल

CWG पदकवीर लवप्रीत को जगह नहीं; टेनिस-जूडो-रोइंग में भारी कटौती पर रोष

नईदिल्ली, एजेंसी। लवप्रीत ने भी सुपर हैवीवेट वर्ग में 400 किलो से ऊपर वजन उठाते हुए ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में रजत जीता था। वह मई में गांधीनगर में हुई एशियाई चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर रहे थे, लेकिन उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है।

एशियाई खेलों के दल में एक ऐसे वेटलिफ्टर को शामिल कर लिया गया है जो चोटिल है और इन खेलों के लिए तैयारियां ही नहीं कर रहा है। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाले ऋषिकांत सिंह वेटलिफ्टिंग टीम में शामिल इकलौते पुरुष लिफ्टर हैं। ऋषिकांत को ग्लासगो में ही चोट लग गई थी और डॉक्टरों ने उन्हें तीन माह के आराम की सलाह दी थी। इसके बाद वह मोदीनगर में चल रहे कैंप में शामिल ही नहीं हुए, लेकिन साई की ओर से एशियाई खेलों के दल की समीक्षा में ऋषिकांत को टीम में शामिल कर लिया गया, लेकिन राष्ट्रीय शिविर में इन खेलों की तैयारियां कर रहे लिफ्टर लवप्रीत सिंह को बाहर कर दिया गया है। लवप्रीत ने भी सुपर हैवीवेट वर्ग में 400 किलो से ऊपर वजन उठाते हुए ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में रजत जीता था। वह मई में गांधीनगर में हुई एशियाई चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर रहे थे, लेकिन उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ओर से खेल मंत्रालय को मंजूरी के लिए 504 खिलाड़ियों का दल भेजा गया था, लेकिन मंत्रालय ने 492 खिलाड़ियों को मंजूरी दी है। सिर्फ वेटलिफ्टिंग ही नहीं टेनिस, जूडो और रोइंग की टीम में कई प्रमुख खिलाड़ियों के नाम काटे जाने पर भारी रोष है।

सेमीफाइनल में पहुंचने से चूकी भारतीय महिला हॉकी टीम, ऑस्ट्रेलिया से खेला गोलरहित ड्रॉ

एम्सटलवीन (नीदरलैंड), एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप का अहम मुकाबला 0-0 से ड्रॉ रहा। इस नतीजे के साथ भारतीय महिला टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गई और उसका विश्व कप अभियान अंतिम-4 में जगह बनाए बिना थम गया। भारतीय महिला हॉकी टीम का एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में सफर समाप्त हो गया। भारत को दूसरे दौर के अपने आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ पर संतोष करना पड़ा। इस नतीजे के साथ ऑस्ट्रेलिया ने अधिक गोल करने के आधार पर सेमीफाइनल में जगह बना ली, जबकि भारतीय टीम अंतिम-4 की दौड़ से बाहर हो गई।

सेमीफाइनल के लिए भारत को जीत जरूरी थी – भारत के लिए यह मुकाबला करो या मरो का था। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए टीम को हर हाल में जीत दर्ज करनी थी, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए ड्रॉ भी पर्याप्त था।

दक्षिण अफ्रीका को नामीबिया में होने वाली टी20 ट्राई-सीरीज से पहले लगा झटका

बड़ा खिलाड़ी सीरीज से बाहर

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने सोमवार को बताया कि साउथ अफ्रीका के ऑलराउंडर जेसन स्मिथ एडक्टर स्ट्रेन (जांघ की मांसपेशी में खिंचाव) के कारण नामीबिया और जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली आगामी टी20 ट्राई-सीरीज से बाहर हो गए हैं। 31 वर्षीय स्मिथ को दाहिनी जांघ की मांसपेशी (एडक्टर) में खिंचाव आया है, जो दौरे के छोटे फॉर्मेट वाले हिस्से के लिए प्रोटियाज (साउथ अफ्रीकी टीम) की योजनाओं के लिए एक बड़ा झटका है। टीम मैनेजमेंट ने ट्राई-सीरीज के लिए स्क्वाड में तुरंत किसी रिप्लेसमेंट को शामिल न करने का फैसला किया है, यह सीरीज विंडहोक में खेली जाएगी।

ऑलराउंडर जेसन स्मिथ दाहिनी जांघ की मांसपेशी (एडक्टर) में खिंचाव के कारण विंडहोक में नामीबिया और जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली टी20 इंटरनेशनल ट्राई-सीरीज से बाहर हो गए हैं। नामीबिया के खिलाफ 09 सितंबर से शुरू होने वाली वनडे इंटरनेशनल सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता तय करने के लिए उनकी और जांच की जाएगी। अभी किसी रिप्लेसमेंट का नाम घोषित नहीं किया गया है। टीम मंगलवार, 25 अगस्त को टैम्बो इंटरनेशनल एयरपोर्ट से विंडहोक के लिए रवाना होगी . टी20 ट्राई-सीरीज के लिए नई बनी टीम की कप्तानी बाएं हाथ के स्पिनर ब्योर्न फोर्टुइन करेंगे। यह सीरीज 28 अगस्त से 6 सितंबर तक चलेगी। इसके बाद 9 से 13 सितंबर तक नामीबिया के खिलाफ मैच खेले जाएंगे। इस ट्राई-सीरीज के साथ साउथ अफ्रीका इस साल की शुरुआत में हुए पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के बाद पहली बार टी20 मैच खेलेगा, वर्ल्ड कप में टीम एडेन मार्करम की कप्तानी में सेमीफाइनल तक पहुंची थी।

टीम में कई अहम रेगुलर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है जिससे टीम का रूप-रंग नया लग रहा है। इससे ईथन बॉश (कॉर्बिन बॉश के भाई) और डुआन जानसेन (मार्को जानसेन के भाई) जैसे नए खिलाड़ियों को इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा। डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी और क्वेना मफाका उन प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं जो पहले इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं और प्रोटियाज के साथ नामीबिया का दौरा करेंगे।

नामीबिया दौरे के लिए साउथ अफ्रीका की अपडेटेड टीम:

ब्योर्न फोर्टुइन, ईथन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी ज़ोरज़ी, कॉनर एस्टरहुइज़ेन, जॉर्डन हरमन, रुबिन हरमन, डुआन जानसेन, क्वेना मफाका, मोकोएना, न्काबा पीटर, लुआन-ड्रे प्रेटोरियस, लुथो सिपाम्ला और प्रेनेलन सुब्रायेन।

चोटिल नजीहा अल्वी महिला एशिया कप 2026 से बाहर, सदफ शमास को मिली पाकिस्तान टीम में जगह

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज नजीहा अल्वी घुटने की चोट के कारण आगामी एसीसी महिला टी20 एशिया कप 2026 से बाहर हो गई हैं। नजीहा अल्वी की जगह पर दाएं हाथ की बल्लेबाज सदफ शमास को टीम में शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक बयान के मुताबिक, मेडिकल जांच में जोड़ों में दिक्कत की पुष्टि होने के बाद यह फैसला लिया गया, जिसके बाद सिलेक्शन कमिटी ने इस बड़े महाद्वीपीय इवेंट के लिए सदफ को टीम में शामिल किया। 'नजीहा ने अपने बाएं घुटने के पिछले हिस्से में दर्द बताया, जबकि बाद में स्कैन में मोच आने का पता चला। पीसीबी की मेडिकल टीम के जांच के बाद नजीहा तुरंत अपना रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम शुरू करेंगी, जिसके चार हफ्ते तक चलने की उम्मीद है। नेशनल विमेंस सिलेक्शन कमिटी ने सदफ को एशिया कप टीम में शामिल किया है। जनवरी 2023 में डेब्यू करने के बाद से वह अब तक 12 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुकी हैं। यह टूर्नामेंट 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई में होना है, जिसमें पाकिस्तान को पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों, सात बार के विजेता भारत, थाईलैंड और हांगकांग के साथ एक कड़े ग्रुप ए में रखा गया है। पाकिस्तान महिला एशिया कप में अपने अभियान का आगाज एक सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगा, जिसके बाद 5 सितंबर को टीम की भिड़ंत भारत से होगी। वहीं, 7 सितंबर को टीम का सामना हांगकांग-चीन से होगा। सेमीफाइनल 10 और 11 सितंबर को होने हैं, जबकि फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में पेपर लीक, प्लांट पैथोलॉजी का पेपर रद्द

रायपुर, एजेंसी। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी कृषि की परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में एक और परीक्षा रद कर दी गई है। सात अगस्त को हुई कृषि प्रथम वर्ष की पादप रोगविज्ञान की परीक्षा भी रद कर दी गई है। इससे पहले 20 अगस्त को द्वितीय वर्ष के कीट विज्ञान का प्रश्नपत्र लीक होने के बाद परीक्षा निरस्त की गई थी। पुलिस जांच में गिरफ्तार मुख्य आरोपित सहायक प्राध्यापक योगेश सोनकेसरिया से पूछताछ में इस प्रश्नपत्र को भी परीक्षा से पहले बाहर निकालकर छात्रों तक पहुंचाए जाने की जानकारी सामने आई है। इस मामले में पुलिस ने दूसरी एफआइआर दर्ज की है। विश्वविद्यालय की आपात बैठक में निर्णय लिया गया कि दोनों परीक्षाएं सितंबर के पहले सप्ताह में दोबारा कराई जाएंगी। भारती एग्रीकल्चर कॉलेज, दुर्ग को परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने में लापरवाही के लिए नोटिस जारी किया गया है। जांच में पता चला कि सात अगस्त की परीक्षा का प्रश्नपत्र 10 हजार रुपये में बेचा गया। पेपर लीक प्रकरण में लापरवाही बरतने के आरोप में भारती कृषि कालेज, दुर्ग के प्राचार्य डॉ. एके दुबे को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। वहीं, गिरफ्तार सहायक प्राध्यापक योगेश को भी सेवा से हटा दिया गया है।मुख्य आरोपित प्रोफेसर ने 10 हजार में बेचा था प्रश्नपत्र, दूसरी एफआइआर दर्ज, कालेज के प्राचार्य व गिरफ्तार सहायक प्राध्यापक को सेवा से हटाया अब पासवर्ड प्रोटेक्टेड ईमेल से भेज रहे पेपर पेपर लीक के बाद विश्वविद्यालय ने प्रश्नपत्र भेजने की प्रक्रिया में बदलाव किया है।

पाकिस्तान के जैश-ए-मोहम्मद से संबंधों के आरोप में जयपुर की महिला गिरफ्तार

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान एटीएस ने जयपुर की एक महिला को पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश–ए–मोहम्मद से जुड़े लोगों के संपर्क में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला पर ऐसी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है, जो देश की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकती हैं। आरोपी की पहचान बबीता धारकड़ उर्फ खदीजा के रूप में हुई है। वह मूल रूप से गंगापुर सिटी की रहने वाली है और कई साल से जयपुर में रह रही थी। एटीएस के मुताबिक महिला को खुफिया जानकारी मिलने के बाद रविवार को हिरासत में लिया गया था। उसके मोबाइल फोन और सोशल मीडिया अकाउंट की जांच में कई संदिग्ध चीजें सामने आने का दावा किया गया है। एटीएस अधिकारियों के मुताबिक महिला के मोबाइल की फोरेंसिक जांच की गई। इसमें दो सिम कार्ड और एक फेसबुक अकाउंट मिला। जांचकर्ताओं का दावा है कि फेसबुक अकाउंट पर कुछ आपत्तिजनक सामग्री और विदेशी प्रोफाइल के लिंक मौजूद थे। अधिकारियों के मुताबिक इनमें कुछ ऐसे अकाउंट भी थे, जिन पर जैश–ए–मोहम्मद और दूसरे चरमपंथी संगठनों से जुड़े प्रतीक और सामग्री दिखाई दे रही थी। कुछ प्रोफाइल पर हथियारबंद लोगों की तस्वीरें होने की बात भी सामने आई है। जांच के दौरान महिला के वाटसऐप की भी जांच की गई। एटीएस का कहना है कि उसके फोन में कई पाकिस्तानी मोबाइल नंबरों के साथ बातचीत मिली है। इसके अलावा कुछ दूसरे विदेशी नंबर भी मिले हैं। इन नंबरों का किसी आतंकी संगठन या उसके सदस्यों से संबंध है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। जांच से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक पूछताछ में महिला ने कथित तौर पर बताया कि वह पाकिस्तान में रहने वाले एक धार्मिक मौलवी के संपर्क में आई थी। उसके संपर्क में रहने के दौरान ही उसने इस्लाम धर्म अपनाया। एटीएस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या पाकिस्तान में मौजूद लोगों की ओर से महिला को पाकिस्तान भेजने की कोशिश की जा रही थी। एटीएस अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती पूछताछ में कुछ संदिग्ध बातें सामने आई हैं। अब महिला के मोबाइल, सोशल मीडिया, बातचीत और वित्तीय लेनदेन की जांच की जा रही है। जांच एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि महिला के पाकिस्तानी संपर्क सिर्फ व्यक्तिगत स्तर के थे या उनका संबंध किसी बड़े आतंकी नेटवर्क से था।

पंजाब में कैमरों का खौफ भी बेअसर! 41 लाख से ज्यादा चालान, फिर भी नियम तोड़ने से बाज नहीं आ रहे चालक

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में यातायात नियमों का उल्लंघन रोकने के लिए पुलिस की सख्ती लगातार बढ़ रही है। सड़कों पर निगरानी के लिए कैमरे लगाए गए हैं, ई-चालान व्यवस्था को मजबूत किया गया है और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। इसके बावजूद वाहन चालकों की आदत बदलती नजर नहीं आ रही। जितनी सख्ती बढ़ी, उतनी ही तेजी से चालान भी बढ़ते गए। वर्ष 2026 में छह अगस्त तक प्रदेश में 41,37,775 ई-चालान जारी हो चुके हैं। यह वर्ष 2025 में पूरे साल हुए 20.46 लाख चालानों के दोगुने से भी ज्यादा हैं। आंकड़े बताते हैं कि पंजाब की सड़कों पर पुलिस की नजर जरूर तेज हुई है, लेकिन लोगों में ट्रैफिक नियमों के प्रति जिम्मेदारी की भावना उस रफ्तार से नहीं बढ़ी। सवाल अब यह है कि जब चालान का डर भी वाहन चालकों की आदत नहीं बदल पा रहा तो आखिर वे कब सुधरेंगे? पंजाब में ई-चालान और कैमरा आधारित निगरानी का दायरा बढ़ने के साथ नियम तोड़ने वालों की पहचान आसान हुई है। बीते सालों में हुए चालानों की गिनती- 2026 में छह अगस्त तक ही 41.38 लाख चालान काटे जा चुके हैं। यानी सात माह से भी कम समय में पिछले पूरे साल के मुकाबले दोगुने से अधिक

कार्रवाई हो चुकी है। चालान की बढ़ती संख्या का एक पहलू यह भी है कि तकनीक ने पुलिस की पकड़ मजबूत कर दी है। पहले सड़क पर पुलिसकर्मी की मौजूदगी ही कार्रवाई का मुख्य माध्यम थी, लेकिन अब कैमरे नियम तोड़ने वाले वाहन की पहचान कर लेते हैं। इसके बावजूद उल्लंघन जारी रहना बताता है कि कई वाहन चालक नियमों को गंभीरता से नहीं ले रहे। लालबत्ती पार करना, निर्धारित गति से अधिक रफ्तार, गलत पार्किंग और अन्य नियमों की अनदेखी जैसे मामलों में चालान लगातार हो रहे हैं। इससे साफ है कि समस्या केवल निगरानी की नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलाव की भी है। दिलचस्प पहलू यह है कि चालान की संख्या बढ़ने के बावजूद सरकार को मिलने वाला राजस्व उसी अनुपात में नहीं बढ़ा। वर्ष 2025 में 20.46 लाख चालानों से 123.04 करोड़ रुपये मिले थे। इसके विपरीत 2026 में छह अगस्त तक 41.38 लाख चालान जारी होने के बावजूद सरकार को सिर्फ 49.02 करोड़ रुपये मिले हैं। प्रति चालान औसत राजस्व भी लगातार घटा है। वर्ष 2024 में यह करीब 1370 रुपये, 2025 में 601 रुपये और 2026 में अब तक सिर्फ 118 रुपये रह गया है। इससे बड़ी संख्या में चालानों के लंबित रहने या उनकी वसूली न होने की स्थिति सामने आती है। ट्रैफिक चालान का उद्देश्य सरकार की कमाई बढ़ाना नहीं, बल्कि वाहन चालकों को नियमों का पालन करने के लिए बाध्य करना और सड़क हादसों को रोकना है। इसलिए 41 लाख से ज्यादा चालान अपने आप में उपलब्धि नहीं माने जा सकते, यदि इसके बावजूद लोग बार-बार वही गलतियां दोहराते रहें। अब जरूरत सिर्फ चालान काटने की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि बार-बार नियम तोड़ने वालों पर प्रभावी कार्रवाई और लोगों के व्यवहार में बदलाव लाने की है।

गणेश प्रतिमा के जुलूस में फेंके गए अंडे तो भड़के महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे

मुंबई एजेंसी। गणेशोत्सव को देखते हुए महाराष्ट्र में तैयारियां जोरशोर से शुरू हो गई हैं और प्रतिमाएं आने लगी हैं। कई जगहों पर भगवान गणेश के आगमन पर जुलूस निकाले गए। मुंबई में भी बड़े–बड़े पांडालों में भव्य प्रतिमाएं रखी जा रही हैं। वहीं मझगांव में गणेश प्रतिमा लाते वक्त दो समूहों में झड़प हो गई जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। मझगांव में बड़ी संख्या में पुलिसबल की तैनाती है। जानकारी के मुताबिक पांडाल से थोड़ी ही दूर पर एक इमारत से जुलूस पर अंडे फेंके गए। इसके बाद दो गुटों में तनाव बढ़ गया। इसी बीच महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे ने, अगर इस तरह की घटनाएं होंगी तो याद रखें। ईद भी आ रही है। नितेश राणे ने कहा, यहां 90 प्रतिशत हिंदू रहते हैं। हिंदू त्योहारों का विरोध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर हिंदू त्योहारों, गणेशोत्सव, जुलूसों पर पत्थर फेंकने और अंडे फेंकने की घटनाएं होती हैं।

ट्रेन में मिले सूटकेस का खौफनाक सच: चेन्नई के घर से जुड़े हत्या के तार, दो संदिग्ध फरार

चेन्नई, एजेंसी। आगरा में एक ट्रेन के सूटकेस में सड़े-गले शरीर के अंग मिलने के कुछ हफ्तों बाद चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस चेन्नई के एक घर कर पहुंची, जहां इस खौफनाक घटना से जुड़े राज छिपे थे। पुलिस ने अब इन शरीर के अंगों की पहचान ओडिशा की रहने वाली 38 साल की हयुथन निशा के तौर पर की है। पुलिस को मिले दो संदिग्धों ने उनकी हत्या की और उनके शव के टुकड़े कर दिए।

5 अगस्त को ट्रेन चेन्नई सेंट्रल से नई दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। आगरा रेलवे स्टेशन पर, यात्रियों को एक सूटकेस से बदबू आने पर पुलिस को सूचना दी गई। जब रेलवे पुलिस ने सूटकेस खोला, तो उन्हें इंसानी शरीर के सड़े-गले अंग मिले। इसके तुरंत बाद जांच शुरू हुई।

सीसीटीवी फुटेज की जांच के दौरान, आगरा रेलवे पुलिस को दो संदिग्ध दिखे और उन्होंने चेन्नई सेंट्रल रेलवे पुलिस को इसकी जानकारी दी। फुटेज के आधार पर, चेन्नई सेंट्रल रेलवे पुलिस ने पाया कि दो संदिग्ध उसी तरह की ट्रॉली के साथ ट्रेन में चढ़े थे। संदिग्धों की पहचान माणिक उद्दीन लस्कर और भगवती माझी के तौर पर हुई। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने चेन्नई के गुडुवांचेरी में उनके घर का पता लगाया। जब घर की तलाशी ली गई, तो कथित तौर पर खाना पकाने वाले एक बर्तन में शरीर के और भी सड़े-गले अंग मिले।

दोनों संदिग्ध फरार: पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हम पूछताछ कर रहे हैं। जब हम दोनों संदिग्धों को पकड़ लेंगे, तो हत्या की वजह पता चल जाएगी। दोनों संदिग्ध फरार हैं।

वैज्ञानिक सबूतों के आधार पर यह साफ हो जाएगा कि शरीर के अंग एक ही व्यक्ति के हैं या नहीं। पीड़िता के बेटे की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज किया है और आगे की जांच जारी है।

जयपुर के परकोटे में हिंदुओं के पलायन के खिलाफ विशाल जन आक्रोश रैली

जयपुर, एजेंसी। जयपुर के पुराने शहर (परकोटे) से बहुसंख्यकों हिंदुओं के बढ़ते पलायन के खिलाफ रैली निकाली गई। शहर के सामाजिक संगठन युवा शक्ति मंच की ओर से निकाली गई जन आक्रोश रैली में बड़ी संख्या में महिलाएं और युवा शामिल हुए। रैली में शामिल सभी लोगों ने केसरियां साफा पहनने के साथ ही हाथों में भगवा ध्वज लहाया। रैली में

दुपहिया एवं चार पहिया वाहनों के साथ ही ऊंट गाड़ियों में सवार होकर लोगों ने बहुसंख्यकों के पलायन के खिलाफ नारेबाजी की। पलायन रोकने की मांग को लेकर निकाली गई रैली में शामिल लोगों ने कहा, सुरक्षा, रोजगार एवं बुनियादी सुविधाओं के अभाव में लोग अपने पुश्तैनी घर छोड़कर दूर जाकर बस रहे हैं। एक वर्ग विशेष के दबाव में बहुसंख्यक पलायन कर रहे हैं। रैली में शामिल महिलाओं ने कहा कि सरकार चारदीवारी क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को बचाने के लिए कदम उठाने चाहिए और बहुसंख्यकों को सुरक्षा उपलब्ध करवानी चाहिए। युवा शक्ति मंच के संयोजक सुनील सिंह ने कहा कि मतांतरण पर भी रोक लगाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब बहुसंख्यकों को पलायन नहीं करने को लेकर जागरूक किया जाएगा।

ट्रंप के दामाद की डेमोक्रेट नेता से मुलाकात, मध्यावधि चुनाव से पहले बढ़ी हलचल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफरीज और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद व बाहरी सलाहकार जरेड कुशनर ने हाल ही में न्यूयॉर्क में निजी मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब नवंबर के मध्यावधि चुनाव में यह तय होना है कि प्रतिनिधि सभा किसका नियंत्रण होगा। अगर डेमोक्रेट रिपब्लिकन से प्रतिनिधि सभा में बहुमत छीन लेते हैं, तो माना जा रहा है कि व्हाइट हाउस उनके साथ काम करने के रास्ते तलाश सकता है।

मुलाकात में किन मुद्दों पर हुई बात

न्यूयॉर्क टाइम्स ने रविवार को सबसे पहले इस मुलाकात की सूचना दी। बातचीत में आवास, आव्रजन और बढ़ती महंगाई जैसे कई मुद्दे शामिल रहे। अमेरिका में लोग बढ़ती कीमतों से परेशान हैं। डेमोक्रेट इसके लिए ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी को जिम्मेदार ठहराते हैं। उनका आरोप है कि सरकार महंगाई को काबू करने में नाकाम रही है।

कुशनर ने जेफरीज को व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स से आगे की बातचीत के लिए मिलने का सुझाव दिया। नवंबर में अगर डेमोक्रेट फिर से सत्ता में आते हैं, तो जेफरीज के हाउस स्पीकर बनने की संभावना है। जेफरीज ने रविवार को दिए बयान में इस निजी बातचीत का जिक्र नहीं

किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन सरकार को अपनी मेरी बात मानो या रास्ता छोड़ो वाली नीति छोड़नी चाहिए। उनके मुताबिक, यह नीति अमेरिकी लोगों के लिए नाकाम रही है।

न्यूयॉर्क से सांसद जेफरीज ने कहा कि इस समस्या को रोकने के लिए वे कई बार साफ कर चुके हैं कि सख्ती का तरीका काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इसका जोरदार विरोध किया जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या रिपब्लिकन भी उनके साथ आएंगे।

इस मुलाकात से इस बात का संकेत मिल रहा है कि रिपब्लिकन पार्टी को कांग्रेस में अपना बहुमत खोने की कितनी चिंता है। खासकर प्रतिनिधि सभा को लेकर चिंता ज्यादा है। व्हाइट हाउस भी राष्ट्रपति पर पड़ने वाले संभावित राजनीतिक असर को रोकने के लिए विपक्षी डेमोक्रेट से संपर्क बढ़ाना चाहता है। अगर नवंबर के चुनाव में डेमोक्रेट प्रतिनिधि सभा का बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो वे सरकार के कामकाज की कड़ी जांच कर सकते हैं। जेफरीज प्रशासन के कुछ लोगों को धोखेबाज कह चुके हैं। ऐसे में डेमोक्रेट के पास महाभियोग चलाने समेत सरकार पर दबाव बनाने के कई विकल्प होंगे। ट्रंप के करीबी सहयोगी और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने रविवार को इस मुलाकात के बारे में सवाल पूछे जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कुशनर की भूमिका को कम करके बताया।

ईरान का दावा: खोज निकाला नया गैस भंडार, 15 साल तक होगी आपूर्ति

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने दक्षिणी फार्स प्रांत में एक नया गैस क्षेत्र खोजने का दावा किया है। ईरान के तेल मंत्री मोहसिन पाकनेजाद ने यह जानकारी दी। ईरानी समाचार एजेंसी आईआरआईबी के मुताबिक, इस नए गैस क्षेत्र में करीब 7,500 अरब घन फीट गैस होने का अनुमान है।

पाकनेजाद ने रविवार को कहा कि 7,500 अरब घन फीट गैस की खोज हुई है। उन्होंने बताया कि 73 प्रतिशत गैस निकाली जा सकती है। इसके हिसाब से करीब 5,700 अरब घन फीट गैस निकालना संभव है। उन्होंने दावा किया कि यह मात्रा दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र के एक ब्लॉक के बराबर है और इससे 15 साल तक गैस की आपूर्ति की जा सकती है। पाकनेजाद ने कहा कि नई खोजी गई स्वीट गैस है। इसका मतलब है कि इसमें सल्फर जैसी अशुद्धियां कम होती हैं। इससे गैस क्षेत्र को विकसित करने और संचालित करने की लागत कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस खोज में गैस कंडेनसेट भी मिला है। यह गैस के साथ निकलने वाला एक तरह का तरल ईंधन होता है। पाकनेजाद ने कहा कि इससे ईरान को अरबों डॉलर की

नई संपत्ति मिल सकती है।

ईरान के पेट्रोलियम मंत्रालय ने क्या कहा: इस बीच, शनिवार को ईरान के पेट्रोलियम मंत्रालय की समाचार एजेंसी सना ने दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र की फेज-14 रिफाइनरी को लेकर जानकारी दी। एजेंसी के मुताबिक, यहां उत्पादन क्षमता बहाल करने का 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसके ईरानी कैलेंडर वर्ष के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है।

पार्स ऑयल एंड गैस कंपनी के प्रमुख तुराज देहघानी ने बताया कि रिफाइनरी पर 12 दिन के युद्ध के दौरान हमला हुआ था। इसके तुरंत बाद दोबारा निर्माण का काम शुरू कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि रिफाइनरी की तीन क्षतिग्रस्त उत्पादन इकाइयों को 10 दिन से भी कम समय में फिर से चालू कर दिया गया।

देहघानी ने कहा कि चौबीसों घंटे काम और विस्तार से बनाई गई योजना के कारण आखिरी क्षतिग्रस्त उत्पादन इकाई भी साल के अंत तक फिर से उत्पादन शुरू कर देगी। उन्होंने बताया कि पार्स ऑयल एंड गैस कंपनी और नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी को दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र की तीसरी और पांचवीं रिफाइनरी के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी दी गई है। इन चार प्रभावित रिफाइनरी में इन दोनों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ था। उन्होंने कहा कि दोनों रिफाइनरी की सुरक्षा और मलबा हटाने का काम दो महीने से भी कम समय में पूरा कर लिया गया। देहघानी ने कहा कि काम में काफी जोखिम था, लेकिन इसके बावजूद कोई दुर्घटना नहीं हुई।

अधिकृत देशों के होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलेगा ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने रविवार को कहा कि अधिकृत देशों के जो जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरेंगे, उन्हें अब तेहरान को सेवा शुल्क देना होगा। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह शुल्क समुद्री, पर्यावरण और लॉजिस्टिक से जुड़ी कई तरह की सेवाओं के लिए लिया जाएगा।

सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबिक, यह फैसला होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा और प्रगति सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक कार्रवाई योजना के अनुच्छेद 3 को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया है।

रेजाई ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग ने इस योजना के अनुच्छेद 3 को मंजूरी दे दी है। इसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति पाने वाले देशों के जहाजों को ईरान की ओर से दी जाने वाली सेवाओं का भुगतान करना होगा।

जहाजों से किस वजहों से शुल्क लिया जाएगाः उन्होंने कहा कि इन सेवाओं में जहाजों की आवाजाही के लिए मदद, पर्यावरण से जुड़ी सेवाएं, कुछ परिस्थितियों में ईंधन, बीमा, सुरक्षा और दूसरी सेवाएं शामिल हैं। प्रवक्ता ने बताया कि भुगतान के लिए लचीली वित्तीय व्यवस्था तैयार की गई है।

उन्होंने कहा कि शुल्क ईरानी रियाल या इस्लामी गणराज्य ईरान की ओर से पसंद की जाने वाली किसी दूसरी मुद्रा में लिया जा सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी बंद है: रेजाई: इससे पहले शनिवार को ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसिन रेजाई ने कहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। उन्होंने कहा था कि जब तक अमेरिका अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करता और अपना रवैया नहीं बदलता, तब तक यह जलमार्ग दोबारा नहीं खोला जाएगा। आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा कि अमेरिकी दावों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है और अमेरिका का रवैया ठीक होने तक यह नहीं खुलेगा। उन्होंने कहा कि इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी।

रेजाई ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका सैन्य विकल्पों से निराश हो चुका है और अब आर्थिक नाकाबंदी के जरिये ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भरोसा दिलाया है कि आर्थिक नाकाबंदी ईरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर देगी। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका के नियंत्रण का दावा किया है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर एक तस्वीर साझा की। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को न्यू यूएस टेरिटरी यानी नया अमेरिकी क्षेत्र बताया गया है।

कैब बुक करते ही आती है स्मार्ट कार, मशीन से कट जाते हैं पैसे: एआई ने कैसे बदली रोजमर्रा की जिंदगी

बीजिंग, एजेंसी। चीन में लोकप्रिय पर्यटन स्थल की सड़कों पर टहलते हुए या दफ्तर से घर लौटते वक्त अथवा शॉपिंग करते समय इन्सान का किसी न किसी एआई डिवाइस से टकराए बिना चलना नामुमकिन हो चुका है। इनमें से कई चीजें वाकई काम की हैं। बूढ़ी होती चीनी आबादी के लिए श्रमिकों की कमी रोबोट पाट रहे हैं, बाजारों में ह्यूमनॉइड का चलन बढ़ चुका है। सड़क पर एक डिवाइस रोड पार करने वाले पैदल यात्रियों को ट्रैक कर पुलिस की मदद कर रही है। सड़क पर गलती की तो डिवाइस आपको पकड़ती है। पर्यटन स्थलों में वेंडिंग मशीन चेहरा पहचान कर वीचैट जैसे डिजिटल वॉलेट से पैसे काटती है। चीनी कंपनियां बीजिंग के इस विजन को हकीकत में बदलने की होड़ में जुट गई हैं। इसी का नतीजा हैं बढ़ते ह्यूमनॉइड्स, स्मार्ट कारें और कई तरह के रोबोट्स। यह सोच अमेरिकी सोच से इसलिए अलग है क्योंकि अमेरिका खास जगहों पर ही इस तरह के रोबोट्स का प्रयोग करता है। ह्यूमनॉइड रोबोट खुद ही ग्रॉसरी स्टोर को खुद रोबोट संभालता है। यहां तक कि आपके कूड़े को भी पहले एआई स्कैन करता है और बताता है कि वह सूखा कचरा है या गीला। उसके बाद आप सही डिब्बा चुनकर कचरा डालते हैं। सबसे बड़ी बात है कि सरकार खुद अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए एआई को सीधे फैक्टरियों, अस्पतालों, स्कूलों और दुकानों में लगाने को प्रेरित कर रही है। जहां अमेरिकी कंपनियां ज्यादातर चैटबॉट्स और सुपरह्यूमन इंटेलिजेंस के अनिश्चित लक्ष्य पर केंद्रित हैं, वहीं चीन सरकार चाहती है कि एआई सीधे फैक्ट्रियों और दुकानों में इस्तेमाल होकर अर्थव्यवस्था को नई ताकत दें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,